THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 77 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.4 2082 गुरुवार, 18 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ◦ पृष्ठ : 16, मूल्य : 8 रुपये

टीएमसी नेता उदयन गुहा गिरफ्तार

कोलकाता, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व ममता बनर्जी सरकार में उत्तर बंगाल विकास विभाग के मंत्री रहे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता उदयन गुहा को बुधवार को कोलकाता के फूलबागान स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उन्हें किन धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार पुलिस लंबे समय से उनकी तलाश कर रही थी। सूत्रों का कहना है कि उदयन गुहा पर वर्ष 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद कूचबिहार जिले में हुई चुनाव बाद हिंसा में कथित संलिप्तता के आरोप हैं।

एनटीए ने 6 साल में कमाए 448 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने पिछले छह वर्षों में लगभग 448 करोड़ रुपये का सरप्लस (अधिशेष) अर्जित किया है। इस खुलासे के बाद संसदीय स्थायी समिति ने सुझाव दिया है कि इस राशि का उपयोग परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने, परीक्षा संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास और निजी वेंडर्स की निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाने में किया जाए। शिक्षा, महिला, बाल विकास, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति की हालिया एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) के अनुसार एनटीए ने पिछले छह वर्षों में परीक्षाओं के आयोजन से कुल 3,512.98 करोड़ रुपये की आय अर्जित की।

भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

ये प्रगति की एक झलक : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भारत ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले साल के 1.54 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.6 प्रतिशत अधिक है।

पीएम ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक जानकारी साझा करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में भारत की रक्षा क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता के विजन, नई तकनीक और स्वदेशी निर्माण ने भारत को मजबूती दी है। प्रधानमंत्री ने पिछले 12 वर्षों के सफर का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे भारत ने जल, थल और नभ में अपनी ताकत बढ़ाई है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मजबूत नींव करार दिया।

आंकड़ों में क्या?

आंकड़ों पर नजर डालें तो रक्षा उत्पादन में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त उछाल आया है। साल 2020-21 में यह आंकड़ा 84,643 करोड़ रुपये था, जिसमें अब तक 110 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, साल 2013-14 की तुलना में रक्षा उत्पादन अब लगभग चार गुना बढ़ गया है। उस समय यह केवल 43,746 करोड़ रुपये था।

रक्षा मंत्री ने क्या कहा?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बड़ी सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह विकास देश के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का प्रमाण है। उन्होंने सरकारी विभाग के साथ-साथ निजी क्षेत्र की मेहनत को भी सराहा। रक्षा मंत्री को भरोसा है कि सरकार की नीतियों और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से आने वाले समय में यह रफ्तार और तेज होगी।

इस रिकॉर्ड उत्पादन में सरकारी कंपनियों की हिस्सेदारी 76 प्रतिशत रही, जबकि निजी क्षेत्र ने 24 प्रतिशत का योगदान दिया। निजी कंपनियों ने करीब 42,000 करोड़ रुपये का उत्पादन किया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। रक्षा उत्पादन बढ़ने का फायदा निर्यात में भी दिखा है। भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रक्षा निर्यात किया है। रक्षा मंत्रालय ने इसे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की एक बड़ी कामयाबी बताया है।

रिकॉर्ड स्तर पर भारत का रक्षा उत्पादन

- सालाना रक्षा उत्पादन ₹1.78 लाख करोड़ के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा।
- पिछले साल (FY25) के मुकाबले 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी।
- प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी बढ़कर 24 प्रतिशत हुई।
- 2013-14 के मुकाबले रक्षा उत्पादन में लगभग चार गुना का उछाल।

उद्धव की पार्टी टूटी

> राउत ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में गाली दी, 9 में से 6 सांसद बागी
> 4 साल पहले शिंदे 39 विधायकों के साथ अलग हुए थे

नई दिल्ली/मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, छह सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। हालांकि, अभी स्पीकर या बागी गुट की तरफ इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। संजय ने बुधवार सुबह ही पार्टी छोड़ने की खबरों को खारिज किया था। इस बीच दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गाली दी। राउत ने कहा-ये साले #$% के। ये बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में सफाई देते हुए कहा-मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं। शिवसेना में चार साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था।

> हम मराठी भाषा में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इसमें गलत क्या है? मुझे अच्छी तरह पता है कि कब और कौन सी भाषा का इस्तेमाल करना है। जो भाषा व्यक्ति समझता है, उसके लिए उसी भाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
>
> संजय राउत, शिवसेना यूबीटी सांसद

शिवसेना से पहले आप-टीएमसी के 27 सांसद बागी हुए

पिछले 3 महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या एनडीए को समर्थन दिया है। इनमें 7 आप के राज्यसभा सांसद और 20 टीएमसी के लोकसभा सांसद हैं। शिवसेना (यूबीटी) में टूट की अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) चीफ और यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने वाली है और पार्टी के कई नेता बीजीपी में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

सपा चीफ अखिलेश यादव ने पार्टी में टूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सपा मजबूत और एकजुट है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के अपने विधायक पाला बदलने वाले हैं।

नीट-यूजी 21 जून को दोबारा परीक्षा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

यह याचिका राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ दायर हुई थी। इसमें लगभग 22 लाख उम्मीदवारों के लिए देशव्यापी दोबारा परीक्षा को चुनौती दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया गया। याचिका में 3 मई की परीक्षा को रद्द करने के फैसले पर सवाल उठाया गया था। इसमें उन लाखों उम्मीदवारों के लिए राहत मांगी गई जो कथित पेपर लीक से जुड़े नहीं थे। मुख्य न्यायाधीश ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी 2026 से संबंधित याचिकाएं पहले से ही न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की पीठ सुन रही है। यह याचिका भी जुलाई में उसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व सहायक महानिदेशक मंगला कोहली ने यह जनहित याचिका दायर की है। याचिका एनटीए के 3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द करने के फैसले पर सवाल उठाती है।

> प्रताप जयंती पर भागवत का बड़ा बयान <

हल्दीघाटी में जीते थे महाराणा प्रताप, इतिहास में परोसा गया झूठा नैरेटिव

उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उदयपुर के गांधी ग्राउंड में आयोजित राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इतिहास, राष्ट्र चेतना और महाराणा प्रताप के संघर्ष पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध में विजय महाराणा प्रताप की हुई थी, लेकिन लंबे समय तक इतिहास में इसके विपरीत नैरेटिव प्रस्तुत किया जाता रहा।

सभा को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि यदि महाराणा प्रताप हल्दीघाटी के युद्ध में पराजित हुए होते, तो आज उनकी जयंती पूरे देश में इतने गौरव और सम्मान के साथ नहीं मनाई जाती। उन्होंने कहा कि मुगलकालीन इतिहासकारों के लेखन में भी ऐसे उल्लेख मिलते हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि युद्ध के बाद मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा था।

मोहन भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप और उनकी सेना का संघर्ष नहीं था, बल्कि यह पूरे समाज की अस्मिता और स्वाभिमान की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि उस समय संसाधनों, धन और सेना के मामले में मुगल शासक अकबर कहीं अधिक शक्तिशाली था, लेकिन इसके बावजूद महाराणा प्रताप ने आत्मसमर्पण नहीं किया और संघर्ष का मार्ग चुना। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जाती है लेकिन कहीं भी अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती। यह इस बात का प्रमाण है कि इतिहास ने अंततः किसे सम्मान दिया।

लोकसभा स्पीकर ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक से बोले

19 जून को पार्टी में फूट मामले पर बताएं अपना पक्ष

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए बुलाया है। सूत्रों के अनुसार, स्पीकर ने अभिषेक बनर्जी को 19 जून को मिलने के लिए कहा है। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य पार्टी में हुई फूट के मामले पर चर्चा करना है। स्पीकर चाहते हैं कि अभिषेक बनर्जी इस पूरे विवाद पर अपना पक्ष रखें और स्थिति स्पष्ट करें। अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं।

एनसीपीआई में विलय की पहल, उठ रहे कई सवाल?

इससे पहले तृणमूल के असंतुष्ट धड़े ने 2023 में अस्तित्व में आई पूर्वोत्तर की राजनीतिक पार्टी-एनसीपीआई में विलय का एलान किया था। ये पार्टी त्रिपुरा का एक पंजीकृत गैर-मान्याप्राप्त दल है। इस पार्टी का गठन 2022 में हुआ था। शिवली कुंडू इसकी संस्थापक अध्यक्ष हैं। 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस पार्टी ने दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। दोनों ही उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। एनसीपीआई का चुनाव चिन्ह पेन की नीब और सात किरणें हैं।

बंगाल में बगावत, ममता बनर्जी के खिलाफ कितने नेता?

दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे चार मई को आए थे। इस चुनाव के बाद सत्ता गंवा चुकी पार्टी- तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में आंतरिक कलह जारी है। नतीजों की घोषणा के बाद से ही तृणमूल नेताओं में असंतोष देखा जा रहा है। आलम ये है कि पार्टी अब दो फाड़ होने की कगार पर है। संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) को मिलाकर कभी 40 सांसदों के साथ विपक्ष में दमदार भूमिका निभाने वाली टीएमसी अब अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। पार्टी के नेता मुखर होकर ममता बनर्जी के खिलाफ बोल रहे हैं।

आईएसआई से जुड़े पांच और आरोपी पकड़े

पाकिस्तानी हैंडलरों के पोस्टर लगाकर करते थे महिमामंडन, गोला-बारूद भी बरामद

दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लगातार दूसरे दिन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी से जुड़े एक और मल्टी-स्टेट टेरर मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए, इसके पांच गुर्गों सोहेल (26), सोनू मीणा (30), सचिन कुमार मीणा (20), मो. कैफ (21) और मो. रिहान (20) को गिरफ्तार किया है।

इस मॉड्यूल को दिल्ली और इससे जुड़े राज्यों में पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमले करने थे। वहीं, पाकिस्तानी हैंडलर्स के पोस्टर लगाकर उन्हें बढ़ावा देना था। इसके साथ इस मॉड्यूल को दिल्ली-एनएसीआर इलाके में ग्रैफिटी बनाकर आईएसआई-समर्थित कथित आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान'' (टीटीएच) का प्रचार करने का काम सौंपा गया था।

टेलीग्राम पर पाबंदी मामले में कांग्रेस-बीजेपी आमने-सामने

राहुल बोले-छात्र नहीं, माफिया पर वार हो

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सरकार द्वारा टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने पर निशाना साधा। उन्होंने इसे 'चोर पकड़ने के बजाय पीड़ित के घर पर ताला लगाने' जैसी नई चाल बताया। सरकार ने नीट-यूजी 2026 दोबारा परीक्षा से पहले यह कदम उठाया है।

भारत में मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम ने काम करना बंद कर दिया है। हालांकि, यह वर्चुअल प्रोटोकॉल नेटवर्क (वीपीएन) के माध्यम से अभी भी चालू है। गूगल ने मंगलवार को ऐप को हटा दिया था, और एप्पल के ऐप स्टोर ने भी सरकारी आदेश का पालन करते हुए इसे हटा दिया है।

क्या अगला प्रतिबंध व्हाट्सएप पर?

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने कहा कि 'टेलीग्राम प्रतिबंध' पेपर लीक रोकने की मोदी सरकार की नई चाल है। उन्होंने सवाल किया कि

लाखों छात्र वर्षों से टेलीग्राम पर नोट्स, टेस्ट सीरीज और पढ़ाई के लिए निर्भर हैं। यह सुविधा छीनना पेपर लीक का समाधान कैसे हो सकता है। गांधी ने कहा कि यह तरीका भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है, जिसे देश के छात्र और पेपर लीक माफिया दोनों जानते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगला प्रतिबंध व्हाट्सएप पर भी लग सकता है।

टेलीग्राम पर प्रतिबंध मामले में राहुल गांधी क्या बोले?

राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा के दिन छात्रों की तलाशी ली जाएगी। उनकी जेबें कैंची से काटी जाएंगी और प्रश्नपत्र वायुसेना के माध्यम से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि नाटकीयता की कोई कमी नहीं होगी। लेकिन बीमारी की जड़ पर कोई प्रहार नहीं किया जा रहा है। गांधी ने आरोप लगाया कि पेपर लीक माफिया इसी सरकार की निगरानी में फल-फूल रहा है। यह युवाओं को खून के आंसू रुला रहा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी से दिखावा बंद करने और छात्रों के बजाय माफिया पर कार्रवाई करने की अपील की। गांधी ने कहा कि छात्रों की आवाज सुनी जाए, अन्यथा देश के युवा अपने अधिकार हासिल करना जानते हैं।

एनटीए और टेलीग्राम सीईओ के स्पष्टीकरण में क्या?

सरकार ने मंगलवार को नीट-यूजी 2026 दोबारा परीक्षा से पहले टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप तक पहुंच को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य नकल गिरोहों और गलत सूचना से निपटना है। एनटीए महानिदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि 22 जून तक टेलीग्राम पर प्रतिबंध 21 जून की दोबारा परीक्षा को कदाचार मुक्त सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कोई गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। टेलीग्राम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पावेल दुरोव ने भारत में मैसेजिंग ऐप पर प्रतिबंध की आलोचना की। उन्होंने इसे 'गलती' बताया और कहा कि लीक अन्य ऐप पर चला गया है।

6 सांसदों का खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। बीजेपी के 6 सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। सांसदों का आरोप है कि खरगे की टिप्पणी सदन की गरिमा और संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

बीजेपी सांसदों ने राज्यसभा के सभापति से मामले का संज्ञान लेते हुए मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि संसद के भीतर प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी असंसदीय है और इस पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ दायर विशेषाधिकार हनन नोटिस को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया है। अब समिति मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

'तुम लोग परजीवी हो'

सीजेआई सूर्यकांत ने साइबर फ्रॉड के आरोपी को नहीं दिया बेल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को साइबर फ्रॉड के एक आरोपी को बेल देने से साफ मना कर दिया। यही नहीं, उसकी जमानत याचिका खारिज करते हुए सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने ऐसे अपराधियों को लेकर कुछ बहुत ही गंभीर टिप्पणियां कीं और कहा कि समाज के हित में ऐसे लोगों को जेल के अंदर ही रहना चाहिए।

'आपको जेल के अंदर रहना चाहिए'

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने साइबर अपराध केस में जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि ऐसे अपराधी देश भर के लोगों को निशाना बनाते हैं, जिससे उन्हें बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस दौरान ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले साइबर अपराधियों को लेकर भारत के चीफ जस्टिस ने बहुत ही तीखी टिप्पणी की।

'साइबर अपराधियों को जेल में ही रहना चाहिए'

तुम लोग परजीवी हो..जो निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाते हैं। साइबर क्रिमिनल्स के लिए हमें बहुत ही सख्त होना पड़ेगा। तुम्हारे पीड़ित हमेशा देशभर के भारतीय होते हैं, तुम किसी को तमिलनाडु में ठगते हो, फिर जम्मू चले जाते हो...समाज की भलाई सिर्फ इसी में है कि आप जेल के अंदर रहें। सुप्रीम कोर्ट ने इस ओर ध्यान दिलाया कि साइबर अपराधी अक्सर एक साथ कई राज्यों में अपनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इससे साइबर अपराध का पता लगाना, उनकी जांच करना और भी मुश्किल हो जाता है। इसलिए अदालत ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों से निपटने के लिए बहुत ही सख्त रुख अपनाए जाने की जरूरत है। बीते एक महीने में यह दूसरा मौका है, जब सीजेआई सूर्यकांत ने किसी मामले पर फैसला सुनाने से पहले इतनी कठोर भाषा का इस्तेमाल किया है।

'पूर्वोत्तर में आयकर छूट में 'क्रीमी लेयर' का सिद्धांत लागू हो'

सुप्रीम कोर्ट बोला-यह संसद का अधिकार क्षेत्र है, वहां जाएं

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जिसमें पूर्वोत्तर भारत में रहने वाली अनुसूचित जनजातियों को दी जाने वाली आयकर छूट में "क्रीमी लेयर" का सिद्धांत लागू करने की मांग की गई थी। यह देखते हुए कि यह मुद्दा विधायी क्षेत्र के अंतर्गत आता है और संसद द्वारा इसका सबसे अच्छा समाधान किया जा सकता है।

लॉ बीट के मुताबिक, सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि यह मामला कानून बनाने से जुड़ा है। इस फैसला करने का काम संसद का है।

सुकेश चंद्रशेखर 200 करोड़ ठगी मामला

लीना मारिया पॉलोस की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

> 27 जुलाई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे चर्चित ठगी मामलों में शामिल ठग सुकेश चंद्रशेखर का 200 करोड़ रूपय वाला वसूली केस एक बार फिर सुर्खियों में है। कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना मारिया पॉलोस को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत तो नहीं मिली लेकिन उनकी जमानत याचिका पर अदालत ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। लीना मारिया पॉलोस ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय बेंच ने मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए दिल्ली सरकार से अपना पक्ष रखने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बेंच ने मामले की सुनवाई 27 जुलाई को रखी है। अदालत ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जिस पर कई प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है।

दुर्गम इलाके में अक्षर अभ्यास उत्सव धूमधाम से मनाया गया

अमरावती, 17 जून (एजेंसियां)। मशहूर पवित्र स्थल इंद्रकीलाद्री मंदिर में अक्षर अभ्यास उत्सव बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। यह उत्सव वास्तविक जन्म-तिथि के अवसर पर आयोजित किया गया था। आज (बुधवार) सुबह 6 बजे, पाँच साल से ज़्यादा उम्र के बच्चे महामंडप की छठी मंजिल पर पहुँचे और उनके माता-पिता भी साथ आए। सिर्फ़ उन्हीं लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है जिन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। बच्चों के साथ सिर्फ़ माता-पिता को ही अम्मावारी के दर्शन की अनुमति होगी। सुबह 8:06 बजे शुभ मुहूर्त में अक्षर अभ्यास शुरू हुआ। वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार के बीच अक्षर अध्ययन कार्यक्रम बड़े धूमधाम से शुरू हुआ। मंदिर प्रशासन की ओर से थाली, दीपक और पूजा की सामग्री मुफ़्त उपलब्ध कराई जा रही है। अक्षर अभ्यास के बाद अम्मावारी के दर्शन और प्रसाद मुफ़्त दिए गए। ईवो शीना नायक ने भक्तों से सामूहिक अक्षर अभ्यास उत्सव के दौरान समय का पालन करने की अपील करती रही।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी के सामने पेश हुईं वीणा विजयन

पीएमएलए मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश हुईं

कोच्चि, 17 जून (एजेंसियां)। कोच्चि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ऑफिस के आस-पास भारी पुलिस तैनाती के बीच, पिनाराई विजयन की बेटी वीणा टी। बुधवार को केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश हुईं। यह पेशी उनकी आईटी फर्म, 'एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस' और 'कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड' (सीएमआरएल) के बीच हुए कथित वित्तीय लेन-देन की जांच के सिलसिले में थी। वीणा अपने पति मोहम्मद रियास के साथ ईडी ऑफिस पहुंचीं। उन्हें ऑफिस छोड़ने के बाद रियास वहां से चले गए।

मामले की संवेदनशीलता और 27 मई को पिनाराई विजयन के घर पर तलाशी के बाद वहां से निकलते समय ईडी अधिकारियों पर भीड़ द्वारा किए गए हमले को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उम्मीद है कि ईडी, एक्सलॉजिक और सीएमआरएल के बीच हुए वित्तीय लेन-देन से जुड़ी अहम जानकारी मांगेगी। जांच अधिकारी वीणा से उस 2.78 करोड़ रुपये के इस्तेमाल के बारे में पूछताछ किया है जो कथित तौर पर एक्सलॉजिक को सीएमआरएल से मिले थे, और यह भी पूछा गया कि ये पेमेंट किन हालात में किए गए थे। हाल के दिनों में, एजेंसी ने व्यवसायी शशिधरन कार्था के बेटे और सीएमआरएल के मैनेजिंग डायरेक्टर सरन एस कार्था के साथ-साथ शशिधरन कार्था की बेटी शिबी कार्था और पत्नी जया कार्था से भी पूछताछ की है। ईडी ने शुरू में वीणा को 12 जून को बुलाया था। हालांकि, उन्होंने एजेंसी को बताया कि स्वास्थ्य कारणों से वह पेश नहीं हो सकतीं, जिसके बाद उन्हें 17 जून को पेश होने का नया समन जारी किया गया था।

27 मई को कई जगहों पर छापेमारी के बाद, ईडी ने आरोप लगाया कि सीएमआरएल के मैनेजमेंट ने अपराध से कमाई की थी और कई लोगों को रिश्वत दी थी। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया कि एक्सलॉजिक को सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए ही पेमेंट मिला था।

एजेंसी ने हाल ही में कोच्चि की एक स्पेशल कोर्ट से 'सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस' (एसएफआईओ) द्वारा इकट्ठा किए गए दस्तावेजों को देखने की इजाजत ली है; एसएफआईओ की जांच के नतीजे ईडी की जांच का एक अहम हिस्सा हैं। एसएफआईओ ने पाया कि एक्सलॉजिक को सीएमआरएल से उन सेवाओं के लिए भारी पेमेंट मिला जो कथित तौर पर कभी दी ही नहीं गईं।

जांच अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या जांच के दायरे में आए फंड का इस्तेमाल करके कोई संपत्ति खरीदी गई थी। अगर ऐसी संपत्तियों की पहचान होती है और उन्हें अपराध से हुई कमाई से जोड़ा जाता है, तो ईडी जांच के हिस्से के तौर पर उन्हें ज़ब्त करने की कार्रवाई शुरू कर सकती है।

पलनाडु में छात्रों की सुरक्षा को लेकर पांच स्कूल बसें ज़ब्त

गुंटूर, 17 जून (एजेंसियां)। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के आदेशों पर अमल करते हुए, पलनाडु जिले में स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों की जांच के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारी छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बड़े पैमाने पर जांच कर रहे हैं। इस अभियान के तहत, कई टीमें दो दिनों तक बसों की जांच कर रही हैं। वे फिटनेस सर्टिफिकेट, टैक्स रसीद, परमिट (आरटीए), इंश्योरेंस की वैधता, अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा से जुड़ी अन्य ज़रूरी चीज़ों पर ध्यान दे रहे हैं।

हुई जांच के दौरान, बिना वैध फिटनेस सर्टिफिकेट के चल रही पांच बसें ज़ब्त की गईं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सख़्त कार्रवाई की जा रही है। ज़िला ट्रांसपोर्ट अधिकारी जे। संजीव कुमार ने ज़ोर देकर कहा कि संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी गाड़ियां सड़क पर चलने लायक हों और सभी नियमों का पालन करें।

आंध्र प्रदेश में अपराध दर में 14 प्रतिशत की कमी: मंत्री वंगलापुडी अनीता

अमरावती, 17 जून (एजेंसियां)। गृह और आपदा प्रबंधन मंत्री वंगलापुडी अनीता ने कहा है कि मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने पिछले दो वर्षों में व्यापक सुधार किए हैं। सरकार ने कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम, नशीली दवाओं पर नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, जेल सुधार और पुलिस कल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य सचिवालय में मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने लोगों को केंद्र में रखकर प्रशासनिक व्यवस्थाओं का पुनर्निर्माण किया है, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और कुशल जनसेवा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना केवल अधिकार का मामला नहीं है, बल्कि नागरिकों का विश्वास जीतने का भी मामला है। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जनभागीदारी, पुलिस-समुदाय के बीच तालमेल, तकनीक-आधारित पुलिसिंग और कानूनों के कड़ाई से पालन के माध्यम से आंध्र प्रदेश को देश के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक बनाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपराध होने से पहले ही उसे रोकना सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

बेहतर निगरानी प्रणालियों, वैज्ञानिक जांच विधियों और विभागों के बीच आपसी तालमेल के कारण राज्य में अपराध दर में कुल मिलाकर 14.1 प्रतिशत की कमी आई है। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल निगरानी के इस्तेमाल से अपराध-रोकथाम वाली पुलिसिंग मजबूत हुई है। महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। विशेष सुरक्षा तंत्र और 'शक्ति ऐप' के माध्यम से 11.15 लाख से अधिक एसओएस कॉल प्राप्त हुए और उन पर तुरंत कार्रवाई की गई। 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत पुलिस ने बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित 8,396 लापता लोगों का पता लगाया और उन्हें उनके परिवारों से मिलाया।

आंध्र प्रदेश सेमीकंडक्टर हब के तौर पर उभर रहा है: सीएम नायडू

अमरावती, 17 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि आंध्र प्रदेश सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए सबसे आकर्षक जगह के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने दुनिया भर की इंडस्ट्री के बड़े नेताओं को अगले 30 दिनों में राज्य का दौरा करने और यहां की इन्वेस्टर-फ्रेंडली नीतियों और मौकों को जानने के लिए आमंत्रित किया है। सिंगापुर में 'सेमीकॉन इकोसिस्टम राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने 'स्पीड ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' मॉडल के प्रति एपी की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। इस मॉडल का मकसद तेज़ी से मंज़ूरी दिलाना, बेहतर गवर्नेंस और बिना रुकावट विकास सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि भारत अभी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के लिए सबसे सुरक्षित और उम्मीद जगाने वाली जगहों में से एक है और एपी निवेशकों के लिए एक बहुत अच्छी जगह है। नायडू ने कहा कि निवेश करने का यह सही समय है और उन्होंने राज्य की सक्रिय औद्योगिक नीतियों और मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर ज़ोर दिया। सीएम ने बताया कि एपी में सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में बड़े मौके हैं। उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही

रायलसीमा इलाके में एक सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाई जाएगी। नायडू ने रायलसीमा में एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज़ के लिए बड़ी संभावनाओं का भी ज़िक्र किया, जिनमें डिफेंस प्रोडक्शन, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, फाइटर एयरक्राफ्ट के पार्ट्स और ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं। 'सेमीकॉन इकोसिस्टम राउंडटेबल' में सिंगापुर की प्रमुख सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें ग्लोबल फाउंड्रीज़, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, एएसएमपीटी, वन सिस्टम टेक्नोलॉजीज़, टेकसेंड फोटोमास्क, एक्वाटेक और इंडस्ट्री से जुड़े कई अन्य लोग शामिल थे।

जगनमोहन रेड्डी ने एक्वा फ़ीड की बढ़ती कीमतों के खिलाफ़ आंदोलन की चेतावनी दी

कडपा, 17 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन्मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश सरकार से जून 2026 के आखिर तक एक्वा फ़ीड की कीमतें कम करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर यह मांग पूरी नहीं हुई, तो वे 1 या 2 जुलाई को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन में एक्वा किसानों के साथ शामिल होंगे। जगन ने ताडेपल्ली में वाईएसआरसीपीके केंद्रीय कार्यालय में एक्वा किसानों और एपी प्रॉन फेडरेशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। किसानों ने फ़ीड की बढ़ती लागत, झींगे की गिरती कीमतों और उत्पादन के बढ़ते खर्चों के कारण हो रही भारी आर्थिक तंगी के बारे में बताया।

किसानों को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाते हुए, जगन ने याद दिलाया कि वाईएसआरसीपीसरकार (2019–2024) के दौरान, पार्टी के घोषणापत्र के वादे के मुताबिक एक्वा किसानों को 1.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिली थी और 57 महीनों में 3,306 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई थी। उन्होंने पिछली टीडीपी सरकार की आलोचना की क्योंकि वह 2 रुपये प्रति यूनिट बिजली देने

का अपना वादा पूरा नहीं कर पाई थी। उन्होंने हाल ही में जारी गो आरटी। नंबर 169 पर भी चिंता जताई, जिसमें पावर फैक्टर से जुड़ी शर्तें लागू की गई हैं, जिनसे सब्सिडी का लाभ मिलने में रुकावट आ सकती है। अपने कार्यकाल में उठाए गए कदमों का ज़िक्र करते हुए, जगन ने एपसाडा (आंध्र प्रदेश राज्य एक्वा विकास एजेंसी) की स्थापना, मछली के फ़ीड के लिए क्वालिटी कंट्रोल नियम, इंटीग्रेटेड लैब और आरबीके में मत्स्य पालन सहायकों की नियुक्ति का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि इन कदमों से किसानों को शोषण से बचाया गया और निर्यात को बढ़ावा मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने एपसाडाको कमज़ोर कर दिया है, जिससे फ़ीड कंपनियाँ बिना मंज़ूरी के कीमतें बढ़ा पा रही हैं।

जरोद हाईवे पर ट्रक में जा घुसी स्लीपर बस; 6 लोगों की मौत और 31 घायल

वडोदरा, 17 जून (एजेंसियां)। वडोदरा-जरोद रोड पर आज सुबह-सुबह एक बेहद दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा हो गया। कोटंबी गांव के पास हाईवे पर एक लक्जरी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार करीब 31 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह हादसा आज तड़के (सुबह-सुबह) हुआ। हाईवे से गुजर रही एक लक्जरी बस अचानक आगे चल रहे एक ट्रक के पिछले हिस्से में बेहद तेजी से जा घुसी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस जोरदार टक्कर की वजह से बस के अंदर बैठे 6 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। हादसे के वक्त बस में चीख-पुकार मच गई। टक्कर के कारण 31 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। एक्सीडेंट की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। सभी घायलों को इलाज के लिए तुरंत वडोदरा के प्रसिद्ध सयाजी अस्पताल ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

सामूहिक दुष्कर्म-एसिड अटैक के दोषी दो बीएसएफ जवानों को 42 साल की जेल

नौ साल बाद पीड़िता को मिला इंसाफ

इंफाल, 17 जून (एजेंसियां)। मिजोरम की एक जिला अदालत ने नौ साल पुराने एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो जवानों को एक स्थानीय आदिवासी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उन पर एसिड फेंकने का दोषी पाया है। आइजोल की अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश सिल्वी जोमुआनपुई राल्ते ने दोनों जवानों को 42 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। घटना के समय पीड़िता की सहेली रहस्यमय तरीके से गायब हो गई थी।

11 दिन बाद उसकी सड़ी-गली लाश जंगल से बरामद हुई। हालांकि, पुख्ता सबूत न होने के कारण अदालत ने जवानों को हत्या के आरोपों से बरी कर दिया। दोषियों तक पहुंचना पुलिस के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। शुरुआत में बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच में सहयोग नहीं किया। उन्होंने जवानों की गिरफ्तारी और डीएनए जांच के लिए सैंपल देने का विरोध किया था। बाद में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) और कई संगठनों के दबाव के बाद अधिकारी जांच के लिए तैयार हुए। ड्यूटी रजिस्टर की जांच से पता चला कि घटना के समय दोनों जवान उसी इलाके में तैनात थे। इसके बाद आइजोल में एक न्यायिक मजिस्ट्रेट की देखरेख में आयोजित 'टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड' के दौरान पीड़िता ने दोषियों की पहचान कर ली।

कोर्ट ने 18 गवाहों के बयानों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दोनों जवानों को कड़ी सजा सुनाई। उन्हें अलग-अलग अपराधों के लिए कुल 42 साल की जेल काटनी होगी। इसमें सामूहिक दुष्कर्म के लिए 20 साल, एसिड अटैक के लिए 12 साल और गंभीर चोट पहुंचाने के लिए 10 साल की सजा शामिल है। साथ ही, अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 60-60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

सोशल मीडिया के प्यार का खौफनाक अंत

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर लिव-इन में रहे; अब बंगलूरू में मर्डर

बंगलूरू, 17 जून (एजेंसियां)। बंगलूरू पुलिस ने एक 27 साल के युवक को गिरफ्तार किया है, उस पर अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। जिसमें गुस्से में आकर आरोपी ने अपनी प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या कर दी। गौरतलब है कि दोनों की जान-पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। कर्नाटक के हासन जिले के सकलेशपुर की निवासी 20 साल की अनुषा की इंस्टाग्राम पर सकलेशपुर के ही रहने वाले 27 साल के शरत से जान-पहचान हुई थी। धीरे-धीरे ये जान-पहचान प्यार में बदल गई और दोनों ने साथ रहने का फैसला किया। दोनों ने बंगलूरू के मल्लेश्वरम इलाके में एक मकान किराए पर लिया और लिव-इन रिलेशन में रहने लगे। शरद पानी के टैंकर का ड्राइवर था। पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच शनिवार की रात किसी बात पर बहस हुई। बहस झगड़े में बदल गई और गुस्से में आकर शरत ने अनुषा की गला घोंटकर हत्या कर दी।

एनआईए का बारामुला में बड़ा एक्शन

2020 में मीर बाजार हथियार बरामदगी केस में तिहाड़ जेल में बंद ओजीडब्ल्यू शाहीन के घर छापेमारी

श्रीनगर, 17 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के कनिसपोरा क्षेत्र में छापेमारी की। यह कार्रवाई आतंकवाद से जुड़े एक मामले की जांच के सिलसिले में की गई, जिसकी जांच एनआईए कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीमों ने कनिसपोरा निवासी शाहीन अहमद लोन के घर पर तलाशी अभियान चलाया। शाहीन अहमद लोन पिछले कई वर्षों से एनआईए द्वारा जांच किए जा रहे एक मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। यह कार्रवाई उस पृष्ठभूमि में हुई है, जब जम्मू में एनआईए अधिनियम के तहत नामित विशेष न्यायाधीश ने एजेंसी की याचिका स्वीकार करते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत शाहीन अहमद लोन की कथित अचल संपत्तियों को कुर्क करने की अनुमति दी थी। जांच अभिलेखों के अनुसार, यह मामला 11 जनवरी 2020 को कुलगाम के मीर बाजार स्थित अल-स्टॉप नाका पर एक हुंडई आई-20 कार को रोके जाने से जुड़ा है। तलाशी के दौरान वाहन से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया था। बाद में गृह मंत्रालय ने इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी थी। एजेंसी ने 17 जनवरी 2020 को औपचारिक रूप से जांच अपने हाथ में ली थी। एनआईए का आरोप है कि शाहीन अहमद लोन प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के लिए ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के रूप में काम करता था।

वह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों की गुप्त आवाजाही को सुगम बनाने तथा उन्हें कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक पहुंचाने में शामिल था। फिलहाल, एनआईए ने बुधवार को हुई तलाशी के दौरान किसी सामग्री की बरामदगी के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

स्कूलों का होगा सुरक्षा ऑडिट

पोक्सो पालन में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई; एलजी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए राजधानी के सभी स्कूलों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने का फैसला किया है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को लोकनिवास में हुई उच्चस्तरीय बैठक में पोक्सो एक्ट के प्रावधानों के पालन की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को सभी स्कूलों में कानून के अनुपालन की जांच करने के निर्देश दिए। बैठक में दिल्ली पुलिस के आयुक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव और शिक्षा निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एलजी ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और सुरक्षित वातावरण से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। बैठक में निर्देश दिया गया कि दिल्ली के प्रत्येक स्कूल में पोक्सो एक्ट के तहत तय नियमों और दिशा-निर्देशों की स्थिति का आकलन किया जाए। इसमें स्कूलों की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था, जागरूकता कार्यक्रमों और शिकायत निवारण व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। जिन संस्थानों में नियमों के पालन में कमी मिलेगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एलजी ने दिल्ली पुलिस को स्कूल परिसरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। खासतौर पर स्कूलों की छुट्टी के समय और उन स्थानों पर जहां बड़ी संख्या में छात्र आते-जाते हैं, पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने को कहा गया है। इसका उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और छात्रों व अभिभावकों में भरोसा कायम करना है। बैठक में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ छेड़छाड़, उत्पीड़न और अन्य अपराधों पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने पर जोर दिया गया। प्रशासन ने कहा कि राजधानी में ऐसा माहौल तैयार करना प्राथमिकता है, जहां हर बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करे और बिना किसी भय के शिक्षा प्राप्त कर सके।

राज्य कर विभाग के 72 उपनलकर्मियों को झटका सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार हुई उच्च स्तरीय बैठक

देहरादून, 17 जून (एजेंसियां)। राज्य कर विभाग में तैनात उपनलकर्मियों के नियमितीकरण और सेवा संबंधी लाभों के मामले में राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुज्ञा याचिका (एसएलपी) दायर करेगी। इसके लिए शासन ने तत्काल राज्य कर विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। आठ जून को शासन स्तर पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में न्याय विभाग, वित्त, राज्य कर, कार्मिक और सैनिक कल्याण विभाग के अपर सचिव व वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में हाईकोर्ट के विभिन्न रिट याचिकाओं में पारित आदेशों के क्रियान्वयन और उपनल कर्मियों के प्रत्यावेदनों का निस्तारण करना था। विभाग के अंतर्गत कुल 37 रिट याचिकाओं के तहत 116 डेटा एंट्री ऑपरेटर आ रहे हैं, जिनमें से 105 कर्मियों ने सचिव के समक्ष अपने प्रत्यावेदन दिए थे। उन्होंने नियमितीकरण, कृत्रिम व्यवधान समाप्त करना, समान कार्य के लिए समान वेतन, 10 वर्ष से अधिक की नियमित सेवा के दृष्टिगत एरियर, मानदेय की मांग, सेवा से बाहर किए जाने की अवधि के वेतन का भुगतान मांग की थी।

केंद्र ने गोदावरी प्रदूषण पर वैज्ञानिक अध्ययन का समर्थन किया: डिप्टी सीएम पवन कल्याण

अमरावती, 17 जून (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम और वन, पर्यावरण और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री पवन कल्याण ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राज्य सरकार के आठ प्रस्तावों को समर्थन दिया है। इनमें गोदावरी नदी में प्रदूषण से निपटने के लिए महत्वाकांक्षी 'मिशन गोदावरी क्लीन प्रोजेक्ट' भी शामिल है। नई दिल्ली में आज केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद, पवन कल्याण ने कहा कि केंद्र सरकार गोदावरी में प्रदूषण का अध्ययन करने और आगामी पुष्करम उत्सव से पहले नदी के इकोसिस्टम को बहाल करने के उपाय सुझाने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विशेषज्ञों को भेजने पर सहमत हो गई है।

उन्होंने प्रस्तावित 'अरण्यरामम कॉमन फैसिलिटी सेंटर' को मंज़ूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया और टाइगर रिज़र्व को मज़बूत करने, वन्यजीव संरक्षण और तटीय इलाकों में पेड़ लगाने की पहल के लिए समर्थन मांगा। इस प्रस्तावित सुविधा केंद्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन, हनुमान मॉनिटरिंग, जंगल की आग पर नियंत्रण (कमांड एंड कंट्रोल), 'ग्रेट ग्रीन वॉल' मॉनिटरिंग और राज्य टाइगर मॉनिटरिंग के लिए आधुनिक केंद्र होंगे। उन्होंने कहा कि नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व में बेस कैंपों की संख्या 90 से बढ़ाकर 150 करने की अनुमति मांगी गई है, जिसके लिए 300 अतिरिक्त गार्डों की ज़रूरत होगी।

इसमें स्थानीय चेंचु युवाओं को शामिल किया जाएगा और केंद्र सरकार अपनी योजनाओं के तहत बुनियादी ढांचे और आवाजाही (मोबिलिटी) की ज़रूरतों में मदद करने पर सहमत हो गई है। पवन कल्याण ने कहा कि राज्य ने 'इंडियन गौर' (भारतीय बाइसन) को फिर से लाने के लिए मदद मांगी है, जो आंध्र प्रदेश के जंगलों से गायब हो गए थे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ बातचीत के बाद, सितंबर और अक्टूबर के दौरान राज्य में 50 इंडियन गौर लाने की व्यवस्था की जा रही है। उनके संरक्षण के लिए बाड़े पहले ही तैयार किए जा चुके हैं।

उत्तरकाशी गैंगरेप: दरिंदों ने पीरियड में किया था दुष्कर्म, हाई कोर्ट ने 20 साल की सजा रखी बरकरार

नैनीताल, 17 जून (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने उत्तरकाशी में वर्ष 2017 में हुए चर्चित सामूहिक दुष्कर्म मामले में दोषसिद्ध अभियुक्तों को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी विशेष अपीलें खारिज कर दी हैं। न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने सत्र न्यायालय, उत्तरकाशी की ओर से सुनाई गई सजा को सही ठहराते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में सफल रहा है। कोर्ट ने अभियुक्त मनीष अवस्थी, आशीष बिजल्वाण और अजय भट्ट को सामूहिक दुष्कर्म) के अपराध में दोषी ठहराते हुए दी गई 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा को बरकरार रखा गया।

अभियुक्तों ने विशेष अपील दायर कर दलील दी थी कि उनके विरुद्ध कोई स्वतंत्र प्रत्यक्षदर्शी, सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक अथवा वैज्ञानिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं तथा पीड़िता के बयान में विरोधाभास हैं, इसलिए उन्हें दोषमुक्त किया जाना चाहिए। सुनवाई के बाद खंडपीठ ने कहा कि दुष्कर्म के मामलों में पीड़िता का विश्वसनीय और भरोसेमंद बयान अपने आप में पर्याप्त साक्ष्य हो सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

विचार

सपनों की उड़ान वही भरते हैं, जिनके पंख हौसलों से बने होते हैं।

मंत्रिमंडल की उप-समिति ने खरीफ की तैयारियों की समीक्षा की

लाभदायक धान की किस्मों पर ध्यान केंद्रित किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जन सरकार कृषि समुदाय का समर्थन और संरक्षण करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। बुधवार को सचिवालय में कैबिनेट उप-समिति की बैठक में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली धान की किस्मों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत मांग है। उन्होंने कहा कि सरकार दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है: गरीब परिवारों को भी उत्तम गुणवत्ता वाले चावल उपलब्ध हों और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए।

कैबिनेट उप-समिति की बैठक भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में हुई और इसमें मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और तुम्माला नागेश्वर राव ने भाग लिया। समिति ने तेलंगाना राज्य में कृषि उत्पादन, धान खरीद संचालन, भंडारण सुविधाओं और आगामी खरीफ मौसम की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक के दौरान, तेलंगाना राज्य किसान आयोग ने सिफारिश की कि सरकार बीपीटी 5204, तेलंगाना सोना (आरएनआर 15048), केएनएम-1638, जय श्रीराम और एचएमटी जैसी लाभदायक धान की किस्मों की बड़े पैमाने पर खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष उपाय करे। आयोग ने गौर किया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन किस्मों की मजबूत मांग है, जिससे किसानों को बेहतर मुनाफा मिलता है।

आयोग ने उप-समिति को आगे सूचित किया कि इन उत्कृष्ट किस्मों के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और इनकी खेती से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। आयोग ने सिफारिश की कि सरकार इन किस्मों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और किसानों को इनके लाभों के बारे में शिक्षित करने के लिए गांवों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करे। आयोग के अनुसार, आने वाले मौसमों में इन किस्मों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी बल्कि बाजार के अवसर भी मजबूत होंगे। इस तरह की पहल से तेलंगाना को अधिक लाभदायक और टिकाऊ कृषि अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी। किसान आयोग ने यह भी बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) खरीद कम कर रहा है, जिससे राज्य को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आयोग ने कहा कि एफसीआई उबले हुए चावल की खरीद बिल्कुल नहीं कर रहा है, जिससे किसानों और चावल उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। आयोग ने यह भी पाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियां तेलंगाना के किसानों के लिए चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। इस बैठक में किसान आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंडा रेड्डी, बीज निगम के अध्यक्ष अन्वेश रेड्डी, नागरिक आपूर्ति आयुक्त स्टीफन रविंद्र, राष्ट्रीय मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र रेड्डी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तेलंगाना ने पहली बार बास्केटबॉल लीग का शुभारंभ किया

लक्ष्य है भविष्य के चैंपियन तैयार करना

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में युवा खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से आयोजित होने वाली तेलंगाना जूनियर बास्केटबॉल लीग (टीजेबीएल) के शुभारंभ के साथ जमीनी स्तर पर बास्केटबॉल को बड़ा बढ़ावा मिलने वाला है। यह राज्य की पहली पेशेवर लीग है। टूर्नामेंट 19 जून को यूसुफगुडा स्थित कोटला विजयभास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में शुरू होगा और 28 जून तक चलेगा। तेलंगाना बास्केटबॉल एसोसिएशन (टीबीए) द्वारा आयोजित इस लीग में लड़कों और लड़कियों के लिए अंडर-15 और अंडर-18 श्रेणियां होंगी, जो युवा एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और प्रतिस्पर्धी अनुभव प्राप्त करने के लिए एक पेशेवर मंच प्रदान करेगी। इस पहल के बारे में बात करते हुए, टीबीए के महासचिव ए. पृथ्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि लीग का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें निखारना है, साथ ही खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ने का स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करना है।

मेट्रो विस्तार को लेकर सरकार पर भ्रम फैलाने का आरोप

बीआरएस ने दूसरे चरण की योजना और वित्तपोषण का ब्योरा मांगा

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के विधान परिषद सदस्य दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार को लेकर अनिश्चितता पैदा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मेट्रो रेल के दूसरे चरण से जुड़े समझौतों, वित्तपोषण प्रस्तावों और परियोजना की प्रगति का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्रवण ने कहा कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का अधिकांश कार्य पूरा कराया था, जबकि वर्तमान सरकार की नीतिगत अस्पष्टता और राजनीतिक दृष्टिकोण के कारण परियोजना प्रभावित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद सरकार ने हाईटेक सिटी से राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक प्रस्तावित मेट्रो संपर्क योजना को रोक दिया और अब भविष्य नगर की दिशा में विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री ने मेट्रो परियोजना से जुड़े मुद्दों को औपचारिक रूप से केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। साथ ही उन्होंने उन संस्थाओं के साथ हुई वार्ताओं का विवरण भी मांगा, जो परियोजना के वित्तपोषण में शामिल हैं। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री द्वारा हाल में उल्लेखित जापानी संस्था के साथ हुई चर्चाओं पर जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। श्रवण ने भारतीय रेलवे वित्त निगम के साथ सरकार की वित्तीय व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या मेट्रो परियोजना के वित्तपोषण को लेकर मंत्रिमंडल की स्वीकृति प्राप्त की गई है। उन्होंने मेट्रो विस्तार के लिए चिन्हित लगभग 280 एकड़ भूमि के उपयोग पर भी स्पष्टीकरण मांगा। उनका आरोप था कि सरकार शहरी आधारभूत संरचना विकास को सुनियोजित परियोजना की बजाय भूमि आधारित सौदे की तरह देख रही है। उन्होंने शहर में संचालित 57 मेट्रो स्टेशनों के दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की योजना को लेकर भी चिंता व्यक्त की।

बीआरएस नेता ने कहा कि हैदराबाद के सार्वजनिक परिवहन तंत्र के लिए एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति आवश्यक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से केंद्र सरकार के साथ राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उलझने के बजाय मेट्रो विस्तार के लिए आवश्यक स्वीकृतियां और वित्तीय संसाधन सुनिश्चित करने पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि राज्य सरकार को मेट्रो परियोजना के लिए केंद्र का सहयोग चाहिए, तो मुख्यमंत्री सीधे प्रधानमंत्री से संवाद क्यों नहीं कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने राज्य के कांग्रेस सांसदों की भूमिका पर भी प्रश्नचिह्न लगाया।

लुफ्थांसा की उड़ान में केबिन क्रू सदस्य से मारपीट

यात्री के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में कथित मारपीट की घटना सामने आई है। केबिन क्रू सदस्य की शिकायत पर आरजीआईए पुलिस ने एक यात्री के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना लुफ्थांसा की फ्लाइट एलएच-752 में हुई। उड़ान के दौरान केबिन क्रू सदस्य पीटर बाउसर, जो जर्मनी के नागरिक हैं और पिछले छह वर्षों से एयरलाइन में कार्यरत हैं, अपनी नियमित ड्यूटी निभा रहे थे। इसी दौरान सेवा के लिए उपयोग की जा रही ट्रॉली गलती से यात्री बी. सतीश कुमार के पैर से टकरा गई। बताया गया है कि घटना के तुरंत बाद केबिन क्रू सदस्य ने यात्री से माफी भी मांगी, लेकिन इसके बावजूद यात्री कथित रूप से नाराज हो गया और उसने चालक दल के सदस्य के साथ मारपीट कर दी। इस घटना में केबिन क्रू सदस्य को चोटें आईं।

हैदराबाद पहुंचने के बाद घायल क्रू सदस्य ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले से जुड़े सभी तथ्यों की जांच कर रही है तथा उड़ान के दौरान हुई घटना के संबंध में आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं।

ब्रेन डेड एसबीआई कर्मचारी के अंगों से छह मरीजों को मिलेगा नया जीवन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नालगोंडा जिले के नेरेडचेरला क्षेत्र निवासी और भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी मंदा चैतन्य के परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए उनके अंग दान कर दिए। ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद राज्य सरकार की जीवनदान पहल के अंतर्गत उनके अंग जरूरतमंद मरीजों को दान किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, 34 वर्षीय मंदा चैतन्य 12 जून को अपनी दोपहिया वाहन से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान सूर्यापेट जिले के नेरेडचेरला के निकट उनकी वाहन एक भैंस से टकरा गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कई दिनों तक चले उपचार के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और चिकित्सकों ने 16 जून को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

सरकारी डेंटल कॉलेज में रैगिंग का मामला, 12 छात्र निलंबित

प्रथम वर्ष के बीडीएस छात्रों ने लगाया मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल (जीडीसी) में रैगिंग का मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन ने कड़ा कदम उठाते हुए बीडीएस के अंतिम वर्ष के 12 छात्रों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना की शिकायत किए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, सरकारी डेंटल कॉलेज के छात्र वर्तमान में उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में रह रहे हैं, जहां कथित रूप से रैगिंग की घटना हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सरजीव सिंह यादव ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर सुल्तान बाजार पुलिस ने तेलंगाना रैगिंग निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

कॉलेज प्रशासन ने पुलिस जांच लंबित रहने तक 12 वरिष्ठ छात्रों के निलंबन के आदेश जारी किए हैं। प्रिंसिपल डॉ. सरजीव सिंह यादव ने कहा कि प्रथम वर्ष के छात्रों से रैगिंग की गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में ऐसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. यादव ने बताया कि शिकायत करने वाले कई छात्र तेलंगाना के विभिन्न जिलों और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से उच्च शिक्षा के लिए हैदराबाद आए हैं। ऐसे छात्र नई परिस्थितियों में पहले से ही संवेदनशील होते हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार की मानसिक या शारीरिक प्रताड़ना गंभीर चिंता का विषय है। इस बीच, सुल्तान बाजार पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने संबंधित छात्रों की काउंसलिंग भी की है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रैगिंग की घटना में अन्य छात्र भी शामिल थे या नहीं। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

अनधिकृत फाइटिंग इवेंट के प्रचार पर मुक्केबाज के खिलाफ मामला दर्ज

'ब्रूटल फाइट क्लब' आयोजन को लेकर पुलिस ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि कमिश्नरेट पुलिस ने मुक्केबाज पुरविक मुनुगपति के खिलाफ कथित तौर पर बिना अनुमति फाइटिंग इवेंट के प्रचार और आयोजन की कोशिश करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई 'ब्रूटल फाइट क्लब' के बैनर तले आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम को लेकर की गई है। पुलिस के अनुसार, 'सीज़न-1, सीरीज़-2' नामक यह फाइटिंग इवेंट सरूरनगर क्षेत्र में आयोजित किया जाना प्रस्तावित था। जांच में सामने आया कि संबंधित कार्यक्रम का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा था, जबकि प्रशासनिक अधिकारियों ने इसके आयोजन की अनुमति नहीं दी थी।

सूत्रों के मुताबिक, आयोजकों ने हाल ही में सरूरनगर पुलिस से कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और कार्यक्रम के दौरान प्रस्तावित शारीरिक मुकाबलों की प्रकृति को देखते हुए पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद कार्यक्रम का प्रचार ऑनलाइन जारी रहने पर मलकाजगिरि साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या आयोजन के संबंध में किसी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन किया गया है और क्या पूर्व में भी इसी तरह के कार्यक्रम बिना अनुमति के आयोजित किए गए थे। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शारीरिक मुकाबलों या लड़ाई-झगड़े से जुड़े किसी भी सार्वजनिक आयोजन के लिए पूर्व अनुमति और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रतिभागियों और दर्शकों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली किसी भी अनधिकृत गतिविधि के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूलों की फीस पर नियंत्रण के लिए कानून बनाने की मांग

बीआरएसवी ने सरकारी विद्यालयों की संख्या घटाने के प्रस्ताव का किया विरोध

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी के अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव ने राज्य सरकार पर शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए निजी विद्यालयों द्वारा मनमाने ढंग से वसूली जा रही फीस पर रोक लगाने के लिए तत्काल शुल्क विनियमन कानून लागू करने की मांग की है। उन्होंने युक्तिकरण के नाम पर सरकारी विद्यालयों की संख्या कम करने के प्रस्ताव का भी विरोध किया। तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्रीनिवास यादव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने निजी विद्यालयों की फीस को नियंत्रित करने के अपने वादे को पूरा नहीं किया है। इसके कारण अभिभावकों पर शिक्षा का आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर बीआरएसवी 20 जून को राज्यभर के मंडल शिक्षा अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेगी तथा 22 जून को जिला कलेक्टर कार्यालयों में आयोजित जन शिकायत बैठकों में भी इसे प्रमुखता से उठाएगी। सरकार की शिक्षा नीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने सरकारी विद्यालयों की संख्या 27 हजार से घटाकर चार हजार करने के प्रस्ताव की आलोचना की।

मानसून के साथ फिर गरमाया पोडू भूमि विवाद

वन भूमि पर खेती को लेकर ग्रामीणों और अधिकारियों में बढ़ा टकराव

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के आगमन के साथ ही जिले में पोडू भूमि का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। वन क्षेत्र से सटे गांवों में रहने वाले आदिवासी और अन्य ग्रामीण समुदाय परंपरागत रूप से पोडू खेती पर निर्भर रहे हैं, जबकि वन विभाग वन भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण और उसके वन्यजीवों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जता रहा है। जानकारी के अनुसार, आदिवासी समुदाय वर्षों से जंगल के विभिन्न हिस्सों में अस्थायी रूप से खेती करता रहा है। इस पद्धति के तहत एक स्थान पर कुछ समय तक खेती करने के बाद दूसरे क्षेत्र में खेती की जाती है। समय के साथ कुछ गैर-आदिवासी समुदायों ने भी इस खेती पद्धति को अपनाया है।

वन विभाग का कहना है कि वन भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण और खेती के विस्तार से जंगलों का क्षेत्रफल प्रभावित हो रहा है, जिससे वन्यजीवों, विशेषकर बाघों के प्राकृतिक आवास और आवाजाही पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार, जंगलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में बाघों की गतिविधियों में बदलाव के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी बढ़ी हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वन और राजस्व भूमि की सीमाओं का निर्धारण किया जा रहा है। इसके अलावा वन भूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए खाइयां खोदी जा रही हैं तथा अवैध खेती के मामलों में कार्रवाई भी की जा रही है। हालांकि इन कदमों के कारण कई स्थानों पर ग्रामीणों और वन अधिकारियों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। वन क्षेत्र से जुड़े गांवों के निवासियों का कहना है कि वे वर्षों से इन जमीनों पर खेती कर अपनी आजीविका चला रहे हैं। उनका आरोप है कि खेती से रोकने और कार्रवाई की चेतावनी देने के कारण उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उन्हें इन भूमि क्षेत्रों से हटाया गया तो उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

मंगलवार को केरामेरी मंडल के सुरदापुर गांव में वन भूमि पर खेती को लेकर विवाद उस समय बढ़ गया जब कुछ आदिवासियों ने कथित तौर पर वन अधिकारियों पर पथराव कर दिया। वहीं कुछ दिन पहले चिंथलमनेपल्ली मंडल के दिम्दा गांव के बाहरी क्षेत्र में भी विवादित पोडू भूमि पर खेती रोकने को लेकर वन विभाग, पुलिस और किसानों के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी। वन अधिकारियों का कहना है कि वन भूमि पर अवैध कब्जों के कारण वन्यजीव संरक्षण प्रभावित हो रहा है। उनका दावा है कि पात्र आदिवासियों और जरूरतमंद परिवारों को नियमानुसार भूमि उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि कुछ लोग नियमों के विपरीत वन भूमि पर कब्जा कर रहे हैं।

CLASSIFIEDS

SITUATION VACANT TEACHERS

Wanted experienced faculty as subject experts for Mathematics-01, Physics-01, Chemistry-01, Biology-01, who had coaching experience to prepare students for IIT-JEE/NEET exams. The interested candidates are required to attend Walk-in-Interview with original documents alongwith experience certificate at CRPF Public School, Jawahar Nagar on 30-06-2026 (Tuesday) at 08.30 AM. Kindly visit : www.crpfpublicschool.com (Contact: 040-27981257 & 7842981257) for further details.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मुहर्रम जुलूस में हाथी पर निकलेगा बीबी-का-आलम

आशूरा की तैयारियां तेज, केरल से लाया गया हाथी

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुहर्रम के अवसर पर निकलने वाले पारंपरिक बीबी-का-आलम जुलूस की तैयारियां शहर में शुरू हो गई हैं। आशूरा के दिन निकाले जाने वाले इस ऐतिहासिक जुलूस में इस बार भी बीबी-का-आलम को हाथी पर विराजमान कर निकाला जाएगा।

इसके लिए 'श्रीदेवी' नामक हाथी को केरल से हैदराबाद लाया गया है। जुलूस आयोजकों ने हाथी को पुराने शहर के एक निर्धारित स्थान पर रखा है। अधिकारियों के अनुसार, हाथी को जुलूस मार्ग से परिचित कराने के लिए शनिवार को विशेष परीक्षण और अभ्यास कराया जाएगा, ताकि शोभायात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस्लामी हिजरी कैलेंडर का पहला महीना मुहर्रम मंगलवार रात नए चांद के दिखाई देने के साथ शुरू हो गया। इस महीने का विशेष धार्मिक महत्व है, क्योंकि इसी महीने के दसवें दिन कर्बला की ऐतिहासिक घटना हुई थी, जिसमें इमाम हुसैन ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करते हुए शहादत प्राप्त की थी। बीबी-का-आलम की परंपरा कुतुबशाही शासनकाल से जुड़ी हुई है। इतिहासकारों के अनुसार, हयात बख्शी बेगम ने बीबी फातिमा की स्मृति में गोलकोंडा में आलम स्थापित कराया था। बाद में आसफ जाही शासनकाल में इसे दबीरपुरा स्थित बीबी-का-अलावा में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां से हर वर्ष पारंपरिक जुलूस निकाला जाता है।

शिया समुदाय के प्रतिनिधियों के अनुसार, बीबी-का-आलम में एक पवित्र अवशेष सुरक्षित है, जिसे विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है। मुहर्रम के दौरान दारुलशिफा, दबीरपुरा, नूर खान बाजार, जेहरा नगर और रेन बाजार सहित शिया बहुल क्षेत्रों के आशूरखानों को धार्मिक अनुष्ठानों और मजलिसों के लिए सजाया और तैयार किया गया है।

शिया समुदाय के नेताओं ने बताया कि मुहर्रम के दसवें दिन यानी 26 जून को मुख्य जुलूस पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निकाला जाएगा, जिसमें बीबी-का-आलम को हाथी पर ले जाया जाएगा। हाथी की व्यवस्था और देखभाल का खर्च निजाम की वक्फ समिति द्वारा वहन किया जा रहा है। इस बीच, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने बुधवार को बीबी-का-अलावा का दौरा कर अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की तथा श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

युवा प्रशंसक से मिलने पहुंचे पवन कल्याण, दी आर्थिक सहायता

गंभीर बीमारी से जूझ रहे किशोर की अंतिम इच्छा की पूरी

हनमकोंडा, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बुधवार को हनुमान नगर में रहने वाले 17 वर्षीय निरंजन के घर पहुंचकर उससे मुलाकात की। दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित निरंजन लंबे समय से बिस्तर पर है और उसकी अंतिम इच्छा पवन कल्याण से मिलने की थी। जानकारी मिलने पर पवन कल्याण स्वयं निरंजन के घर पहुंचे और उससे आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने निरंजन को गले लगाकर उसका हौसला बढ़ाया तथा उसके माता-पिता पोनुगोटी रामगोपाल और मानसा से बातचीत कर उसकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। पवन कल्याण ने उपचार में सहायता के लिए परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की। उन्होंने निरंजन की पुरानी तस्वीरें और वीडियो भी देखे, जिनमें वह स्वस्थ अवस्था में पवन कल्याण की शैली में नृत्य करते नजर आ रहा था। बातचीत के दौरान निरंजन ने बताया कि लोग उसे ₹छोटा गब्बर सिंह₹ कहकर बुलाते हैं।

उपमुख्यमंत्री ने निरंजन से वादा किया कि यदि उनकी फिल्म 'ओजी 2' का निर्माण होता है तो उसे विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। वहीं, जब निरंजन ने एक पिल्ला पालने की इच्छा जताई तो पवन कल्याण ने उसे पिल्ला उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस संबंध में मकान मालिक से भी चर्चा की गई। उन्होंने जनसेना के तेलंगाना नेताओं को निर्देश दिया कि निरंजन के माता-पिता की आजीविका बेहतर बनाने के लिए कैंटीन स्थापित करने में सहायता की जाए। इस अवसर पर निर्माता बंदला गणेश ने भी परिवार की मदद के लिए पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इस बीच, पवन कल्याण के भद्रकाली मंदिर दौरे के दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ के कारण सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में अधिकारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम के दौरान मीडिया कर्मियों को भी कवरेज में परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूर्णिया में हाईवे पर हुई टक्कर में डंपर ड्राइवर की मौत

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बिहार के पूर्णिया जिले में डगरुआ पुलिस स्टेशन के इलाके में बरसोनी टोल प्लाजा के पास एक सड़क हादसे में डंपर ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई और हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया। मंगलवार रात हुई इस घटना के बाद साथी ट्रक ड्राइवरों ने विरोध प्रदर्शन किया; वे अस्पताल में जमा हुए और मृतक ड्राइवर के परिवार के लिए मुआवजे की मांग की। घायल हेल्पर उस्मान शेख के अनुसार, डंपर झारखंड के पाकुड़ से पत्थर के टुकड़े (स्टोन चिप्स) लेकर पूर्णिया में एयरपोर्ट कंस्ट्रक्शन साइट पर गया था। सामान उतारने के बाद गाड़ी पाकुड़ लौट रही थी, तभी टोल प्लाजा के पास तेजी से आ रहे एक कंटेनर ट्रक ने पीछे से डंपर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और केबिन के अंदर बैठे दोनों लोग उसमें फंस गए।

राम मंदिरः दान चोरी के बाद बदली व्यवस्था

19 जून को सीएम कर सकते हैं समीक्षा

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी के मामले के सामने आने के बाद मंदिर की चढ़ावा व्यवस्था चर्चा के केंद्र में है। हालांकि विवाद के बावजूद रामलला के चरणों में श्रद्धालुओं का चढ़ावा लगातार आ रहा है और उसकी नियमित गणना भी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 18 से 20 लाख रुपये चढ़ावे के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। मंदिर परिसर में निर्धारित स्थान पर प्रतिदिन चढ़ावे की गिनती कर धनराशि भारतीय स्टेट बैंक की निर्धारित शाखा में जमा कराई जा रही है। बीते 10 दिनों में लगभग दो करोड़ रुपये जमा होने की चर्चा है।

जानकारी के अनुसार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ चढ़ावे में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इसके चलते दानपात्रों की संख्या बढ़ाई गई और गणना व्यवस्था को भी विस्तार दिया गया। प्रारंभिक दौर में चढ़ावे की गिनती सप्ताह में एक बार होती थी, लेकिन बाद में इसे नियमित कर दिया गया। सूत्र बताते हैं कि चढ़ावे की गणना में बैंक कर्मचारियों के अलावा एक बाहरी एजेंसी के कर्मचारी भी लगाए गए थे। हाल में चढ़ावा चोरी के आरोपों में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, वे इसी व्यवस्था से जुड़े होने की चर्चा है। वर्तमान में गणना कार्य में बैंक के लगभग 14 कर्मचारी लगे हुए हैं। चढ़ावा प्रकरण की जांच एसआईटी कर रही है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में चढ़ावा गणना और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर क्या तथ्य सामने आते हैं। राम मंदिर में चढ़ावा और दानराशि से जुड़े कथित अनियमितता प्रकरण की जांच के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 19 जून को अयोध्या आगमन की संभावना जताई जा रही है।

यूपी पुलिस कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती

'उत्सव से पहले उपद्रव होने लगते', योगी बोले- हर दूसरे महीने होते थे दंगे

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम का आयोजन लोकभवन सभागार में हुआ। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पिछले 09 वर्ष में सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यूपी पुलिस ने तेज गति से काम किया है। आज यूपी पुलिस मॉडल पुलिसिंग का उदाहरण का है। चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि अपने अभिभावकों, गुरुजनों से पूछिए 2017 से पहले स्थिति क्या थी। हर दूसरे महीने दंगा होता था। उत्सव से पहले उपद्रव होने लगते थे। मुरादाबाद में हमारे एक डीआईजी रैंक के अधिकारी को उपद्रवियों ने जमकर मारा था। मरा हुआ समझकर उन्हें छोड़कर चले गए थे। सीएम ने आगे कहा कि यूपी में लोगों ने कल्पना करन बंद दिया था, कि हमारी बेटियां सुरक्षित रहेंगी। लेकिन,हम इन सब घटनाओं को वाच कर रहे थे। सरकार में आने के बाद उन सभी उपद्रवियों को ऐसी सजा हुई है, कि उनकी सात पीढ़ियां उपद्रव करना भूल जाएंगी।

देवरिया पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर कहा- भ्रष्टाचारियों को बख्शा नहीं जाएगा

देवरिया, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बुधवार को देसही गांव में एक निजी अस्पताल के शुभारंभ समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश व केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और बाद में पत्रकारों से बातचीत में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। भोजपुरी में का हाल बा। बोलकर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में बिजली व्यवस्था की स्थिति सभी जानते हैं, जबकि आज लोगों को भरपूर बिजली मिल रही है।

क्षेत्र में सड़कों का व्यापक विकास हुआ है, जिससे आवागमन की सुविधाएं बेहतर हुई हैं और विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि नया अस्पताल सरकार के नियमों और कानूनों के अनुरूप संचालित होगा तथा आमजन के हितों को प्राथमिकता देगा। पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को यह भी बताना चाहिए कि बाबरी मस्जिद निर्माण के लिए एकत्रित किया गया चंदा कहां गया। उन्होंने कहा कि अयोध्या चंदा प्रकरण की जांच के लिए एसआईटी गठित की जा चुकी है और जांच जारी है।

ऐसे में विपक्ष केवल बयानबाजी और तुष्टिकरण की राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा। राम मंदिर चंदा मामले में उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद के अस्पताल में बड़ी लापरवाही, गायब मरीज को मृत बताकर पुलिस को दी सूचना

गाजियाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। जिला एमएमजी अस्पताल में छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा स्वास्थ्यकर्मी आंख मूंदकर सरकारी दस्तावेज को मेटेन कर रहा है। कोई 20,50 तो कोई दो से तीन लाख रुपये पगार लेने के बाद भी ड्यूटी के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। ऐसा ही एक मामला सीएमएस के समक्ष पहुंचा तो उनके होश उड़ गये। दरअसल बेड से गायब मरीज को मृत घोषित करते हुए स्वास्थ्यकर्मियों ने स्थानीय पुलिस को लिखित में सूचना भेज दी। सर्जिकल वार्ड की इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अस्पताल में पहुंच गई और पोस्टमार्टम को मृतक का शव मांगा। शव कहीं हो तो दिया जाये। मोर्चरी में कोई शव न मिलने पर सर्जिकल वार्ड का रजिस्टर खंगाला गया।

रजिस्टर से बेड पर भर्ती मरीजों का मिलान किया गया। कोई शव न मिलने पर बेड से गायब मरीजों की पुलिस सूचना का रजिस्टर में रिकॉर्ड चेक किया गया तो पता चला कि गलती से बेड से गायब मरीज को मृत घोषित करते हुए, पुलिस को सूचना भेजी गई है। सीएमएस डॉ. राकेश कुमार ने इस प्रकरण की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रकरण संज्ञान में आते ही जांच कराई गई।

बंगला और सुरक्षा कटौती विवाद के बीच लालू के तीखे तेवर

आरजेडी सुप्रीमो ने सीधे नीतीश कुमार को ठहराया जिम्मेदार

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने अपनी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सुरक्षा में कटौती तथा सरकारी आवास विवाद को लेकर नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इशारे पर किया गया है। लालू प्रसाद ने कहा कि उनकी और राबड़ी देवी की सुरक्षा कम कर दी गई है।

जब उनसे इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि इसके पीछे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भूमिका है। दरअसल, एक दिन पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की ओर से सरकार को पत्र भेजकर 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास में रहने की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। उनके सचिव द्वारा भेजे गए पत्र में आग्रह किया गया है कि जब तक राबड़ी देवी बिहार विधान परिषद की सदस्य हैं, तब तक उन्हें उसी आवास में रहने की अनुमति दी जाए। राबड़ी देवी का विधान परिषद सदस्य के रूप में कार्यकाल 6 मई 2030 तक है। वहीं, भवन निर्माण विभाग की ओर से बंगला खाली करने के लिए निर्धारित समय-सीमा 15 जून को समाप्त हो चुकी है। ऐसे में नियमों के अनुसार प्रशासन आगे की कार्रवाई कर सकता है। जानकारी के अनुसार, भवन निर्माण विभाग की ओर से राबड़ी देवी को यह तीसरा नोटिस जारी किया गया था।

इससे पहले नवंबर 2025 में भी उन्हें नोटिस भेजा गया था। उसमें नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित 39, हार्डिंग रोड स्थित आवास में स्थानांतरित होने का निर्देश दिया गया था।सूत्रों की मानें तो लालू परिवार ने नए आवास में शिफ्ट होने की तैयारी भी शुरू कर दी है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, 10 सर्कुलर रोड पिछले दो दशकों से राजद की राजनीति का प्रमुख केंद्र रहा है। पार्टी की कई महत्वपूर्ण बैठकें और राजनीतिक रणनीतियां का संचालन इसी आवास से होता रहा है।

गाजियाबाद रेप केस! एससी ने दो अस्पतालों को दी चेतावनी, कहा- पीड़ित परिवार को मुआवजा दोगे या हम आदेश पारित करें?

गाजियाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद में 4 साल की रेप पीड़ित बच्ची को दो निजी अस्पतालों ने इलाज देने से मना कर दिया था। जिसके बाद मासूम की मौत हो गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने दोनों निजी अस्पतालों पर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने दोनों अस्पतालों से पूछा है कि क्या वे पीड़ित परिवार को स्वेच्छा से मुआवजा देंगे या फिर कोर्ट मुआवजे की राशि तय करने का आदेश पारित करे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी की रिपोर्ट में बच्ची के पिता के आरोपों को सही पाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार गंभीर रूप से घायल और यौन उत्पीड़न की शिकार बच्ची को बाजाज सिंह मानवी हेल्थ केयर और सेंट जोसेफ अस्पताल ने तत्काल इलाज देने से इनकार कर दिया था।

बाद में सरकारी अस्पताल ले जाते समय बच्ची की मौत हो गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने कहा कि मामले में कार्रवाई की आवश्यकता है और दोनों अस्पतालों के वकीलों को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एक अस्पताल के वकील से पूछा कि वह मृत बच्ची के माता-पिता को कितनी राशि स्वेच्छा से देने को तैयार है।

'जिसने पाप किया उसे सजा मिलेगी' राम मंदिर विवाद पर रवि किशन का सपा पर तंज, बोले- 'राम विरोधी अब शुभचिंतक न बनें'

बलिया, 17 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेर का मामला अब पूरी तरह से सियासी दंगल में तब्दील हो चुका है। विपक्ष के तीखे हमलों के बीच अब सत्तापक्ष भी फ्रंटफुट पर आकर जवाब दे रहा है। गोरखपुर से बीजेपी सांसद और अभिनेता रवि किशन ने इस पूरे विवाद पर समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया है, तो वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार को घेरते हुए सीधे न्यायिक जांच की मांग की है। बलिया के नगरा में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे बीजेपी सांसद रवि किशन ने मीडिया से बातचीत में साफ कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जिसने भी पाप किया है, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी।

विपक्ष और खासकर समाजवादी पार्टी को इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो लोग हमेशा राम मंदिर के विरोधी रहे, वो आज अचानक शुभचिंतक बनने का नाटक न करें। उत्तर प्रदेश में मोदी-योगी की सरकार है, यहाँ न्याय होकर रहेगा।

'राम मंदिर का पूरा श्रेय लेती है बीजेपी

उन्हीं के राज में इतना बड़ा घोटाला', गबन पर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की राशि मे गबन का मामला पूरी तरह राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सबसे पहले यह मुद्दा उठाया था। मामला गरमाने पर यूपी सरकार ने विशेष जांच दल का गठन किया है जो आरोपों की छानबीन में जुटा है। इस बीच, लखनऊ पहुंचीं शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस मसले पर अपनी राय रखी है। मीडिया से बातचीत में प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- 'भक्तों का पैसा चुराने से बड़ा कोई पाप नहीं हो सकता। भक्त राम मंदिर में पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ आते हैं। बीजेपी जो पूरा श्रेय लेते हैं कि राम मंदिर उन्हीं की वजह से बना, उसी के राज में इतना बड़ा घोटाला हुआ है।

अब जैसे ही एसआईटी सच सामने लाएगी और जो बातें उजागर होंगी, उससे एक और बड़ा घोटाला सामने आएगा क्योंकि ये सिर्फ वोट पाने के लिए राजनीति करते हैं।' दूसरी ओर, सपा सांसद डिंपल यादव ने राम मंदिर के दानपात्र में हुए घपलेबाजी को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले के बारे में जानकारी थी, लेकिन साजिशन इसे छुपाने की कोशिश की गई। सपा सांसद ने मांग की है कि इस मामले की जांच के लिए, ज्यूरी बैठे, जो पूरे मामले की जांच की करेगी, ताकि पूरी तस्वीर साफ हो। डिंपल यादव ने कहा कि बात यहां पर चंदे की घपलेबाजी की नहीं है, बल्कि यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि जहां पर सरकार मंदिरों में कॉरिडोर का निर्माण करा रही है, कहीं वहां पर भी तो घोटाला नहीं हो रहा। जिन लोगों ने सरकार ने निर्माण के नाम पर जमीन ली है, उन्हें उनकी असली कीमत मिली है की नहीं, आखिर आगे सरकार ने पूरी प्रक्रिया को संपन्न करने के लिए क्या कदम उठाया है, इस बारे में भी पूरी जानकारी होनी चाहिए। इन्हीं सब स्थिति को देखते हुए जांच जरूरी हो जाती है।

ट्रेन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 10 मामलों का हिस्ट्रीशीटर सूरज गुप्ता समेत दो शातिर गिरफ्तार

बक्सर, 17 जून (एजेंसियां)। ट्रेन से चोरी सामान के साथ दस से अधिक मामले का हिस्ट्रीशीटर सूरज गुप्ता समेत दो शातिर को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीसरी आंख यानी सीसीटीवी की मदद से चोरी का भंडाफोड़ किया है। आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी निरीक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 12141 पाटलिपुत्र-एलटीटी एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 19421 अहमदाबाद एक्सप्रेस में पिछले कुछ दिनों से लगातार बैग और कीमती सामान चोरी होने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद हरकत में आई रेलवे पुलिस ने जब बक्सर स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो एक संदिग्ध युवक स्टेशन पर यात्रियों का ट्रॉली बैग पार करते हुए कैमरे में कैद मिला। पुलिस ने तुरंत खुफिया तंत्र को एक्टिव किया और दबोच लिया। शातिर की पहचान सूरज कुमार गुप्ता के रूप में हुई। लोकेशन मिलते ही पुलिस की स्पेशल टीम ने स्टेशन से सटे पांडेपट्टी इलाके में स्थित एक किराए के मकान में छापेमारी की। इस दौरान मौके से दो युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की शिनाख्त इटाढ़ी थाना क्षेत्र के हकीमपुर गांव निवासी सूरज कुमार गुप्ता (22) और नगर थाना क्षेत्र स्थित किला मैदान झोपड़पट्टी में रहने वाले हीरालाल भट्ट का 21 वर्षीय पुत्र अक्षय कुमार के रूप में हुई।

टीएमसी- शिवसेना यूटीबी की तरह सपा में भी टूट

रामगोपाल यादव ने बीजेपी हाईकमान को सौंपी चिट्ठी? राजभर के दावे से सियासी हलचल

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। सुभासपा (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी) प्रमुख और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने एक बड़ा राजनीतिक बयान देकर हलचल मचा दिया है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) में जल्द ही बड़ी टूट होने वाली है। राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होगी। राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी को चिट्ठी सौंपी है। खनन घोटाला और गोमती रिवर फ्रंट घोटाला का मास्टरमाइंड कौन है, पूरा उत्तर प्रदेश जानता है। शिकंजा कस रहा है तो सपा परेशान है।" उन्होंने आगे लिखा, "महाराष्ट्र बंगाल छोड़िए, समूची सपा भाजपा में शामिल होने को तैयार बैठी है।" राजभर के इस बयान से उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अगर सपा में विभाजन होता है तो विपक्षी महागठबंधन को भारी नुकसान पहुंच सकता है। सपा पर घोटालों का आरोप ओमप्रकाश राजभर ने सपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि खनन घोटाला और गोमती रिवर फ्रंट घोटाले के मास्टरमाइंड को पूरा प्रदेश जानता है। उन्होंने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से सपा नेतृत्व परेशान है, जिसके चलते पार्टी में बेचैनी बढ़ गई है। राजभर, जो वर्तमान में भाजपा नीत एनडीए सरकार में मंत्री हैं, लंबे समय से सपा पर हमले बोलते रहे हैं।

उन्होंने पहले भी अखिलेश यादव की पार्टी पर कई मौकों पर निशाना साधा है। राजभर के बयान के बाद यूपी की राजनीति में सियासी पारा चढ़ गया है। सपा की ओर से अभी तक इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी इसे राजभर की साधारण राजनीतिक रणनीति मान रही है। राजभर पहले भी रामगोपाल यादव पर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। प्रतीक यादव के निधन के बाद उन्होंने दावा किया था कि रामगोपाल, अपर्णा के घर तक नहीं गए थे।

एपीओ एग्जाम रिजल्ट पर हाई कोर्ट सख्त

यूपीएससी से पूछा- याचियों को आयु सीमा में छूट मिली थी या नहीं?

प्रयागराज, 17 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सहायक अभियोजन अधिकारी (यूपीएपीओ) भर्ती 2025 प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर उप्र लोक सेवा आयोग से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की एकलपीठ ने पंकज वर्मा व दो अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए आयोग के अधिवक्ता से पूछा है कि तीनों याचीगण ने भर्ती प्रक्रिया में फॉर्म भरते समय आयु-सीमा में छूट या अन्य किसी लाभ का लाभ उठाया है अथवा नहीं? याचियों के अधिवक्ता अनुराग त्रिपाठी ने अदालत को बताया कि आयु सीमा संबंधी छूट का लाभ नहीं लिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 18 जून को होगी। याचीगण ने नौ जनवरी 2020 को जारी आफिस मेमोरेंडम और यूपीएपीओ 2025 की प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को चुनौती दी है। याचियों का कहना है कि आरक्षित श्रेणी वाले मेधावी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य वर्ग में स्थान नहीं दिया गया, जिससे उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिला और उनका चयन प्रीलिम्स में नहीं हो सका।

आफिस मेमोरेंडम और प्रीलिम्स का रिजल्ट निरस्त कर मेंस परीक्षा स्थगित करने की मांग याचिका में की गई है। साथ ही कहा गया कि मेधावी आरक्षित वर्ग वाले अभ्यर्थियों को सामान्य वर्ग में स्थान देते हुए रिजल्ट फिर से बनाने का आदेश दिया जाए। याचियों का तर्क है कि आयोग का आफिस मेमोरेंडम यह कहता है कि आरक्षण का लाभ चयन के अंतिम चरण में दिया जाएगा। यह यूपी रिजर्वेशन एक्ट, 1994 की धारा 3(6) और सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के विपरीत है। प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 30 अप्रैल 2026 को आयोग द्वारा घोषित किया गया है। मुख्य परीक्षा 28 से 30 जून के बीच प्रस्तावित है।

ट्रांसफर जहां कराना है, करा लीजिए

लेकिन पढ़ाना तो पड़ेगा, बिहार के सीएम ने शिक्षकों को दी चेतावनी

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सख्त बयान दिया है। मुख्यमंत्री कैमूर जिले में आयोजित सहयोग शिविर कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे, जहां उन्होंने तीखे लहजे में शिक्षकों को चेतावनी दी है कि सरकार उनकी सुविधाओं का पूरा ख्याल रख रही है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों की पढ़ाई से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'ट्रांसफर जहां कराना है, करा लीजिए, लेकिन पढ़ाना तो पड़ेगा। कोई बहाना नहीं चलेगा।' मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अपराध पर लगाम लगाने के लिए भी सख्त कदम उठाने की बात की है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने अपराध किया और बहन बेटियों के साथ कोई गलत काम हुआ तो 48 घंटे के अंदर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। प्रदेश में कड़ी कानून व्यवस्था करने की बात करते हुए कहा कि सरकार सभी योजनाओं और सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से काम कर रही है। इस कड़ी में सहयोग शिविरों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। पूरे बिहार में सहयोग शिविर कार्यक्रम के जरिए 303678 आवेदनों में से 261628 आवेदनों का निष्पादन हुआ है, जो कुल आवेदन का 90% है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अलग-अलग विभागों की करीब 60 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां मुंडेश्वरी धाम को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने और धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हेलीपैड और रोप-वे का निर्माण कराया जाएगा।

क्षेत्र के धार्मिक और पर्यटन विकास को नई गति देने के लिए हर संभव काम किया जाएगा, जिससे आम जनता को योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा मिल सके।

टीचर पति के सुसाइड के बाद सिस्टम से लड़ी बेबस पत्नी 16 लाख की घूसखोर पूर्व बीएसए शालिनी श्रीवास्तव गिरफ्तार

देवरिया, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के चर्चित शिक्षक कृष्ण मोहन सिंह सुसाइड केस में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। मामले की मुख्य आरोपी और देवरिया की पूर्व बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शालिनी श्रीवास्तव को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। शालिनी श्रीवास्तव पिछले चार महीनों से फरार चल रही थीं। पुलिस ने उनकी और बेसिक शिक्षा कार्यालय के लिपिक (बाबू) संजीव सिंह की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था।

मूल रूप से कुशीनगर के रहने वाले कृष्ण मोहन सिंह की नियुक्ति साल 2016 में देवरिया जिले के गौरीबाजार थाना क्षेत्र स्थित कृषक लघु माध्यमिक विद्यालय (मदरसन) में शिक्षक के पद पर हुई थी। इसके बाद साल 2022 में एसटीएफ (एसटीएफ) की जांच के आधार पर उन्हें बर्खास्त कर दिया गया और उनका वेतन भी रोक दिया गया था। अपनी बर्खास्तगी के खिलाफ शिक्षक ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद भी देवरिया का शिक्षा विभाग उनके आदेश के अनुपालन में लगातार टालमटोल कर रहा था। आरोप है कि विभाग के बाबू और अधिकारी काम के बदले बार-बार उनसे मोटी रिश्वत मांग रहे थे और मुंहमांगी रकम न देने पर उन्हें मानसिक रूप से अपमानित किया जा रहा था। विभाग की प्रताड़ना से आहत होकर कृष्ण मोहन सिंह ने गोरखपुर स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस इस मामले में आरोपी रिटायर्ड प्रिंसिपल अनिरुद्ध सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें कई जिलों में लगातार दबिश दे रही थीं। पुलिस के अनुसार, मूल रूप से बलिया की रहने वाली शालिनी श्रीवास्तव की लोकेशन दिल्ली में ट्रैक हुई, जिसके बाद पुलिस टीम ने वहां छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

दो बच्चों की मां को युवक के साथ संदिग्ध हालत में पति ने रंगेहाथ पकड़ा और की धुनाई

किच्छा, 17 जून (एजेंसियां)। दो बच्चों की मां को मुस्लिम युवक के साथ उसके पति ने पुलभट्टा थाना अंतर्गत एक होटल में रंगरलिया मनाते पकड़ लिया। इससे मौके पर हंगामा हो गया और आरोपित युवक की धुनाई लगा दी। हंगामे की सूचना पर आनन फानन में पहुंची पुलिस युवक को किसी तरह भीड़ के चंगुल से बचा कर थाने ले गई। पुलिस होटल का भी रिकार्ड खंगाल रही है। दोपहर दरऊ क्षेत्र निवासी दो बच्चों की मां दरऊ क्षेत्र निवासी ही युवक के साथ पुलभट्टा स्थित एक होटल में पहुंच गई। उसके पति को पहले से ही उस पर शक था। जिस पर वह भी उसका पीछा करते हुए अपने साथ कुछ लोगों को लेकर होटल में पहुंच गया। दोनों को उसने रंगे हाथ कमरे में पकड़ लिया।

8 बड़े अधिकारियों के 35 ठिकानों पर लोकायुक्त की छापेमारी

सोने-चांदी के गहने जब्त, 31 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

बेंगलुरू, 17 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त ने 8 अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामलों में 35 जगहों पर छापेमारी की और 31 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति का पता लगाया है। आरोपी अधिकारियों के रिश्तेदारों के घरों, दफ्तरों और संपत्तियों पर बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु ग्रामीण, दावणगेरे, कलबुर्गी और चिकमगलूर ज़िलों में छापे मारे गए। लोकायुक्त कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, तलाशी में कुल मिलाकर 31.11 करोड़ से ज़्यादा की चल और अचल संपत्तियां मिलीं।

इन संपत्तियों में रिहायशी घर, ज़मीन के प्लॉट, खेती की ज़मीन, कमर्शियल प्रॉपर्टी, नकद, सोने-चांदी के गहने, गाड़ियां, बैंक डिपॉजिट और दूसरी कीमती चीज़ें शामिल हैं। जिन अधिकारियों के यहां तलाशी ली गई, उनमें कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड में टाउन प्लानिंग के

एडिशनल डायरेक्टर राजन्ना एस।एल, बेस्कॉम में असिस्टेंट एग्ज़ीक्यूटिव इंजीनियर उदय कुमार एम।बी, डिप्टी कंज़र्वेटर ऑफ़ फ़ॉरेस्ट हर्षवर्धन पी।एन, एनडब्ल्यूकेआरटीसी के चीफ मैकेनिकल इंजीनियर सिद्धेश्वर एन। हेब्बल, क्रिडल के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर सन्ना केनचप्पा, बयालुसीमे एरिया डेवलपमेंट बोर्ड के सेक्रेटरी कृष्णा नाइक एलए, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर माणिक एस। कनकट्टे और असिस्टेंट कंज़र्वेटर ऑफ़ फ़ॉरेस्ट केएस। मोहन शामिल थे। लोकायुक्त ने बताया कि तलाशी के दौरान लगभग 22.73 करोड़ की अचल संपत्ति और 8.38 करोड़ की चल संपत्ति का पता चला। सबसे ज़्यादा कीमत वाली संपत्ति कथित तौर पर राजन्ना एस।एल। के पास मिली, जिनकी संपत्ति और कीमती सामान की कीमत 7.10 करोड़ आंकी गई। मणिक एस। कनकट्टे के पास लगभग 4.95 करोड़ की संपत्ति मिली, जबकि हर्षवर्धन पीएन। के पास लगभग 4.85 करोड़ की संपत्ति का पता चला। लोकायुक्त पुलिस कोकई जगहों से काफी मात्रा में कैश, सोने-चांदी के गहने, महंगी गाड़ियां और बैंक डिपॉजिट भी मिले।

एक मामले में अधिकारियों ने 37 लाख कैश और 1.23 करोड़ से ज़्यादा कीमत के सोने-चांदी के गहने ज़ब्त किए। लोकायुक्त पुलिस ने बताया कि ये छापेमारी उन आरोपों की चल रही जांच का हिस्सा थी, जिनमें कहा गया था कि अधिकारियों ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं ज़्यादा संपत्ति जमा की है। दस्तावेज़ों, फाइनेंशियल रिकॉर्ड और प्रॉपर्टी से जुड़े लेन-देन की और जांच चल रही है। यह ऑपरेशन हाल के महीनों में कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा चलाए गए सबसे बड़े और समन्वित भ्रष्टाचार-विरोधी अभियानों में से एक है।

गुलमर्ग के पास बड़ा हादसा टूरिस्ट बस पलटी, पांच यात्री घायल

श्रीनगर, 17 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले के टंगमर्ग इलाके में बुधवार को एक टूरिस्ट बस के पलट जाने से पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार घायलों में चार पर्यटक और एक स्थानीय चालक शामिल हैं। यह हादसा टंगमर्ग के मुख्य बाजार क्षेत्र में हुआ जो प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग के पास स्थित है। बताया जा रहा है कि बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

'तुम्हारी और पिता की हत्या का इंतजाम हो चुका है बचा सकते हो तो बचा लो', विधायक और पूर्व सांसद को धमकी

गोंडा, 17 जून (एजेंसियां)। कैसरगंज के पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और गोंडा सदर से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। विधायक प्रतिनिधि की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को विधायक प्रतिनिधि अजय सिंह ने बताया कि 14 जून 2026 को दोपहर करीब 2:22 बजे विधायक के मोबाइल फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। बातचीत के दौरान कॉलर ने धमकी भरे लहजे में कहा कि वह विधायक और उनके पिता की हत्या का इंतजाम कर चुका है; अगर बच सकते हैं, तो बच लें। धमकी मिलने के बाद विधायक ने तत्काल पुलिस अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। प्रारंभिक जांच में संबंधित मोबाइल नंबर के उपयोगकर्ता की पहचान राजस्थान के अलवर जिले के निवासी संदीप शर्मा के रूप में हुई है। तहरीर में कहा गया है कि विधायक और उनका परिवार पहले भी आपराधिक तत्वों के निशाने पर रहा है, ऐसे में एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को दी गई यह धमकी सुरक्षा का गंभीर विषय है।

मामले में राजस्थान पुलिस से समन्वय स्थापित कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की सघन जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को राजस्थान भेजा गया है।

दलाई लामा के पुराने मित्र अंतरराष्ट्रीय विद्वान पद्म श्री रॉबर्ट थर्मन का निधन

धर्मशाला, 17 जून (एजेंसियां)। तिब्बती बौद्ध परंपरा के जाने-माने अंतरराष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर रॉबर्ट थर्मन का 84 साल की उम्र में निधन हो गया है। 'तिब्बत हाउस यूएस' ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रोफेसर थर्मन को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था और वे तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के लंबे समय से दोस्त थे।

'तिब्बत हाउस यूएस' के एक पोस्ट में कहा गया, हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि रॉबर्ट एएफ। थर्मन का मंगलवार सुबह, 16 जून को वुडस्टॉक, न्यूयॉर्क में निधन हो गया। वे अमेरिका के जाने-माने बौद्ध विद्वान, 'तिब्बत हाउस यूएस' के सह-संस्थापक लेखक और अनुवादक थे, जिनकी शिक्षाओं ने अनगिनत लोगों के जीवन को संवारा। पोस्ट में आगे कहा गया, थर्मन परिवार इस समय निजता चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून, 2023 को न्यूयॉर्क में प्रोफेसर थर्मन से मुलाकात की।

इस मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी और प्रोफेसर थर्मन ने इस बात पर अपने विचार साझा किए कि कैसे बौद्ध मूल्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं। भारत सरकार के एक बयान के अनुसार, उन्होंने भारत के बौद्ध संबंधों और बौद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की।

न्यूयॉर्क में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बौद्ध धर्म के दुनिया के सबसे बड़े विद्वानों में से एक और भारत के सच्चे दोस्त प्रोफेसर रॉबर्ट थर्मन के निधन से गहरा दुख हुआ है। कॉन्सुलेट जनरल ने आगे कहा, इंडो-तिब्बती बौद्ध अध्ययन के प्रति प्रोफेसर थर्मन के जीवन भर के समर्पण ने दुनिया भर की पीढ़ियों तक भगवान बुद्ध के शाश्वत ज्ञान को पहुंचाने और भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के प्रति सम्मान बढ़ाने में मदद की।

हम नीना थर्मन और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके में मुख्यालय वाले सेंट्रल तिब्बती एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) के अनुसार, प्रोफेसर थर्मन ने तिब्बती बौद्ध धर्म पर कई किताबें लिखीं, एडिट कीं और उनका अनुवाद किया है। थर्मन 'तिब्बत हाउस यूएस' और 'अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज़' के प्रेसिडेंट भी रहे हैं।

उन्होंने तिब्बती 'काग्युर' से 'विमलकीर्ति सूत्र' का अंग्रेजी में अनुवाद किया। प्रोफेसर थर्मन तिब्बती बौद्ध धार्मिक और दार्शनिक सामग्री के अनुवाद और व्याख्या के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें 1997 के 25 सबसे प्रभावशाली अमेरिकियों में से एक चुना गया था। 2006 में न्यूयॉर्क मैगजीन ने उन्हें धर्म के क्षेत्र में प्रभावशाली लोगों में से एक के तौर पर शामिल किया।

बेटे की मौत का सदमा नहीं सह पाई मां, कुछ ही मिनटों में तोड़ा दम, घर से एक साथ उठीं दो अर्थियां

इंदौर, 17 जून (एजेंसियां)। इंदौर के भंडारी मिल क्षेत्र स्थित श्रीनाथ विहार अपार्टमेंट में एक बेहद भावुक और हृदय विदारक घटना सामने आई है। 55 वर्षीय राजुल शर्मा की मौत के बाद उनकी 75 वर्षीय मां किरण शर्मा भी बेटे का शव देखते ही सदमे में चल बसीं। सोमवार को जब मां और बेटे की एक साथ अर्थियां उठीं तो पूरे परिवार, रिश्तेदारों और पड़ोसियों की आंखें नम हो गईं। इस दुखद घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। दरअसल कंप्यूटर डिजाइनर राजुल शर्मा का रविवार को निधन हो गया था। उस समय उनकी मां किरण शर्मा अपनी बेटी के घर एरोड्रम रोड पर थीं।

परिजनों ने उन्हें अचानक जानकारी देने के बजाय धीरे-धीरे घर लाने का निर्णय लिया, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुंचे। लेकिन जैसे ही किरण शर्मा फ्लैट में पहुंचीं और बेटे का शव देखा, वे फूट-फूटकर रोने लगीं। बेटे के सिर पर हाथ फेरते ही वे अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सिंगर एपी ढिल्लों के घर पर फायरिंग करने वाला अभिजीत किंगरा आएगा भारत

कनाडा इमिग्रेशन बोर्ड का बड़ा फैसला

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े कथित शूटर अभिजीत किंगरा को कनाडा से भारत भेजे जाने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। कनाडा के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड (आईआरबी) ने किंगरा को देश से निर्वासित (डिपोर्ट) करने का आदेश जारी किया है। बोर्ड ने अपने फैसले में कहा है कि किंगरा बिश्नोई गैंग का सदस्य है, जो हत्या, रंगदारी, गोलीबारी, आगजनी और धमकी जैसी संगठित आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। जानकारी के अनुसार, अभिजीत किंगरा वर्ष 2018 में स्टडी परमिट पर कनाडा पहुंचा था। जांच एजेंसियों का आरोप है कि कनाडा पहुंचने के बाद वह धीरे-धीरे बिश्नोई गैंग के संपर्क में आया और गैंग के लिए काम करने लगा। कनाडाई अधिकारियों के मुताबिक सितंबर 2024 में ब्रिटिश कोलंबिया के कोलवुड क्षेत्र में पंजाबी गायक एपी ढिल्लों के घर पर हुए हमले में किंगरा की भूमिका सामने आई थी। आरोप है कि किंगरा ने एपी ढिल्लों के घर के बाहर करीब 14 राउंड फायरिंग की थी, जबकि उसके एक साथी ने बाहर खड़ी गाड़ियों को आग लगा दी थी। घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों ने हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। किंगरा और उसका एक अन्य सहयोगी सरे (ब्रिटिश कोलंबिया) में हुई एक अन्य समान घटना में भी आरोपित हैं। सुनवाई के दौरान किंगरा ने दावा किया कि उसे इस वारदात में शामिल होने के लिए 4,000 कनाडाई डॉलर देने का लालच दिया गया था। उसने कहा कि वह अपने परिवार की आर्थिक मदद करना चाहता था और उसे यह जानकारी नहीं थी कि वह बिश्नोई गैंग के लिए काम कर रहा है। हालांकि कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि संगठित गैंग अपने नेटवर्क को स्तरों में संचालित करते हैं,

नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

पेपर लीक के बाद से थी तनाव में

देहरादून, 17 जून (एजेंसियां)। देहरादून के पटेल नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित चंद्रमणि कॉलोनी में नीट की तैयारी कर रही एक युवती ने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, 23 वर्षीय रिया कुमारी पिछले कई सालों से नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। बताया जा रहा है कि वह पहले भी नीट परीक्षा में शामिल हुई थी, लेकिन सफलता नहीं मिलने से काफी निराश चल रही थी।

सोमवार सुबह रिया ने अपने कमरे में फांसी लगाकर अपनी जीवन समाप्त कर लिया। जब परिजन सुबह उसके कमरे में पहुंचे तो उन्हें घटना का पता चला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पटेल नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, चंद्रमणि कॉलोनी निवासी राजेश मल्ल थापा की 23 वर्षीय बेटी रिया का इस बार का पेपर अच्छा गया था, लेकिन पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द होने और 21 जून को प्रस्तावित री-एग्जाम को लेकर बढ़ी चिंता उसे लगातार परेशान कर रही थी। मौके से मिले सुसाइड नोट मे उसने 'मम्मी-पापा आई लव यू' लिखते हुए पढ़ाई में सफलता नहीं मिलने की हताशा जाहिर की है। घटनास्थल से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि रिया ने नोट में 'मम्मी-पापा आई लव यू' लिखते हुए खुद को इस कदम के लिए जिम्मेदार बताया है। उसने पढ़ाई और करियर को लेकर निराशा का भी जिक्र किया है। पुलिस सुसाइड नोट की जांच के साथ अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

फिरोजपुर में सीआईए स्टाफ की बड़ी कामयाबी

करीब 6 किलो हेरोइन के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

फिरोजपुर, 17 जून (एजेंसियां)। सीआईए स्टाफ जीरा की टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को 5 किलो 775 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक स्विफ्ट कार और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार थाना आरिफ के में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच एएसआई अंगरेज सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस के मुताबिक सीआईए स्टाफ जीरा की टीम गश्त पर थी। जब पुलिस पार्टी टोल प्लाजा से आगे आरिफ के की ओर पहुंची तो एक विश्वसनीय मुखबिर ने सूचना दी कि मनजिंदर सिंह पुत्र कुलबीर सिंह निवासी गांव लखा भेडियां थाना आरिफ के तथा जगजीत सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह निवासी वार्ड नंबर 9, मल्लांवाला, थाना मल्लांवाला हेरोइन बेचने का धंधा करते हैं।

मुखबिर ने बताया कि दोनों आरोपित उस समय गांव वाहका की दाना मंडी के पास अपनी कार में सवार होकर ग्राहकों को हेरोइन सप्लाई करने के लिए खड़े हैं। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस ने तुरंत छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपितों को काबू कर लिया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 5 किलो 775 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जो व्यावसायिक (कमर्शियल) मात्रा में है। इसके अलावा पुलिस ने चार मोबाइल फोन और स्विफ्ट कार भी जब्त कर ली।

क्रेस्ट फंड घोटाला: सीबीआई ने दाखिल की पहली चार्जशीट

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारियों समेत 13 आरोपी नामजद

चंडीगढ़, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) से जुड़े 75.34 करोड़ रुपये के कथित फंड गबन मामले में पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह चार्जशीट चंडीगढ़ स्थित विशेष सीबीआई अदालत में पेश की गई। सीबीआई ने इस मामले में कुल 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। जानकारी के मुताबिक चार्जशीट में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 5 अधिकारियों, क्रेस्ट (चंडीगढ़ प्रशासन) के 2 सरकारी कर्मचारी, 2 शेल कंपनियों और 4 निजी व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है।

जांच एजेंसी के अनुसार सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई जांच के मुताबिक, क्रेस्ट के बैंक खातों से 75.34 करोड़ रुपये की सरकारी राशि कथित रूप से धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत निकाली गई। आरोप है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारियों ने क्रेस्ट के कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर इस रकम का गबन किया। बाद में यह पैसा कई निजी व्यक्तियों और संस्थाओं तक पहुंचाया गया, जिन्होंने इससे लाभ उठाया। चार्जशीट में आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, सबूत नष्ट करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत भी मामले दर्ज किए गए हैं।

सीबीआई ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे भी अतिरिक्त चार्जशीट दाखिल की जाएंगी। एजेंसी वित्तीय लेन-देन, लाभार्थियों और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। सीबीआई ने बताया कि उसने ऐसे ही फंड गबन और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े तीन मामलों की जांच अपने हाथ में ली थी। पहला मामला हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से लिया गया, जो हरियाणा सरकार के आठ विभागों से संबंधित है,

वहीं दूसरा मामला चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड से जुड़ा है। जबकि तीसरा मामला क्रेस्ट चंडीगढ़ का है। इन मामलों में सीबीआई पहले ही हरियाणा सरकार के 8 विभागों से जुड़े बैंक फ्रॉड मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ दो चार्जशीट पहले ही दाखिल की जा चुकी हैं। वहीं चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी परियोजना मामले में 7 आरोपियों के खिलाफ एक चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। वहीं अब क्रेस्ट मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ पहली चार्जशीट दायर की गई है।

ओडिशा में एक ही दिन में तीन युवतियों से गैंगरेप, एक की हत्या कर घर के पीछे फेंका शव

भुवनेश्वर, 17 जून (एजेंसियां)। महिलाओं के सम्मान, उत्सव और पारंपरिक उल्लास का प्रतीक माने जाने वाले ओडिशा के प्रसिद्ध रज पर्व के दौरान इस वर्ष महिलाओं के खिलाफ अपराध की तीन गंभीर घटनाओं ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है।

नवरंगपुर, बलांगीर और मयूरभंज जिलों में एक ही दिन दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं सामने आने के बाद प्रदेशभर में आक्रोश व्याप्त है। इन घटनाओं ने महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार पहली घटना नवरंगपुर जिले में पहिली रज के दिन सामने आई। 22 वर्षीय युवती अपने मित्रों के साथ रज पर्व मनाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी।

परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन अगले दिन सुबह घर के पीछे स्थित परिसर में उसका शव बरामद हुआ। मृतका के स्वजन का आरोप है कि युवती के साथ पहले दुष्कर्म किया गया और बाद में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

कहां रहती हैं, क्या करती हैं और कैसे चल रहा है खर्च?

जमानत के बाद पहली बार बोलीं सोनम रघुवंशी

शिलांग, 17 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को कोर्ट से राहत मिली हुई है। सोनम जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आई हुई हैं। इस बीच सोनम रघुवंशी ने एक इंटरव्यू में इस हत्याकांड को लेकर खुलकर बात की है। सोनम से कोर्ट की शर्तों पर मिली जमानत को लेकर सवाल किया गया कि क्या वे कोर्ट की शर्तों के मान रही हैं। इस पर सोनम रघुवंशी ने कहा, हां मुझे जो बेल कंडीशन कोर्ट से मिली हुई हैं मैंने हमेशा उनको माना है और मैं उस चीज को कभी नहीं तोड़ूंगी। अपने रहने और खर्चे के सवाल के जवाब में सोनम ने बताया कि मैं शिलांग में रह रही हूं और शिलांग से बाहर नहीं गई हूं। इस दौरान सोनम ने खर्चे के बारे में बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं खर्चे के बारे में कुछ नहीं बताना चाहती हूं।

सोनम रघुवंशी से जब उनके रहने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से वह शिलांग में कहां रह रही हैं इस बारे में वे अपना पता उजागर नहीं कर सकती हैं। इंदौर जाने को लेकर सवाल पर सोनम ने बताया कि अभी उनका कोई प्लान नहीं है क्योंकि यहां अभी मेरा केस चल रहा है और जब तक खत्म नहीं होता मैं नहीं जाऊंगी। उन्होंने आगे बताया कि अभी ट्रायल चल रहा है। इस दौरान जनता से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।क्योंकि यह सब झूठ बोल रहे हैं। जो भी मेरे बारे में चल रहा है सब झूठ है। इस हत्याकांड को लेकर अपनी राय रखने से भी उन्होंने इनकार कर दिया। इस मामले में कोर्ट की प्रक्रिया, सुनवाई और फैसले को लेकर सोनम ने कहा, कोर्ट का जो भी फैसला आया है उस पर मैंने सहयोग किया है और मैं आगे भी सहयोग करूंगी। कोर्ट ने जो भी नियम व शर्तें मुझे दी हैं मैं उनको मान रही हूं। मैंने हमेशा से ही न्यायालय के फैसले का सम्मान किया था, किया है और करती रहूंगी।

इस दौरान सोनम रघुवंशी के वकील सुदीप राणा से सवाल किया गया कि आपके खिलाफ राजा रघुवंशी के भाई का आरोप है कि आपने आरोपी सोनम की नेपाल भागने में मदद की। इस पर सुदीप राणा ने कहा, वह सब झूठे आरोप हैं।सिर्फ इसलिए कि मैं नेपाली हूं, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं नेपाल से हूं। मेरा जन्म और पालन-पोषण शिलांग में हुआ। मेरी पढ़ाई भी यहीं से पूरी हुई है। उन्होंने बताया कि नेपाल में मेरा कोई है, यह सच नहीं है। मेरा वहां कोई नहीं है। सोनम अगर आज यहां हैं तो वह सुनवाई के लिए कोर्ट आई हैं। वह कोर्ट आती हैं और कोर्ट परिसर में हम मिल जाते हैं इससे पता चलता है कि हम कभी शिलांग से बाहर नहीं गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि सपलीमेंट्री चार्जशीट फाइल हो चुकी है।

उत्तर भारत में मिला खतरनाक परजीवी का नया स्वरूप, इंसानों में संक्रमण का खतरा

हिसार, 17 जून (एजेंसियां)। उत्तर भारत में भेड़ों और बकरियों पर किए गए एक वैज्ञानिक अध्ययन में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि इचिनोकोकस ग्रैनुलोसस नामक परजीवी के कई खतरनाक जीनोटाइप (आनुवंशिक प्रकार) उत्तर भारत में सक्रिय रूप से फैल रहे हैं। यह परजीवी जानवरों से इंसानों में भी फैल सकता है और सिस्टिक इचिनोकोकोसिस (हाइडेटिड रोग) जैसी गंभीर बीमारी का कारण बनता है। हरियाणा के हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक पल्लवी मुदगिल, अंशू लोहान, अनिल के नेहरा, अनिल शर्मा और अमन डी। मुदगिल ने मिलकर यह अध्ययन किया। इस दौरान हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के बूचड़खानों में 1,049 भेड़ों और बकरियों की जांच की गई।

संक्रमित नमूनों की डीएनए जांच में वैज्ञानिकों ने जी1, जी3 और जी6 जीनोटाइप की पहचान की। सबसे महत्वपूर्ण खोज यह रही कि जी6 जीनोटाइप पहली बार उत्तर भारत की भेड़ों और बकरियों में स्पष्ट रूप से पाया गया, जिससे संकेत मिलता है कि ये पशु इस खतरनाक परजीवी के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार यह बीमारी केवल पशुओं तक सीमित सनहीं है। कुत्तों और अन्य कैनिड प्रजातियों के माध्यम से यह परजीवी मनुष्यों तक पहुंच सकता है। पहले के अध्ययनों में उत्तर भारत के इंसानों में भी जी1, जी3, जी5 और जी6 जीनोटाइप पाए जा चुके हैं, जिससे इस संक्रमण के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव की चिंता बढ़ जाती है।

ईरान समझौते को ट्रंप बता रहे जीत

लेकिन विशेषज्ञ बोले- अमेरिका की रणनीतिक हार हुई, ये आत्मसमर्पण जैसा

एवियन, 17 जून (एजेंसियां)। ईरान के साथ समझौते को अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी सरकार अमेरिका की जीत के तौर पर पेश कर रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि ट्रंप के इस चूरन को उनके ही देश के सामरिक और रणनीतिक विशेषज्ञ, मीडिया और बुद्धिजीवी खरीदने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि ईरान युद्ध में अमेरिका की रणनीतिक हार हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ शांति समझौते के लिए अपनी पीठ थपथपा रहे हैं और ईरान की हार का दावा कर रहे हैं। ट्रंप इसे अमेरिका की बड़ी कूटनीतिक जीत भी बता रहे हैं। हालांकि व्हाइट हाउस के दावों के विपरीत अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का एक बड़ा वर्ग मानता इसे अमेरिका की जीत नहीं मानता बल्कि समझौते को अमेरिका की इस युद्ध से निकलने की कोशिश के रूप में देख रहा है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता वास्तव में अमेरिका और ट्रंप प्रशासन की रणनीतिक नाकामी को उजागर

करता है। शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रॉबर्ट ए. पेप ने इस समझौते को विनाशकारी रणनीतिक पराजय करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका एक ऐसे जाल में फंस गया, जहां युद्ध को आगे बढ़ाना भी मुश्किल था और पीछे हटना भी। विश्लेषकों के अनुसार 100 दिनों से अधिक चले संघर्ष, अरबों डॉलर के सैन्य खर्च, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर, खाड़ी क्षेत्र में समुद्री व्यापार बाधित होने और अमेरिकी जनता की बढ़ती नाराजगी के बाद वॉशिंगटन को बातचीत की मेज पर लौटना पड़ा। जबकि उसका एक भी लक्ष्य अभी तक हासिल नहीं हुआ है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिका पूरे समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाए हुए था। इस पर पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि अगर अमेरिका का होर्मुज पर पूरा नियंत्रण था, तो जलडमरूमध्य को फिर से खोलना बातचीत का इतना बड़ा मुद्दा क्यों बना रहा? इस पर हेगसेथ जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना शुरू हो गई। यूजर्स ने कहा कि इस बातचीत से अमेरिकी प्रशासन के दावों और असल स्थिति के बीच के विरोधाभास को उजागर करती है। मध्य-पूर्व मामलों के विशेषज्ञ और अनुभवी वार्ताकार एरन डेविड मिलर का कहना है कि पूरे संघर्ष के दौरान ईरान के पास महत्वपूर्ण रणनीतिक बढ़त बनी रही। उनके मुताबिक, क्षेत्रीय सहयोगी समूहों, प्रॉक्सी नेटवर्क और होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए ईरान की वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने की क्षमता ने तेहरान को मजबूत सौदेबाजी की स्थिति में रखा। डेमोक्रेटिक सांसद सेथ मौल्टन ने समझौते को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह बेहद खराब समझौता है। यह डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के सर्वोच्च नेता के सामने आत्मसमर्पण का दस्तावेज जैसा है।' रिपोर्टों के मुताबिक, समझौते के तहत ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों में राहत देने, तेल निर्यात पर प्रतिबंधों को आंशिक रूप से हटाने और पुनर्निर्माण एवं निवेश से जुड़े बड़े आर्थिक पैकेज पर चर्चा की बात सामने आई है। परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई अहम मुद्दों पर अंतिम सहमति नहीं बनी है और इन्हें अगले 60 दिनों की बातचीत के लिए टाल दिया गया है, जिसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

मेलोनी बोलीं- 1 महीने से सिगरेट नहीं पी

नींद भगाने के लिए कॉफी पीती हूं, जी7 समिट में माइक पर रिकॉर्ड हुई बातचीत

एवियन, 17 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं की अनौपचारिक बातचीत माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई। इन नेताओं को सिगरेट, फुटबॉल, तोहफों जैसी बातों पर हल्के-फुल्के मजाक करते हुए सुना गया।

इन सबमें से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सिगरेट छोड़ देने वाली बातचीत की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, बैठक शुरू होने से पहले मेलोनी ने नेताओं से बातचीत में कहा कि आज उन्होंने 3 कप कॉफी पी है।

यह सुनकर यूरोपीय यूनियन की चीफ उर्सला वॉन डेर लेयेन ने चौंकते हुए पूछा- क्या आज सुबह, उठने के लिए? इस पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने मजाक में कहा- और सिगरेट कितनी पी?

मेलोनी ने इससे इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने एक महीने से सिगरेट नहीं पी है। यह सुनते ही कनाडा, ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मेलोनी ने खुशी में दोनों हाथ उठा दिए।

इसके बाद कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने मजाकिया अंदाज में अपने हाथ की ओर इशारा कर पूछा, क्या आपने निकोटिन पैच लगाया है? इस पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े।

निकोटिन पैच शरीर की त्वचा पर लगाया जाता है। यह धीरे-धीरे शरीर में थोड़ी मात्रा में निकोटिन पहुंचाता है, जिससे सिगरेट, बीड़ी या तंबाकू छोड़ने वाले लोगों को उसकी तलब कम लगती है और छोड़ने में आसानी होती है।

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में चल रहे फीफा विश्व कप के बीच नेता खेलों पर चर्चा करते नजर आए। मैक्रों ने फ्रांस की टीम का समर्थन करते हुए कहा, अलेज ले ब्लू यानी आगे बढ़ो फ्रांस। एक नेता ने पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) क्लब की हालिया चैंपियंस लीग जीत की तारीफ की।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी केप वर्डे की टीम की सराहना की, जिसने मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। स्टार्मर ने कहा, यह वास्तव में हैरान करने वाला प्रदर्शन था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी फुटबॉल से इतर यूएफसी मुकाबले का जिक्र किया। दरअसल, ट्रम्प के जन्मदिन 14 जून पर व्हाइट हाउस में यूएफसी मुकाबला हुआ था। ट्रम्प ने इसके आयोजक डाना व्हाइट की खूब तारीफ की। समिट में एक रहस्यमय बातचीत भी रिकॉर्ड हुई। ट्रम्प यूरोपीय परिषद के चीफ एंटोनियो कोस्टा से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, आप जानते होंगे। कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने कोस्टा की तरफ देखते हुए कहा- ग्रीनलैंड। बातचीत का बाकी हिस्सा साफ नहीं सुनाई दिया। ट्रम्प की यह टिप्पणी इसलिए चर्चा में आ गई क्योंकि वह पहले भी कई बार डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं।

अमेरिका ने सबसे बड़े सैन्य कमांड से 'इंडो' शब्द हटाया

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड (यूएसआईएनडीओपीएसीओएम) का नाम बदलकर फिर से यूएस पैसिफिक कमांड (यूएसपीएसीओएम) कर दिया गया है। अब इस कमांड से 'इंडो' शब्द हटा दिया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने 2018 में कमांड के नाम में बदलाव किया था। उस समय अमेरिका ने कहा था कि हिंद महासागर (इंडियन ओशियन) क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ रहा है और यह क्षेत्र प्रशांत महासागर (पैसिफिक ओशियन) की सुरक्षा व्यवस्था से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ गया है।

2018 में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया था। अमेरिका का कहना था कि हिंद महासागर का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और अब हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर की सुरक्षा और रणनीति एक-दूसरे से पहले से ज्यादा जुड़ गई हैं। इसलिए कमांड के नाम में इंडो (हिंद महासागर) को भी शामिल किया गया था। अमेरिकी सेना पूरी दुनिया को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर चलती है। इनके लिए 11 कमांड हैं। इनमें से 6 स्ट्रैटेजिक और 5 फंक्शनल कमांड हैं। यूएस पैसिफिक स्ट्रैटेजिक कमांड का हिस्सा है। यह अमेरिका की सबसे बड़ी और सबसे अहम सैन्य कमांडों में से एक है। यह कमांड एशिया और प्रशांत महासागर इलाके में एक्टिव है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूएस पैसिफिक कमांड नाम बहुत पुराना और ऐतिहासिक है। इसे वापस लाने से सैनिकों को अपनी विरासत पर गर्व महसूस होगा। यह नाम कई बड़े युद्धों और महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़ा रहा है, इसलिए इसे फिर से अपनाया गया है।

नेपाल ने चीन के सामने कालापानी-लिपुलेख का मुद्दा उठाया

कहा- भारत के साथ समझौता किस आधार पर, चीन बोला- ये आप दोनों का मामला

काठमांडू, 17 जून (एजेंसियां)। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के इस्तेमाल को लेकर हुए समझौते पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह व्यवस्था किस आधार पर बनाई गई और इसकी प्रकृति क्या है।

इसके जवाब में वांग यी ने कहा कि यह मूल रूप से भारत और नेपाल के बीच का मामला है और इसका समाधान बातचीत से ही निकलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दे संबंधित देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता के जरिए सुलझाए जाने चाहिए।

नेपाल ने दोहराया कि कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। काठमांडू पहले भी नई दिल्ली और बीजिंग को विरोध नोट भेजकर कह चुका है कि उसकी सहमति के बिना इस इलाके से जुड़ा कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा।

भारत और चीन ने 2020 में लिपुलेख दर्रे के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा पार व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमति बनाई थी। दोनों देशों ने इस मार्ग को तीर्थयात्रा और व्यापार के लिए इस्तेमाल करने की व्यवस्था पर सहमति जताई थी।

नेपाल ने उस समय इसका विरोध किया था। काठमांडू का कहना था कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं, इसलिए उससे बिना राय लिए इस मार्ग को लेकर कोई भी समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद नेपाल ने भारत और चीन दोनों को राजनयिक विरोध नोट भेजा था।

इसके बावजूद भारत और चीन कैलाश मानसरोवर यात्रा और

सीमावर्ती व्यापार के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल करते रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि शिशिर खनाल ने हाल की भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा नहीं उठाया था। उस समय उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की थी।

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में भी कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख का जिक्र नहीं था। ऐसे में कूटनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा है कि नेपाल ने नई दिल्ली के मुकाबले बीजिंग में ज्यादा सख्त रुख दिखाया।

विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल दोनों पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाए रखते हुए सीमा विवाद को जिंदा रखना चाहता है, लेकिन खुलकर टकराव से भी बचना चाहता है।

भारत-चीन सीमा पर स्थित लिपुलेख दर्रे से व्यापार दोबारा शुरू होने जा रहा है। गलवान घाटी में 2020 में हुए संघर्ष के बाद यह मार्ग बंद हो गया था। करीब छह साल बाद अब इस रास्ते से व्यापार बहाल करने की तैयारी शुरू हो गई है।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से करीब 300 व्यापारियों के नाम विदेश मंत्रालय को भेजे गए हैं।

पाकिस्तान सैनिटरी पैड और गर्भनिरोधक प्रोडक्ट्स पर 18% टैक्स खत्म करेगा

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार सैनिटरी पैड और गर्भनिरोधक प्रोडक्ट्स पर लगने वाला 18% सेल्स टैक्स खत्म करने की तैयारी कर रही है। पिछले हफ्ते पेश किए गए बजट में सरकार ने टैक्स हटाने का प्रस्ताव रखा था।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि सैनिटरी प्रोडक्ट्स महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और सामाजिक जीवन में उनकी भागीदारी के लिए बेहद जरूरी हैं। इसके पीछे उन्होंने देश की तेजी से बढ़ती आबादी को वजह बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आबादी के मामले में दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश है और परिवार नियोजन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। यूनिसेफ के अनुसार पाकिस्तान में केवल 12% महिलाएं और लड़कियां ही बाजार में मिलने वाले सैनिटरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। बाकी महिलाएं कपड़े या घर में तैयार किए गए अन्य विकल्पों का सहारा लेती हैं।

यूनिसेफ के मुताबिक स्थानीय और अन्य टैक्स को जोड़ने के बाद पाकिस्तान में महिलाओं को सैनिटरी प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए करीब 40% अतिरिक्त टैक्स चुकाना पड़ता है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब और कमजोर वर्ग की महिलाओं पर पड़ता है।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 2025 के मध्य तक पाकिस्तान की लगभग 45% आबादी प्रतिदिन 4.20 डॉलर (करीब 1,175 पाकिस्तानी रुपए) की आय वाली निम्न-मध्यम आय गरीबी रेखा से नीचे जीवन बिता रही थी। वहीं एक पैकेट में मिलने वाले 10 सैनिटरी पैड की कीमत औसतन एक दिन की कमाई के एक-तिहाई से भी ज्यादा होती है। कई मामलों में एक पैकेट पूरे महीने के लिए पर्याप्त भी नहीं होता।

भारत नहीं पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि को हथियार बनाया

भारतीय एक्सपर्ट ने किया बेनकाब तो तिलमिलाया इस्लामाबाद

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। सिंधु जल संधि पर रोक लगान के बाद भारत पूरी तरह एक्शन में है। पाकिस्तान जाने वाली नदियों के ऊपर भारत ने पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम शुरू किया है, जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पाकिस्तान ने बार-बार भारत पर पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के इन दावों को सिंधु जल मामलों के पूर्व भारतीय आयुक्त पीके सक्सेना ने तथ्यों के साथ खारिज कर दिया था। उन्होंने न सिर्फ पाकिस्तान के दावों को खारिज किया बल्कि यह भी बताया कि सिंधु जल संधि अपने मूल स्वरूप में भारत के लिए अन्यायपूर्ण है और यह भारत पर एकतरफा पाबंदियां लगाती हैं। पीके सक्सेना ने बीती 9 मई को मलय मेल में लिखे एक लेख में सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के पाखंड को सामने ला दिया था। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान ही है जो इस संधि को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। इसके बाद से पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है। पाकिस्तान के वर्तमान सिंधु जल मामलों के कमिश्नर सैयद मुहम्मद अली शाह ने इसका खंडन किया है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन में लिखे लेख में मेहर अली शाह ने सिंधु जल मामलों के पूर्व भारतीय कमिश्नर के दावों का खंडन किया। शाह ने कहा कि सक्सेना ने एक सही तथ्य से शुरुआत की लेकिन इससे गलत निष्कर्ष निकाला। पाकिस्तानी जल अधिकारी ने कहा कि यह संधि भारत की उदारता का नतीजा नहीं थी। यह बंटवारे और अप्रैल 1948 के नहर-जल संकट से पैदा हुई गंभीर असुरक्षा की स्थिति से पैदा हुई थी।

भारत के बेने मेनाशे समुदाय को इजराइल लाएगी नेतन्याहू सरकार

यरूशलम, 17 जून (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम और मणिपुर में रहने वाले बेने मेनाशे समुदाय के सभी शेष सदस्यों को अगले चार वर्षों में इजराइल लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समुदाय यहूदी लोगों का अभिन्न हिस्सा है और इजराइल उनका घर है।

हाल ही में इजराइल के नोफ हा-गलील शहर में बसे भारतीय मूल के यहूदी प्रवासियों को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मजबूत संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष की शुरुआत से अब तक समुदाय के करीब 600 सदस्य इजराइल पहुंच चुके हैं। वर्ष 2026 के अंत तक लगभग 600 और लोगों के आने की उम्मीद है। बेने मेनाशे का अर्थ है मनश्शे के पुत्र। यह समुदाय मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रहता है। समुदाय के लोग सबाथ का पालन, यहूदी त्योहारों का आयोजन, कोषेर भोजन परंपरा और अन्य यहूदी रीति-रिवाजों का पालन करते हैं।

वे स्वयं को इजराइल की दस खोई हुई जनजातियों में से एक मनश्शे जनजाति का वंशज मानते हैं, जिसे लगभग 2,700 वर्ष पहले असीरियाई साम्राज्य ने निर्वासित कर दिया था।

भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म, श्रीलंका की सेना को दिया 50 लाख डॉलर का गिफ्ट

कोलंबो ने कहा- भरोसेमंद साथी

कोलंबो, 17 जून (एजेंसियां)। भारत ने पड़ोसी पहले नीति और महासागर विजन के तहत श्रीलंका की सेना को बड़ी सौगात दी है, जिससे दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा साझेदारी की पुष्टि होती है। भारत ने श्रीलंका की सेना को 50 लाख अमेरिकी डॉलर से ज्यादा कीमत का मिलिट्री सामान और ट्रॉमा केयर दान किया है। भारत के रक्षा मंत्रालय से मंजूर की गई यह मदद भारतीय सेना के ऑपरेशनल स्टॉक से उपलब्ध कराई गई है।

श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह सामान आधिकारिक तौर पर श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे में डिफेंस हेडक्वार्टर कॉम्प्लेक्स के आर्मी हेडक्वार्टर में आयोजित एक समारोह में सौंपा गया। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया कि इस कार्यक्रम में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा, श्रीलंका के

रक्षा सचिव एयर वाइस मार्शल (रिटायर्ड) संपत थुयाकोंथा और श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल लसंथा रोड्रिगो शामिल हुए।

इस सैन्य सामान को भारतीय नौसेना के जहाज 'शारदा' से कोलंबो पहुंचाया गया।

इंडियन नेवी का यह जहाज 10 जून से 13 जून तक कोलंबो में था। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि यह दान भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को दिखाता है। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ा है।

इसमें मिलिट्री क्षमता बढ़ाना, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, उपकरण और ट्रेनिंग सपोर्ट देना शामिल है। पिछले दो सालों में भारत ने श्रीलंका के लिए 5 अरब श्रीलंकाई रुपये के रक्षा संबंधी प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन पहलों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, सैन्य उपकरणों की सप्लाई और ट्रेनिंग में मदद शामिल है।

ब्रिटेन में सबसे पुराने भारतीय-रेस्तरां पर बंद होने का खतरा

वीरास्वामी की 100 साल पुरानी लीज खत्म, मालिक कोर्ट पहुंचे

लंदन, 17 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन में मौजूद सबसे पुराना भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी बंद होने का खतरा बढ़ गया है। जिस इमारत में यह रेस्तरां चलता है, उसका मालिक क्राउन एस्टेट है। क्राउन एस्टेट ब्रिटेन की एक बड़ी सरकारी संपत्ति संस्था है, जो राजा या रानी के नाम पर चलती है।

अब क्राउन एस्टेट वीरास्वामी की इमारत में कुछ बदलाव और नया निर्माण करना चाहते हैं। इसी वजह से उन्होंने रेस्तरां का किराये का समझौता (लीज) आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है।

वीरास्वामी रेस्तरां की जून 2025 में लीज खत्म हो गई थी। रेस्तरां का कहना है कि अगर लीज नहीं बढ़ाई गई तो उसे 100 साल पुरानी अपनी जगह छोड़नी पड़ेगी। इसलिए उसने इस फैसले को चुनौती देने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

वीरास्वामी की शुरुआत अप्रैल 1926 में हुई थी। यह सिर्फ एक रेस्तरां नहीं बल्कि ब्रिटेन में भारतीय खाने के इतिहास का अहम हिस्सा माना जाता है।

पिछले एक सदी में यहां कई मशहूर लोग आ चुके हैं। इनमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल, अभिनेत्री विवियन ली, अभिनेता मार्लन ब्रैंडो, लॉरेंस ओलिवियर, चार्ली चैपलिन और यहां तक कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भी शामिल हैं।

रेस्तरां का मेन्यू भारत में जन्मे एडवर्ड पामर ने तैयार किया था। उन्हें हैदराबाद के शाही महल में बनने वाले व्यंजनों की रेसिपी अपनी दादी से मिली थी और उसी से प्रेरित होकर उन्होंने यहां का खाना तैयार किया। वीरास्वामी को 2016 में मिशेलिन स्टार मिला था। यह दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित रेस्तरां सम्मानों में से एक है।

रेस्तरां से जुड़ा एक दिलचस्प दावा भी किया जाता है। कहा जाता है कि इंग्लैंड में करी के साथ बीयर पीने की आदत सबसे पहले इसी रेस्तरां से शुरू हुई थी। रेस्तरां के मालिकों के मुताबिक, डेनमार्क के राजा जब भी लंदन आते थे, तो वीरास्वामी में खाना खाने जरूर पहुंचते थे। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी पसंदीदा कार्ल्सबर्ग बीयर का एक पूरा पीपा रेस्तरां में रखवा दिया था ताकि जब भी वे करी खाने आएं, वही बीयर उन्हें परोसी जा सके। यह रेस्तरां दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मन बमबारी (ब्लिट्ज) से भी बच गया। उसने रेस्तरां उद्योग के उतार-चढ़ाव भी देखे, लेकिन अब एक साल से चल रही कानूनी लड़ाई के बाद उसके अस्तित्व पर सवाल खड़ा हो गया है।

29 जून से 5 दिन चलेगी सुनवाई

वीरास्वामी की मूल कंपनी एमडब्ल्यू ईट 29 जून से शुरू होने वाली पांच दिन की सुनवाई में सेंट्रल लंदन काउंटी कोर्ट में अपना पक्ष रखेगी।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई

तीन घायल, एयरबैग खुलने से बड़ा हादसा टला, कोडरमा-जयनगर मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा

कोडरमा, 17 जून (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना हुई। कोडरमा-जयनगर मुख्य मार्ग पर पथलडीहा के पास जयनगर से कोडरमा जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों की पहचान महेश दास, शमसुल अंसारी और बाजो राम के रूप में हुई है। महेश दास अपने मित्र शमसुल अंसारी के साथ जयनगर के तेतरौन से कोडरमा आ रहे थे। पथलडीहा के पास कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

भाजपा नेता को फॉर्च्यूनर में जिंदा जलाया, 3 की मौत

हाईवा अड़ाकर लगाई आग, साथियों को फरसे से काटा, कोरिया में रेत तस्करी विवाद में हमला

कोरिया, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में रेत कारोबार को लेकर हुए विवाद में भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष लल्ला सिंह की जिंदा जलाकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि रेत कारोबार से जुड़े लोगों ने उनकी फॉर्च्यूनर कार के आगे-पीछे हाईवा अड़ाकर रास्ता रोका, फिर पेट्रोल छिड़ककर कार में आग लगा दी। कार में सवार उनके भाई समेत 3 अन्य लोग किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन आरोपियों ने उनकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें लल्ला सिंह के साथ मौजूद विरेंद्र सिंह (28) की अंबिकापुर के जीवन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। विरेंद्र रायपुर में एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे। हमले

के दौरान उनके गले पर फरसे से वार किया गया था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल नागेंद्र सिंह (53) ने भी दम तोड़ दिया है। उन्हें रायपुर रेफर किया गया था। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। नागेंद्र 80% जल चुके थे।

इसके साथ ही इस वारदात में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3 हो गई है। वहीं, मयंक सिंह के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। योगेंद्र सिंह का हाथ टूट गया है और उन्हें अंदरूनी चोटें आई हैं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। घटना सोनहत थाना क्षेत्र की है। इस मामले पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि मामला मेरे संज्ञान में है, गिरफ्तारी भी हुई है। मामले की जांच हो रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि भाजपा के नेता रेत खदान की काली कमाई से अपना घर भरने में लगे हैं।

प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी आज

18 जून 2026 को शाम 6 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। चूंकि उदया तिथि 18 जून को प्राप्त हो रही है

हिंदू धर्म में भगवान गणेश को विघ्नहर्ता माना गया है, यानी वो देवता जो हमारे जीवन के सभी दुखों और बाधाओं को हर लेते हैं। हर महीने आने वाली चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है, लेकिन ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी का एक बेहद खास महत्व है। इसे प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी कहा जाता है। इस साल यह विशेष व्रत 18 जून 2026, दिन गुरुवार को रखा जाएगा। मान्यता है कि इस दिन जो भी गृहस्थ पूरे नियम और श्रद्धा के साथ बप्पा की आराधना करता है, उसके घर से कंगाली और कलह हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस व्रत का महत्व, शुभ मुहूर्त और पूजा की आसान विधि के बारे में।

प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी 2026 की तिथि और शुभ समय

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 17 जून 2026 को रात 9 बजकर 38 मिनट पर शुरु हो चकी है और 18 जून 2026 को शाम 6 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। चूंकि उदया तिथि 18 जून को प्राप्त हो रही है, इसलिए इसी दिन प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा। क्योंकि धार्मिक दृष्टि से उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है।

प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद घर के पूजा स्थल को साफ करके भगवान गणेश की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। भगवान गणेश को लाल या पीले रंग के पुष्प अर्पित करें। उन्हें दूर्वा, सिंदूर, अक्षत और मोदक का भोग लगाएं। इसके बाद गणेश मंत्रों का जाप करें और गणेश चालीसा का पाठ करें। पूजा के दौरान भगवान गणेश से परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना करें। दिनभर व्रत का पालन करें और शाम को फिर से आरती कर प्रसाद को सभी में बांट दें।

इस दिन करें ये आसान उपाय

प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी के दिन कुछ सरल और शुभ उपाय करने से भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। इस दिन भगवान गणेश को 21 दूर्वा अर्पित करें और मोदक या लड्डू का भोग लगाएं, क्योंकि ये दोनों ही गणेश जी को बहुत ही प्रिय माने जाते हैं। पूजा के दौरान ओम गणपतये नमः मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करना भी शुभ माना जाता है। इसके अलावा घर के मुख्य द्वार पर स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं, जो शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इन उपायों को श्रद्धा और विश्वास के साथ करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं तथा जीवन की बाधाएं, आर्थिक परेशानियां और पारिवारिक कष्ट धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं।

क्या है प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी का महत्व?

प्रद्युम्न विनायक चतुर्थी भगवान गणेश के एक विशेष स्वरूप को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और सच्चे मन से गणेश जी की उपासना करने पर परिवार में चल रही परेशानियां दूर होती हैं। घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और दांपत्य जीवन में मधुरता आती है। धार्मिक ग्रंथों में यह भी उल्लेख मिलता है कि संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपत्तियों के लिए यह व्रत विशेष फलदायी माना गया है। इसके अलावा आर्थिक परेशानियों, मानसिक तनाव और जीवन में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए भी भक्त इस व्रत को श्रद्धापूर्वक करते हैं।

किस्मत वालों को ही मिलते हैं पंचमुखी बेलपत्र

इनका मिलना किस बात का होता है संकेत

पंचमुखी बेलपत्र का मिलना अत्यंत ही दुर्लभ माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से इस बेलपत्र का मिलना बहुत ही सौभाग्यशाली माना जाता है। तो यहां जानिए कि पंचमुखी बेलपत्र का मिलना किस बात का संकेत होता है।

हिंदू धर्म में बेलपत्र का संबंध सीधा महादेव से माना जाता है। भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए एक लोटा जल और कुछ बेलपत्र ही काफी होते हैं। आमतौर पर तीन पत्तियों वाला बेलपत्र ही मिलता है। ऐसे में पंचमुखी बेलपत्र का मिलना अत्यंत दुर्लभ संयोग माना जाता है। पंचमुख बेलपत्र का मिलना या इसका दर्शन होना बहुत ही शुभ माना जाता है। यह बेलपत्र सौभाग्यशाली लोगों को ही मिलता है। पंचमुखी बेलपत्र का मिलने का मतलब है कि आपके ऊपर भगवान शिव की विशेष कृपा है।

पंचमुखी बेलपत्र का मिलना किस बात का संकेत देता है?

अगर आपको पंचमुखी बेलपत्र मिला है तो आप बहुत ही सौभाग्यशाली हैं। इस बेलपत्र का मिलना यह संकेत देता है कि अब आपके अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। आपका सोया हुआ भाग्य जाग उठेगा और आपको हर सुख मिलेगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिसके घर में पंचमुखी बेलपत्र आ जाता है वहां कभी भी दरिद्रता नहीं आती है। उस घर के सदस्यों को कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगा। उस घर में सदैव धन-धान्य में बरकत होगी।

पंचमुखी बेलपत्र का मिलने का अर्थ है कि देवों के देव महादेव आपसे अत्यंत प्रसन्न हैं। बहुत जल्द आपकी अधूरी मनोकामना पूरी हो जाएगी।

पंचमुखी बेलपत्र अत्यंत दुर्लभ माना जाता है यह बेलपत्र भाग्यशाली लोगों को ही मिलता है। ऐसे में जिन्हें भी यह बेलपत्र मिलता है तो समझिए उन्हें जीवन में अपार तरक्की मिलने वाली है। साथ ही घर में सुख-समृद्धि भी बनी रहेगी।

पंचमुखी बेलपत्र मिलने पर क्या करना चाहिए?

अगर आपको पंचमुखी बेलपत्र मिला है तो इसे सबसे पहले गंगाजल या शुद्ध जल से साफ कर लें। इसके बाद इनपर पीला चंदन लगाएं और फिर शिवलिंग पर अर्पित करें। बेलपत्र चढ़ाते हुए अपनी मनोकामना कहें। इसके बाद इस बेलपत्र को वापस अपने पास रख लें।

फिर पंचमुखी बेलपत्र को सुखाकर किसी लाल कपड़े में रख दें और इसे अपनी तिजोरी या धन वाले स्थाप पर रखें। ऐसा करने से आपके धन में कभी कमी नहीं आएगी। वहीं अगर आपको सिर्फ पंचमुखी बेलपत्र के दर्शन हुए हैं तो हाथ जोड़कर भगवान शिव का ध्यान करें। पंचमुखी बेलपत्र के दर्शन मात्र से भी भक्तों के सभी संकट दूर हो जाते हैं।

भगवान जगन्नाथ की मूर्ति अधूरी क्यों है? जानिए इसके पीछे का रहस्य

ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां अधूरी क्यों हैं? यह लेख इस पौराणिक रहस्य को उजागर करता है। जानिए कैसे विश्वकर्मा जी की शर्त टूटने से ये दिव्य मूर्तियां अधूरी रह गईं।

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ जी का मंदिर है। ये मंदिर चार धामों का हिस्सा है। यहां भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ जी के रूप में विराजामान हैं। उनके साथ उनके बड़े भाई बलभद्र और सुभद्रा जी भी विराजमान हैं। हर साल आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकाली जाती है। साल 2026 में जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन 16 जुलाई को किया जाएगा और 24 जुलाई तक यह उत्सव चलेगा।

उनके साथ-साथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी रथ यात्रा निकाली जाती है। पुरी के जगन्नाथ मंदिर की कई ऐसी मान्यताएं, कथाएं और रहस्य हैं, जिसके बारे में जानकर लोग हैरान हो जाया करते हैं। पुरी के भगवान जगन्नाथ की मंदिर में स्थापित मूर्तियां अधूरी मानी जाती हैं। इनकी लोग पूरी श्रद्धा पूर्वक पूजा करते हैं। हर कोई जगन्नाथजी की अधूरी मूर्ति का रहस्य नहीं जानता है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान कृष्ण एक बार नींद में राधा जी को पुकारने लगे। इससे उनकी सभी पत्नियां चौंक गईं। वो सोचने लगीं कि क्या श्रीकृष्ण अभी तक राधा रानी को भूले नहीं हैं। ऐसे में सभी पत्नियां माता रोहिणी के पास गईं। तब माता रोहिणी ने सभी को श्रीकृष्ण और राधा रानी की कथा सुनाने की बात कही, लेकिन इससे पहले सुभद्रा को उन्होंने द्वार पर पहरा देने के लिए कहा। फिर सुभद्रा पहरे पर बैठ गईं। उन्होंने किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया। सभी बड़ी ध्यान से माता रोहिणी द्वारा कथा सुन रहे थे।

थोड़े ही समय में वहां भगवान कृष्ण और बलराम भी आ गए। सुभद्रा ने श्रीकृष्ण और बलराम को द्वार पर ही रोक दिया, लेकिन माता रोहिणी जो कथा सुना रही थीं वो बाहर तक सुनाई दे रही थी। सुभद्रा, बलराम और श्रीकृष्ण मुख्य द्वार पर खड़े होकर उसे सुन रहे थे। कथा को सुनते-सुनते तीनों ऐसी अवस्था में चले गए कि तीनों के हाथ-पैर ठीक से नजर नहीं आ रहे थे। तभी देवऋषि नारद आ गए और वो तीनों की अवस्था को देखकर चौंक गए।

विश्वकर्मा जी ने रखी शर्त

उस समय नारद जी ने भगवान कृष्ण से महाभाव में लीन मूर्ति के रूप में सामान्य लोगों को दर्शन देने हेतु पृथ्वी पर विराजमान रहने के लिए कहा, जिसको भगवान ने माना लिया। इस बात को पूरा करने के लिए थोड़े समय बाद राजा इंद्र घुम्न ने एक कारीगर से ये तीनों मूर्तियां बनाने का आग्रह किया। उस समय भगवान विश्वकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का वेश बनाकर आए। उन्होंने राजा से कहा कि मैं भगवान नीलमाधव, सुभद्रा और बलराम की मूर्ति तैयार कर सकता हूं, लेकिन उन्होंने एक शर्त रखी।

विश्वकर्मा जी ने कहा कि मैं 21 दिनों में मूर्ति तैयार कर दूंगा, लेकिन ये काम मैं अकेले और एक कमरे में करूंगा। इस दौरान कोई भी दरवाजा नहीं खोलेगा। राजा ने इस बात को मान लिया और फिर विश्वकर्मा जी एक कमरे में प्रतिमाएं बनाने लगे। रोज कमरे से आरी, हथौड़ी, छैनी की आवाजें आने लगीं, लेकिन एक दिन कमरे से आवाज आनी बंद हो गई।

कमरे में तीन मूर्तियां अधूरी रह गई

इसके बाद राजा ने विश्वकर्मा जी की शर्त भूलकर दरवाजा खोल दिया। उसी वक्त भगवान वहां से गायब हो गए और कमरे में तीनों मूर्तियां अधूरी रह गईं। राजा ये देखकर बहुत पछताए। फिर इसे ही भगवान की इच्छा मानकर जगन्नाथ जी, सुभद्रा और बलभद्र की अधूरी मूर्तियों की स्थापना मंदिर में कर दी। तब से लेकर आज तक पुरी के मंदिर में भगवान की अधूरी मूर्ति की ही पूजा की जाती है।

वास्तु अनुसार घर के लिए अत्यंत शुभ होता है स्नेक प्लांट

वास्तु अनुसार स्नेक प्लांट घर के लिए बेहद लकी माना जाता है। लेकिन इसका लाभ आपको तभी मिलेगा जब इसे आप सही दिशा में रखते हैं। चलिए जानते हैं स्नेक प्लांट रखने की सही दिशा।

स्नेक प्लांट लगाने की शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व दिशा

स्नेक प्लांट को रखने की सबसे शुभ दिशा घर की दक्षिण-पूर्व दिशा मानी जाती है। जिसे आग्नेय कोण के नाम से भी जाना जाता है। कहते हैं इस दिशा में ये पौधा रखने से धन-समृद्धि के द्वार खुलते हैं और घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाती है।

पूर्व या दक्षिण दिशा

यदि दक्षिण-पूर्व दिशा में स्नेक प्लांट रखने के लिए उचित स्थान नहीं है तो आप घर की पूर्व या दक्षिण दिशा में भी इसे लगा सकते हैं। इससे भी आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहेगा।

स्नेक प्लांट कहां नहीं रखना चाहिए?

वास्तु अनुसार स्नेक प्लांट भूलकर भी घर की उत्तर या पश्चिम दिशा में नहीं रखना चाहिए। कहते हैं इन दिशाओं में ये पौधा रखने से मानसिक तनाव बढ़ता है और घर में कलह का माहौल बना रहता है। इसके अलावा इस पौधे को लिविंग रूम के बिल्कुल बीचोबीच भी नहीं रखना चाहिए।

घर में स्नेक प्लांट लगाने से क्या होता है?

वास्तु अनुसार घर में स्नेक प्लांट लगाने से आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगता है।

करियर में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

इस पौधे के होने से आसपास का माहौल शांत और सकारात्मक बना रहता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस पौधे को घर में रखना अच्छा माना जाता है। जानकारी अनुसार ये पौधा हवा में मौजूद हानिकारक टॉक्सिन्स को खत्म कर देता है।

घर में किस जगह रखें ये पौधा?

इस पौधे को लिविंग रूम या स्टडी रूम में कहीं भी रख सकते हैं। इसे बेडरूम में भी रखा जा सकता है। बस इस बात का ध्यान रहे कि इसे बेड से मिलाकर न रखें।

अपनी भूल कबूल करने का साहस चाहिए तो जरूर पढ़ें गोपाल कृष्ण गोखले की यह अनमोल कहानी

एक दिन अध्यापक ने गणित की परीक्षा ली। परीक्षा से पहले उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, अधिक अंक प्राप्त करेगा, उसे पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रश्न अत्यंत कठिन था, सरलता से हल नहीं किया जा सकता था। सभी विद्यार्थी जी-जान से जुटे हुए थे। काफी देर तक कोई भी विद्यार्थी उस प्रश्न को हल नहीं कर पाया। आखिरकार एक बालक प्रश्न हल करके अध्यापक के सामने पहुंचा। अध्यापक महोदय ने पाया कि उत्तर सही है।

दूसरे सभी विद्यार्थी हैरान थे कि यह लड़का सही हल कैसे निकाल सका, क्योंकि पढ़ने-लिखने में तो वह कमजोर माना जाता था। अगले दिन अध्यापक महोदय जैसे ही कक्षा में आए, पुरस्कार प्राप्त करने वाला विद्यार्थी उनके चरणों से लिपट गया और रोने लगा। अध्यापक ने पूछा, क्या बात है। तुम रो क्यों रहे हो?

तुम्हें तो खुश होना चाहिए कि पुरस्कार प्राप्त करके तुमने अच्छा विद्यार्थी होने का प्रमाण दिया है।

बालक रोते हुए बोला, आप यह पुरस्कार वापस ले लीजिए क्योंकि मैं इसका अधिकारी नहीं हूं। मैंने पुस्तक से नकल करके प्रश्न का सही हल निकाला था। गलती के लिए मुझे क्षमा कर दीजिए। मैं खुद को सुधारने का संकल्प लेता हूं। अध्यापक ने उसे पास बुलाकर कहा, सही हल तुम्हें नहीं आया, लेकिन धोखा देना भी तुम्हें नहीं आता। यह तुम्हारा स्वभाव नहीं है, इसलिए कल घर जाने के बाद तुम्हारा मन दुखी रहा और तुमने सही बात कह डाली। तुमने खुद सही हल नहीं निकाला, मुझे इसका दुख नहीं है। पर तुमने सही बात कह डाली, उसकी मुझे बहुत खुशी है। गलती मान लेने वाले बालक बड़े होकर बड़ा नाम और काम करते हैं। आगे चलकर यह बालक गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से जाना गया।

घर में पड़े पुराने कपड़ों का क्या करें?

वास्तु शास्त्र में बताया गया है सही तरीका

हर घर में कई कपड़े ऐसे होते हैं जो या तो छोटे हो चुके होते हैं,या थोड़े बहुत फट जाते हैं। हम उन्हें कभी और पहनने या पोछा बनाने के नाम पर अलमारी में रख लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तु शास्त्र में पुराने और फटे कपड़ों को लेकर बेहद कड़े नियम बताए गए हैं? आइए जानते हैं कि पुराने कपड़ों का क्या करना चाहिए।

घर में पुराने कपड़े जमा होना एक सामान्य बात है। समय के साथ कई ऐसे कपड़े अलमारी में पड़े रह जाते हैं जिन्हें हम न तो पहनते हैं और न ही उन्हें हटाने के बारे में सोचते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना गया है कि बेकार और लंबे समय से उपयोग में न आने वाली वस्तुएं घर की ऊर्जा को प्रभावित कर सकती हैं। खासकर पुराने, फटे कपड़े या जिनकी जरूरत नहीं है उन कपड़ों को लंबे समय तक संभालकर रखना शुभ नहीं माना जाता। ऐसे में सवाल उठता है कि पुराने कपड़ों का क्या किया

जाए? वास्तु शास्त्र में इसके बारे में कुछ आसान उपाय बताए गए हैं।

क्यों नहीं रखने चाहिए बहुत पुराने और फटे कपड़े?

वास्तु की मान्यताओं के अनुसार, घर में कोई भी चीज जो उपयोग में नहीं आतीं, वे नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकती हैं। फटे, खराब या लंबे समय से बिना इस्तेमाल के पड़े कपड़े घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। माना जाता है कि इससे मानसिक तनाव, आलस और कामकाज में रुकावट जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। इसलिए समय-समय पर अलमारी और घर की सफाई करते रहना जरूरी माना गया है।

पहनने लायक पुराने कपड़ों का करें दान

यदि आपके पास ऐसे कपड़े हैं जो पुराने तो हैं लेकिन फटे हुए नहीं हैं, तो उन्हें जरूरतमंद लोगों को दान करना सबसे अच्छा माना जाता है। वास्तु शास्त्र में दान को पुण्य का काम बताया गया है। इससे न केवल किसी जरूरतमंद की सहायता होती है, बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी माना जाता है।

फटे और खराब कपड़ों को घर में न रखें

जो कपड़े पूरी तरह खराब हो चुके हैं, फट गए हैं या उपयोग के लायक नहीं बचे हैं, उन्हें घर में जमा करके नहीं रखना चाहिए। ऐसे कपड़ों को उचित तरीके से हटाना बेहतर माना जाता है। कई लोग इन कपड़ों का उपयोग सफाई के कपड़े के रूप में कर लेते हैं, लेकिन पूरी तरह बेकार हो चुके कपड़ों का घर से ही हटा देना ही सही कदम होता है। इसलिए अलमारी में केवल वही कपड़े रखने चाहिए जो हम पहनते हो।

पुराने कपड़े देने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

दान करते समय कपड़े साफ और अच्छी स्थिति में होने चाहिए। गंदे या फटे कपड़े किसी को देना सही नहीं माना जाता। कपड़ों को धोकर, ठीक से पैक करके दान करना बेहतर माना जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 18 जून - 2026

मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि

रोग का इलाज करने से बेहतर है बीमारी को रोकना। प्राचीन यूनानी चिकित्सक हिप्पोक्रेट्स का यह कथन स्वास्थ्य व्यवस्था की मूल भावना को दर्शाता है। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार ने कफ सिरप की बिक्री को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब डॉक्टर की पर्ची के बिना कफ सिरप नहीं मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में कफ सिरप से जुड़ी दुखद घटनाओं और बच्चों की मौतों को देखते हुए यह निर्णय समयानुकूल माना जा रहा है। हालांकि केवल पर्ची अनिवार्य कर देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि दवाओं की गुणवत्ता और उत्पादन प्रक्रिया पर भी कठोर निगरानी सुनिश्चित करने की जरूरत है। पिछले वर्ष राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। जांच में सामने आया कि संबंधित नमूनों में 48.6 प्रतिशत तक डाई एथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) मौजूद था, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार इसकी मात्रा 0.10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। बता दें कि डीईजी एक खतरनाक औद्योगिक रसायन है, जो शरीर में पहुंचकर विशेष रूप से किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचाता है और कई मामलों में मौत का कारण बन सकता है। ऐसे मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि दवा सुरक्षा में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय कफ सिरपों पर सवाल उठे हों। वर्ष 2022 में गांबिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारतीय कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की थी। इससे पहले 2020 में जम्मू-कश्मीर में भी करीब 17 बच्चों की मौत दूषित कफ सिरप कारण हुई थी। इन घटनाओं ने न केवल जन स्वास्थ्य सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगाया, बल्कि भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता को भी आघात पहुंचाया। सरकार का नया निर्णय आम लोगों, विशेषकर छोटे बच्चों, तक दवाओं की अनियंत्रित पहुंच को सीमित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। अक्सर लोग डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं लेते हैं, जिससे बीमारी की सही पहचान और उपचार में देरी होती है। कई बार गंभीर रोग सामान्य खांसी-जुकाम समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। ऐसे में चिकित्सकीय परामर्श को बढ़ावा देना आवश्यक है। फिर भी मूल समस्या केवल दवाओं की उपलब्धता नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता है। यदि निर्माण स्तर पर लापरवाही जारी रहती है, तो पर्ची की अनिवार्यता भी लोगों को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बना सकती। बार-बार जहरीले तत्वों वाले सिरप बाजार तक पहुंच रहे हैं, तो यह नियामक संस्थाओं की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। दवा निर्माण इकाइयों, विशेषकर छोटी और मझोली कंपनियों, की नियमित जांच और कड़ी जवाबदेही तय करनी होगी। भारत आज दवा उत्पादन में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है और करीब 200 देशों को दवाओं का निर्यात करता है। ऐसे में गुणवत्ता से जुड़ी हर चूक केवल कुछ जिंदगियों को ही नहीं, बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा पर भी चोट पहुंचाती है। स्वास्थ्य व्यवस्था में जनता का विश्वास तभी मजबूत होगा, जब दोषी कंपनियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई के साथ गुणवत्ता नियंत्रण को पूरी पारदर्शिता से लागू किया जाए। इसलिए पर्ची आधारित बिक्री के साथ-साथ उत्पादन, परीक्षण और वितरण की पूरी श्रृंखला पर सख्त निगरानी रखी जाए। मरीजों की सुरक्षा और भारतीय फार्मा उद्योग की साख बचाने का यही सबसे प्रभावी रास्ता है।

गुरु अर्जन देव: ज्ञान, सेवा और शहादत की अमर ज्योति

गुरू अर्जन देव के शहीदी पर्व (18 जून) पर विशेष

योगेश गोयल

सनातन संस्कृति के गौरवपूर्ण इतिहास में सिख धर्म के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी ऐसे महान गुरु हुए हैं, जिनके अनमोल विचार समस्त मानव जाति को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने जीवन पर्यन्त अपने अनमोल विचारों के जरिये न केवल अज्ञानता में डूबे मानव को ज्ञान का प्रकाश दिखाया बल्कि देश-धर्म की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान भी कर दिया था। उनकी शहादत को स्मरण करते हुए सिख कैलेंडर के हिसाब से 18 जून को सिख धर्म के पहले शहीद गुरु अर्जन देव जी का शहीदी पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर उनसे जुड़े कुछ प्रसगों का उल्लेख करना प्रासंगिक है।

सभी धर्मों का सम्मान करने और सदैव लोगों की सेवा में ही लगे रहने के कारण गुरु अर्जन देव से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने लिए विभिन्न धर्मों एवं आस्थाओं के लोग दूर-दूर से आते थे और उनसे ज्ञान एवं आनंद की अनुभूति पाते थे। ऐसे ही एक दिन उनके पास एक श्रद्धालु आकर कहने लगा कि गुरु जी! आपकी संगति में ज्ञान प्राप्त करके मैं अब सत्य के मार्ग पर चलने लगा हूं और मैंने व्यर्थ के लड़ाई-झगड़े करने पूरी तरह छोड़ दिए हैं, इसीलिए सभी लोग अब मुझे बहुत पसंद करने लगे हैं जबकि पहले कोई मेरी सूरत भी नहीं देखना चाहता था। यह सुनकर गुरू अर्जन देव मुस्कराने लगे और बोले कि यदि दुनिया में सभी प्राणियों को यह ज्ञान हो जाए तो मानव जीवन सफल व सुंदर हो जाए और पूरी दुनिया ही शांति एवं सुकून का केंद्र बन जाए।

श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी अपनी थैली निकाली और गुरु अर्जन देव की ओर बढ़ाते हुए बोला कि गुरू जी, मैंने आपसे असीम ज्ञान प्राप्त किया है, जिसके लिए मैं आजीवन आपका ऋणी रहूंगा और इस ज्ञान के बदले मैं स्वेच्छा से आपको कुछ स्वणं मुद्राएं भेंट स्वरूप देना चाहता हूं, कृपया इन्हें स्वीकार करें। गुरु अर्जन देव ने स्वर्ण मुद्राएं लेने से इन्कार करते हुए कहा कि ज्ञान का कोई मोल नहीं क्योंकि वह अनमोल होता है और यहां ज्ञान निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। इस पर श्रद्धालु ने जिदपूर्वक कहा कि गुरूदेव! यह आपसे मुझे मिले ज्ञान की कीमत नहीं है बल्कि मैं श्रद्धापूर्वक आपको यह उपहार देना चाहता हूं। इस पर गुरु अर्जन देव बोले कि यदि तुम कुछ देना ही चाहते हो तो तुमने जो ज्ञान मुझसे ग्रहण किया है, उसे दूसरों को निःस्वार्थ भाव से बांटो क्योंकि ज्ञान एक प्रसाद है और दुनिया की भलाई के लिए यह प्रसाद लोगों में बंटना ही चाहिए। यह सुनते ही श्रद्धालु गुरू अर्जन देव के चरणों में नतमस्तक होते हुए बोला कि आपका कथन सत्य है गुरूदेव! इस ज्ञान के आगे भला इन स्वर्ण मुद्राओं का क्या मोल? आज से मैं आपका दिए ज्ञान का प्रसाद सभी में प्रेमपूर्वक बांटूंगा ताकि दुनिया और भी सुंदर हो जाए।

गुरू अर्जन देव मन की शांति को सुख प्राप्ति का सबसे अच्छा मार्ग मानते थे। दरअसल मन की शांति अनमोल है, जिसे कभी खरीदा नहीं जा सकता। अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग कार्य करके शांति मिलती है लेकिन दूसरों की सेवा करने के भाव से मन को सच्ची और असीम शांति मिलती है। हालांकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग इस कदर व्यस्त हो गए हैं कि उनके मन की शांति गायब हो गई है। इस कारण लोगों में अवसाद जैसी बीमारियां भी बढ़ रही हैं। जब मन अशांत रहता है तो व्यक्ति का ध्यान भटकता है और मन का शांत न रहना असफलता का सबसे बड़ा कारण बनता है।

जब कोई व्यक्ति अपने पास मौजूद संसाधनों से पूरी तरह संतुष्ट हो, जीवन में नकारात्मकता से कोसों दूर हो और चेहरे पर सदैव एक सुकून भरी मुस्कान हो, ऐसे व्यक्ति का मन पूर्ण शांति का अनुभव कर रहा होता है। वास्तव में आत्मसंतोष और संतुष्टि ही मन की शांति है। शास्त्रों में कहा गया है कि जो मनुष्य अपने मन पर नियंत्रण कर लेता है, उसका भाग्य बदल जाता है।

ईरान अमेरिका शांति समझौता

डॉ. घनश्याम बादल

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में युद्ध और शांति दोनों ही अक्सर आदर्शों से नहीं बल्कि हितों से संचालित होते हैं। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी महाशक्ति ने युद्ध छेड़ा है, उसने उसे मानवता, सुरक्षा, लोकतंत्र अथवा विश्व शांति के नाम पर उचित ठहराने का प्रयास किया है, लेकिन युद्ध समाप्त होने के बाद जब वास्तविक परिणामों का मूल्यांकन किया जाता है तो अक्सर सामने आता है कि युद्ध का घोषित उद्देश्य कुछ और था और वास्तविक लक्ष्य कुछ और। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष तथा उसके बाद सामने आई शांति व्यवस्था को भी इसी दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच सैन्य टकराव नहीं था, बल्कि पश्चिम एशिया की सत्ता, संसाधनों, तेल मार्गों, सामरिक वर्चस्व और वैश्विक प्रभाव को लेकर चल रही लंबी खींचतान का नया अध्याय था। अमेरिका और उसके सहयोगी लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है। दूसरी ओर ईरान का कहना रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और उसे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है।

इसी विवाद ने समय-समय पर तनाव को जन्म दिया और अंततः स्थिति सैन्य संघर्ष तक पहुँच गई। लेकिन यदि इस पूरे घटनाक्रम को सतह के नीचे जाकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि परमाणु कार्यक्रम केवल बहाना था, असली संघर्ष पश्चिम एशिया में प्रभाव और नियंत्रण का था। अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान क्षेत्रीय शक्ति के रूप में इतना मजबूत हो जाए कि वह उसकी रणनीतिक योजनाओं और इजरायल की सुरक्षा संबंधी चिंताओं के लिए चुनौती बन जाए। वहीं ईरान अपने आपको एक स्वतंत्र और प्रभावशाली क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित रखना चाहता है।

युद्ध की शुरुआत जिस आक्रामकता के साथ हुई थी, उसे देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अमेरिका और उसके सहयोगी ईरान को निर्णायक रूप से झुका देंगे। किंतु कुछ ही समय बाद परिस्थितियाँ बदलती दिखाई देने लगीं। युद्ध की आर्थिक लागत लगातार बढ़ रही थी, तेल बाजार अस्थिर हो रहा था, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट गहरा रहा था और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा था। अमेरिका के लिए भी यह समझना कठिन नहीं था कि किसी देश को बमों से कमजोर करना आसान हो सकता है, लेकिन उसकी राजनीतिक इच्छाशक्ति को समाप्त करनाआसान नहीं होता।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर जीता कौन और हारा कौन? यदि अमेरिका के घोषित उद्देश्यों को आधार बनाया जाए तो उसे पूर्ण सफलता नहीं मिली।

ईरान का शासन आज भी कायम है, उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और उसकी क्षेत्रीय उपस्थिति भी बनी हुई है। दूसरी ओर यदि ईरान स्वयं को विजेता घोषित करता है तो यह दावा भी पूरी तरह सही नहीं कहा जा सकता क्योंकि उसे अपना शीर्ष नेतृत्व युद्ध की बलि चढ़ाना पड़ा,भारी आर्थिक, सैन्य और मानवीय क्षति उठानी पड़ी, हजारों लोगों की जान गई, अरबों डॉलर की संपत्ति नष्ट हुई और विकास की गति प्रभावित हुई।

वास्तविकता यह है कि दोनों पक्ष अंदरूनी राजनीति में अपने-अपने समर्थकों के सामने जीत का दावा कर सकते हैं, लेकिन वस्तुतः दोनों को भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

इस संघर्ष में इजरायल की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इजरायल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती मानता रहा है। इसलिए उसने ईरान पर दबाव बनाए रखने की हर संभव कोशिश की। युद्ध के दौरान उसे कुछ सामरिक सफलताएँ अवश्य मिलीं, लेकिन वह ईरान की क्षमताओं को पूरी तरह समाप्त नहीं कर सका। यही कारण है कि अंतिम समझौते के बाद भी इजरायल के रणनीतिक हलकों में असंतोष और आशंका दिखाई दे रही है। साथ ही वहां नेतन्याहू की पकड़ अब यदि कमजोर हो जाए तो इसमें आश्चर्य नहीं करना चाहिए क्योंकि जल्द ही होने वाले चुनाव में विपक्ष उन्हें घेरेगा ज़रूर और जनता भी पूछेगी कि ऐसी युद्ध में वे कूदे ही क्यों जिसमें केवल नुकसान ही उठाना पड़ा।

कुछ ऐसा ही हाल अमेरिका में ट्रंप का भी होना है जहां जल्द ही मध्यवर्ती चुनाव होने जा रहे हैं और उस चुनाव के लिए ही अपनी छवि को बचाने की खातिर ट्रंप यह समझौता करने को मजबूर हुए हैं भले ही वे इसे विजय बता रहे हों लेकिन आने वाले चुनाव में डेमोक्रेट्स उनके सामने प्रश्नों की झड़ी लगा देंगे।

इस संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक भी है। युद्ध केवल सैनिक नहीं लड़ते, उसे पूरा समाज भुगतता है और युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता, केवल नुकसान की मात्रा अलग-अलग होती है। जहाँ तक ईरान को मिलने वाले संभावित आर्थिक लाभों का प्रश्न है, तो अभी तक किसी औपचारिक युद्ध क्षतिपूर्ति की स्पष्ट घोषणा नहीं हुई है। हालाँकि प्रतिबंधों में राहत, फ्रीज हुए धन की वापसी और आर्थिक सहयोग की संभावनाएँ अवश्य सामने आई हैं।

यदि ऐसा होता है तो यह ईरान की अर्थव्यवस्था को कुछ राहत दे सकता है, लेकिन युद्ध से हुई क्षति की पूरी भरपाई करना आसान नहीं होगा। आखिरकार कोई भी आर्थिक पैकेज उन परिवारों को उनके प्रियजन वापस नहीं लौटा सकता जिन्होंने इस संघर्ष में अपने लोगों को खो दिया।

भारत ने इस पूरे घटनाक्रम में अपेक्षाकृत परिपक्व और संतुलित भूमिका निभाई है। भारत के लिए अमेरिका भी महत्वपूर्ण है और ईरान भी। एक ओर अमेरिका भारत का प्रमुख रणनीतिक साझेदार है, तो दूसरी ओर ईरान ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय संपर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए भारत ने किसी पक्ष का समर्थन करने के बजाय संवाद और शांति का मार्ग अपनाया। यह नीति व्यावहारिक भी थी और दूरदर्शी भी। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक यही है कि आधुनिक विश्व में युद्ध अब समस्या का समाधान नहीं बल्कि स्वयं एक समस्या बन चुका है। महाशक्तियाँ चाहे जितने बड़े दावे करें, अंततः उन्हें बातचीत की मेज पर लौटना ही पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह समझौता भी किसी आदर्शवादी शांति का परिणाम नहीं, बल्कि कठोर यथार्थ का स्वीकार है। दोनों पक्षों ने यह समझ लिया कि युद्ध जारी रखने की कीमत शांति की कीमत से कहीं अधिक है। आज दुनिया के सामने बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका जीता या ईरान, बल्कि यह है कि क्या मानवता ने कुछ सीखा? यदि यह समझौता स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करता है तो इसे एक सकारात्मक उपलब्धि माना जाएगा।

पंजाब में भी डबल इंजन वाली सरकार चाहिए

अशोक भाटिया

पंजाब की राजनीतिक फिजाओं में 'डबल इंजन सरकार' की गूंज तेजी से सुनाई दे रही है। सीमावर्ती राज्य पंजाब में विकास की धीमी रफ्तार, नशाखोरी, कानून-व्यवस्था की चुनौतियां और बढ़ते कर्ज के बीच अब जनता एक नए राजनीतिक विकल्प की ओर देख रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पड़ोसी राज्यों में भाजपा सरकारों के काम को देखकर पंजाब के लोगों में भी 'डबल इंजन की सरकार' (यानी केंद्र और राज्य दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार) की चाहत बढ़ रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कई भाजपा नेताओं का मानना है कि पंजाब की जनता राज्य में बदलाव चाहती है।

गौरतलब है कि पंजाब के पड़ोसी राज्यों, विशेषकर हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में है। हरियाणा ने पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास और युवाओं के लिए बिना पर्ची-बिना खर्ची (बिना रिश्वत और सिफारिश) के सरकारी नौकरियों के मामले में बड़ी प्रगति की है। पंजाब की जनता अपने पड़ोसी राज्य के इस विकास को करीब से देख रही है और महसूस कर रही है कि केंद्र के साथ तालमेल बिठाकर चलने वाली सरकार राज्य की तस्वीर बदल सकती है।

पंजाब लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी और कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। सीमा पार से होने वाली ड्रोन गतिविधियों और हथियारों की तस्करी ने राज्य की सुरक्षा को संवेदनशील बना दिया है। भाजपा नेताओं और राज्य के एक बड़े वर्ग का मानना है कि नशा माफिया की रीढ़ तोड़ने और कानून का राज स्थापित करने के लिए केंद्र और राज्य का एक मजबूत सुरक्षा तंत्र (डबल इंजन) बेहद जरूरी है।

आयुष्मान भारत (मुफ्त स्वास्थ्य बीमा), पीएम-किसान सम्मान निधि, और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी कई कल्याणकारी नीतियां केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। पंजाब में राजनीतिक खींचतान के कारण अक्सर इन योजनाओं को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने में बाधाएं आती हैं। जनता का मानना है कि डबल इंजन सरकार होने से बिना किसी राजनीतिक गतिरोध के इन योजनाओं का सीधा लाभ हर गरीब और किसान तक पहुंचेगा।

हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में अपनी रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। पहले शिरोमणि अकाली दल (SAD) के साथ छोटे भाई की भूमिका में रहने वाली भाजपा अब राज्य की सभी ११७ सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी पंजाब के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपना आधार मजबूत कर रही है और खुद को पारंपरिक पार्टियों (कांग्रेस, आप और अकाली दल) के मुकाबले एकमात्र स्थिर विकल्प के रूप में पेश कर रही है।

वैसे देखा जाय तो पंजाब में भाजपा की मौजूदगी नई नहीं है। आज़ादी के बाद से ही पार्टी (और उससे पहले भारतीय जनसंघ) राज्य की राजनीति में सक्रिय रही है। लेकिन लंबे समय तक उसका प्रभाव मुख्यतः शहरी हिंदू वोटरों और व्यापारिक वर्ग तक सीमित रहा।1992 से पहले जब भाजपा अकेले चुनाव लड़ती थी, तब उसका औसत वोट शेयर लगभग 6-7% के बीच रहता था। 1997 में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन के बाद यह बढ़कर लगभग 8% तक पहुंचा।हालांकि गठबंधन ने भाजपा को सत्ता में भागीदारी तो दी, लेकिन उसका राजनीतिक विस्तार सीमित ही रहा। अकाली दल 94 सीटों पर चुनाव लड़ता था जबकि भाजपा के हिस्से केवल 23 सीटें आती थीं। भाजपा के कई नेताओं का मानना था कि इस "जूनियर पार्टनर मॉडल" ने पार्टी को पंजाब में स्वतंत्र पहचान बनाने से रोक दिया।

2020 में कृषि कानूनों के खिलाफ हुए व्यापक आंदोलन ने पंजाब की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। किसानों के तीखे विरोध के बीच अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला लिया।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यही वह मोड़ था जिसने भाजपा को पंजाब में "नई शुरुआत" का अवसर दिया। गठबंधन टूटने के बाद भाजपा अब अपने संगठनात्मक विस्तार और नए सामाजिक समीकरणों पर खुलकर काम कर पा रही है।इसी वर्ष मार्च में अमित शाह ने मोगा की "बदलाव रैली" में अकेले चुनाव लड़ने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अब पंजाब में सहायक दल नहीं, बल्कि मुख्य शक्ति बनने की रणनीति पर काम कर रही है।

भाजपा की रणनीति केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है। पार्टी यह भी मान रही है कि पंजाब की मौजूदा राजनीति में एक "राजनीतिक खालीपन" बन रहा है। आम आदमी पार्टी 2022 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब उसे आंतरिक असंतोष और नेतृत्व संबंधी सवालों का सामना करना पड़ रहा है। राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे व्यक्तिगत आरोपों ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है।हालांकि AAP अब भी पंजाब में एक मजबूत शक्ति है, लेकिन भाजपा यह मानती है कि शहरी वर्ग और गैर-पारंपरिक मतदाता धीरे-धीरे विकल्प तलाश सकते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी पंजाब में लंबे समय से आंतरिक खींचतान से जूझ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा दलित प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाना और राहुल गांधी का राज्य इकाई को "टीम की तरह काम करने" की सलाह देना इस बात का संकेत है कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असहमति बनी हुई है।

कभी पंजाब की राजनीति का सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय दल माना जाने वाला अकाली दल भी अब अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। कृषि कानूनों के मुद्दे और लगातार चुनावी झटकों ने उसके जनाधार को कमजोर किया है। भाजपा को लगता है कि अकाली दल के कमजोर होने से जो राजनीतिक स्पेस खाली हुआ है, उसे वह भर सकती है।

पंजाब में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राज्य की राजनीति परंपरागत रूप से सिख-पंथक और क्षेत्रीय मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इसलिए पार्टी अब "सोशल इंजीनियरिंग" मॉडल पर काम कर रही है।

राज्य में अनुसूचित जाति (SC) आबादी लगभग 32% है, जो देश में सबसे अधिक अनुपातों में से एक है।

हल्दीघाटी का इतिहास और मुगलों की लगातार शिकस्त

डॉ अर्पित शर्मा

18 जून 1576, हल्दीघाटी युद्ध

अक्सर आधुनिक और तथाकथित इतिहासकार मेवाड़ के मुगलों के साथ संघर्ष को केवल हल्दीघाटी तक सीमित कर उसे महाराणा प्रताप की हार और त्याग की कथा के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि हल्दीघाटी महाराणा प्रताप के संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि स्वाधीनता और मुगल साम्राज्य के विरुद्ध दीर्घकालीन प्रतिरोध की रक्तरंजित शुरुआत थी । यह युद्ध अकबर की विशाल सल्तनत के सामने मेवाड़ के अदम्य आत्मसम्मान, स्वतंत्र चेतना और अस्वीकार की उद्घोषणा था । युद्ध से पूर्व अकबर ने मेवाड़ को अधीन करने और महाराणा प्रताप को झुकाने के लिए चार दूत जलाल खां (1572), मान सिंह (1573), भगवान दास (1573) और टोडरमल (1573) भेजे, किन्तु महाराणा प्रताप ने स्पष्ट कर दिया कि मेवाड़ की अस्मिता किसी साम्राज्य की अधीनता स्वीकार नहीं करेगी ।

आज से 450 वर्ष पहले 18 जून 1576 अरावली की पर्वतमालाओं के बीच स्थित हल्दीघाटी की संकरी घाटी उस दिन रणभूमि में बदल चुकी थी। एक ओर था विशाल मुगल साम्राज्य और उसकी विस्तारवादी शक्ति, तो दूसरी ओर थे महाराणा प्रताप स्वाभिमान, स्वतंत्रता और मेवाड़ की अस्मिता के प्रतीक। सीमित संसाधनों , छोटी सेना ,अदम्य साहस, और रणकौशल के बल पर महाराणा प्रताप ने मुगल सेना को शिकस्त दी, उसने मुगल सल्तनत की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा पर करारी चोट के रूप में स्थापित कर दिया । आज भी राजपूत वीरता, प्रतिरोध और स्वतंत्रता चेतना का सबसे प्रेरणादायक प्रतीक माना जाता है एक ऐसा संघर्ष जिसने यह सिद्ध कर दिया कि स्वाभिमान के लिए लड़ी गई लड़ाइयाँ केवल तलवारों से नहीं, बल्कि अदम्य इच्छाशक्ति से जीती जाती हैं।

यह युद्ध महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ की सेना और मुगल सेना के बीच लड़ा गया। संख्या और संसाधनों में अत्यंत कम होने के बावजूद महाराणा प्रताप ने अद्वितीय वीरता, नेतृत्व क्षमता और युद्ध कौशल का परिचय दिया। मुगल सेना में लगभग 85,000 सैनिक बताए जाते हैं, जिनमें लगभग 16,000 घुड़सवार, 8,000 तोपखाना , हाथियों की टुकड़ी तथा अन्य पैदल सैनिक, शामिल था। इसके विपरीत महाराणा प्रताप के पास लगभग 10000-12000 सैनिक, जिनमें 3,000–4,000 राजपूत घुड़सवार, सीमित हाथी, लगभग 3,000 भील योद्धा तथा हकीम खान सूरी के नेतृत्व में अफगान सैनिकों की टुकड़ी थी । वहाँ महाराणा की सेना के पास मुगलों जैसी आधुनिक तोपें और बंदूकें नहीं थीं ।

युद्ध अत्यंत भीषण, रोमांचकारी और अद्वितीय साहस से परिपूर्ण था। प्रारंभिक चरण से ही मेवाड़ की सेना ने आक्रामक रणनीति अपनाई। हरावल दस्ते का नेतृत्व कर रहे हकीम खान सूरी ने मुगल सेना पर इतना प्रचंड आक्रमण किया कि आरंभिक चरण में मुगल सेना लगभग सात किलोमीटर दूर मोलेला तक पीछे हटने को विवश हो गई। युद्ध अत्यंत रक्तरंजित और विनाशकारी था। मेवाड़ की सेना ने अपनी तीव्र गति, अरावली के पर्वतीय भूगोल की गहरी समझ और निकट युद्ध कौशल के आधार पर विशाल मुगल सेना को कड़ी चुनौती दी। गोवर्धन बोगसा, जो युद्ध के समय महाराणा प्रताप के साथ उपस्थित थे, उन्होंने अपनी रचना 'बहलोल वध' के अनुसार महाराणा प्रताप ने मुगल सेनापति बहलोल खान को एक ही वार में उसके घोड़े सहित मार गिराया, जिससे मुगल सेना में भय और भगदड़ फैल गई । मुगल दरबार के इतिहासकार अब्दुल कादिर बदायूंनी, जो मुगल सेना के साथ उपस्थित था, ने भी युद्ध की भयावहता और संघर्ष की तीव्रता का उल्लेख किया है । वर्णनों के अनुसार उसने लिखा कि मुगल सेना जान बचाती हुई लगभग 16 किलोमीटर दूर बनास नदी तक भागी । युद्ध के अंतिम क्षणों में महाराणा प्रताप अपने प्रिय और वीर अश्व चेतक को युद्ध भूमि में खो बैठे, जो भारतीय इतिहास और लोकस्मृति में आज भी जीवित है।

हल्दीघाटी के बाद संघर्ष समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यहीं से मेवाड़ और मुगल साम्राज्य के बीच लंबे प्रतिरोध का वास्तविक आरंभ हुआ । हल्दीघाटी में मिली हार और नुकसान से अकबर अत्यंत क्रोधित हुआ और उसने महाराणा प्रताप को अधीन करने के लिए लगातार कई प्रयास किए । 1577 से 1582 के बीच मुगलों ने बार-बार मेवाड़ पर विशाल सेनाओं के साथ आक्रमण किए। प्रत्येक वर्ष लगभग 60,000 से 100,000 सैनिकों की सेनाएँ मेवाड़ की ओर भेजी गईं । एक अवसर पर स्वयं अकबर भी विशाल सेना लेकर बांसवाड़ा तक पहुँचा, किंतु वह महाराणा प्रताप को पराजित करने में असफल रहा । महाराणा प्रताप ने अरावली के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, जंगलों और स्थानीय भील समुदाय और जनजातीय सहयोग के आधार पर गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। अरावली का भूगोल मेवाड़ की सबसे बड़ी सामरिक शक्ति बन गया। संकरी घाटियाँ, वन क्षेत्र और कठिन पर्वतीय मार्ग मुगल सेना की विशाल संरचना और भारी तोपखाने के लिए चुनौती सिद्ध हुए। यही कारण था कि संसाधनों की कमी के बावजूद मुगलों को कभी स्थायी नियंत्रण स्थापित करने में सफलता नहीं मिली। इस संघर्ष का निर्णायक मोड़ 1583 में दशहरे के अवसर पर हुए में आया, जिसे मेवाड़ के इतिहास की महानतम विजयों में माना जाता है।

दौड़ते हुए जूते, ठहरती हुई सांसें

सुरेश कुमार मिश्रा

कमरे का तापमान ठीक सोलह डिग्री पर लॉक था। इस कमरे में न धूप आती थी, न हवा, बस एक सफेद सी रोशनी थी जो चौबीसों घंटे जागती रहती थी ताकि मौत को आने में कोई गलतफहमी न हो। बेड नंबर चार पर लेटे सत्तर साल के दीनानाथ जी के मुंह पर लगे ऑक्सीजन मास्क पर हर तीन सेकेंड बाद भाप जमती और पिघल जाती। यही उनके जिंदा होने का इकलौता सबूत था, जिसे देखकर बगल की कुर्सी पर बैठी नर्स सिस्टर मैरी अपनी डायरी में कुछ नोट कर रही थीं। रात के ठीक दो बज रहे थे। यह वह वक्त होता है जब अस्पताल के गलियारों में सन्नाटा इतना गहरा हो जाता है कि ग्लूकोज की टपकती बूंदों की आवाज भी किसी टाइम बम के टिक-टिक जैसी सुनाई देती है। सिस्टर मैरी ने अपनी घड़ी देखी।

वह जानती थीं कि दीनानाथ जी के पास अब कुछ ही घंटे बचे हैं। डॉक्टर आनंद ने शाम को ही राउंड पर कह दिया था कि मल्टीपल ऑर्गन फेलियर है, बस सुबह का सूरज देखना मुश्किल है।

अचानक दीनानाथ जी की उंगलियों में थोड़ी हरकत हुई। उन्होंने बड़ी मुश्किल से अपना मास्क एक तरफ सरकाया। उनकी आवाज में एक अजीब सी घबराहट थी, ₹मैरी... वो... वो आ गया क्या?

मैरी ने उनके ठंडे पड़ रहे हाथ को अपने हाथों में लिया और मुस्कुराते हुए कहा, कौन दीनानाथ जी? यमराज? अरे, अभी उनका सर्वर डाउन है, इतनी जल्दी नहीं आते वो।

मैरी का यह व्यंग्य दीनानाथ के चेहरे पर एक सूखी सी हंसी छोड़ गया। इस हॉस्पिस केयर यानी मरणासन्न मरीजों के आखिरी घर का यही नियम था यहाँ दर्द को दवाओं से ज्यादा चुटकुलों से सुखाया जाता था। दीनानाथ जी पिछले दो महीने से यहाँ थे। उनके फेफड़े जवाब दे चुके थे, पर उनकी आँखें हर रोज दरवाजे पर टिकी रहती थीं। वह किसी का इंतजार कर रहे थे। एक ऐसा इंतजार जो इस कमरे की सफेद दीवारों से भी ज्यादा पथरीला था।

मैरी, मेरी वसीयत... सब ठीक है न? कोर्ट का वो आदमी सुबह आएगा? दीनानाथ ने हांफते हुए पूछा।

हाँ बाबा, सब तैयार है। आपके वकीलों ने आपके कहे अनुसार सब कुछ कर दिया है। बस आप सुबह तक दिल थाम के बैठिए, मैरी ने उनके माथे से पसीना पोंछते हुए कहा। उनके लहजे में एक कड़वा मजाक था, जो दीनानाथ की अमीरी पर नहीं, बल्कि उस लाचारी पर था जो करोड़ों रुपये होने के बाद भी एक-एक सांस के लिए भीख मांग रही थी। तभी दरवाजे पर किसी के कदमों की आहट हुई। भारी बूटों की आवाज। मैरी चौंक गई। इतनी रात गए कौन आ सकता था? दरवाजा धीरे से खुला। एक लंबा, सूट-बूट पहने नौजवान अंदर दाखिल हुआ। चेहरे पर थकावट से ज्यादा एक अजीब सी जल्दबाजी थी। उसने सीधे दीनानाथ के बेड की तरफ रुख किया।

दीनानाथ की आँखों में जैसे बुझते हुए दीये की आखिरी लौ चमक उठी। उन्होंने कांपते होंठों से कहा, अविनाश... तुम आ गए बेटा! मुझे मालूम था, तुम अपनी नौकरी, अपना लंदन का सब काम छोड़कर अपने बूढ़े बाप के आखिरी वक्त में जरूर आओगे।

अविनाश ने अपनी महंगी घड़ी पर वक्त देखा और बिना कोई जज्बात दिखाए सीधे मैरी से मुखातिब हुआ, सिस्टर, डॉक्टर कहाँ हैं? ये कुछ जरूरी कागजात हैं, जिन पर इनके दस्तखत चाहिए। सुबह की मेरी लंदन की फ्लाइट है, बोर्ड मीटिंग मिस नहीं कर सकता। क्या ये होश में हैं?

कमरे का सन्नाटा जैसे और नुकीला हो गया। सिस्टर मैरी ने अविनाश को ऊपर से नीचे तक देखा। उस महंगे सूट की चमक के पीछे छुपा हुआ जो गिद्ध था, वह मैरी को साफ दिख रहा था। चिकित्सा विज्ञान ने भले ही इंसान को अमर बनाने की दवा न खोजी हो, पर ऐसे रिश्तों को जिंदा रखने का वेंटिलेटर जरूर ढूंढ लिया था।

क्या होता है दूर और निकट दृष्टि दोष?

आज के डिजिटल युग में मोबाइल, लैपटॉप और स्क्रीन का बढ़ता इस्तेमाल आंखों की सेहत पर गहरा असर डाल रहा है। ऐसे में मायोपिया और हाइपरमेट्रोपिया जैसी दृष्टि संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन्हें हिंदी में निकट दृष्टि दोष और दूर दृष्टि दोष कहते हैं।

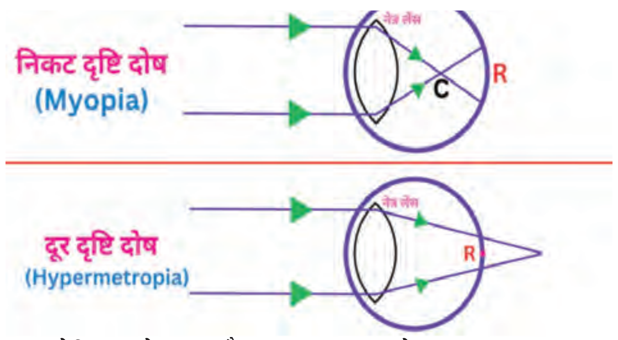

अक्सर लोग इन दोनों शब्दों को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि आखिर निकट दृष्टि दोष और दूर दृष्टि दोष किसे कहा जाता है। इस लेख में हम समझेंगे कि मायोपिया और हाइपरमेट्रोपिया क्या हैं, इनके लक्षण क्या होते हैं और कैसे इनसे बचाव किया जा सकता है।

मायोपिया क्या है?

मायोपिया को आमतौर पर निकट दृष्टि दोष कहा जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति को पास की चीजें तो स्पष्ट दिखाई देती हैं, लेकिन दूर की वस्तुएं धुंधली नजर आती हैं। यह एक सामान्य आंखों की समस्या है, जो आज के समय में बच्चों और युवाओं में तेजी से बढ़ रही है।

मायोपिया तब होता है जब आंख का आकार सामान्य से थोड़ा लंबा हो जाता है या कॉर्निया की फोकसिंग क्षमता बदल जाती है, जिससे रोशनी रेटिना पर सही तरीके से फोकस नहीं कर पाती।

लक्षणः

दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देना

टीवी या बोर्ड देखने में कठिनाई

बार-बार आंखें मिचमिचाना

सिरदर्द और आंखों में थकान महसूस होना

पढ़ाई या स्क्रीन के बाद आंखों में भारीपन

कारण

लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी का उपयोग

कम दूरी से लगातार पढ़ाई करना

अनुवांशिक (Genetic) कारण

बाहर खेलने की कमी

हाइपरमेट्रोपिया क्या है?

हाइपरमेट्रोपिया को दूर दृष्टि दोष कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को दूर की चीजें साफ दिखाई देती हैं, लेकिन पास की वस्तुओं को देखने में परेशानी होती है। यह समस्या अक्सर उम्र बढ़ने के साथ या आंखों की संरचना में बदलाव के कारण हो सकती है।

इस स्थिति में आंखें पास की वस्तुओं पर फोकस करने के लिए अधिक मेहनत करती हैं, जिससे आंखों में तनाव बढ़ जाता है।

लक्षण

पास की चीजें पढ़ने में कठिनाई

किताब या मोबाइल देखने पर आंखों में जलन

सिरदर्द या आंखों में तनाव

लंबे समय तक फोकस करने में परेशानी

कारण

आंखों की लंबाई सामान्य से कम होना

उम्र बढ़ने के कारण लेंस की क्षमता कम होना

जेनेटिक कारण

आंखों की फोकसिंग क्षमता कमजोर होना

बचाव और उपाय

स्क्रीन टाइम को सीमित करें और बीच-बीच में ब्रेक लें

हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए दूर देखें (20-20-20 रूल)

पर्याप्त रोशनी में पढ़ाई करें

नियमित रूप से आंखों की जांच कराएं

डॉक्टर द्वारा बताए गए चश्मे या लेंस का उपयोग करें

बच्चों को आउटडोर गतिविधियों में अधिक शामिल करें।

शुगर कंट्रोल नहीं है तो हड्डियां भी हो जाएंगी कमजोर

हाई ब्लड शुगर और डायबिटीज की समस्या अब कम उम्र के लोगों में भी देखी जा रही है। क्या आप भी इसका शिकार हैं? हर बार टेस्ट में हाई शुगर सामने आता है? अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये स्थिति आपके पूरे शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है।

अक्सर लोग मानते हैं कि डायबिटीज का मतलब सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ा रहना है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं खतरनाक है। लगातार हुई शुगर शरीर की रक्त वाहिकाओं, नसों, किडनी, आंखों, दिल और दिमाग पर असर डाल सकती है। यही कारण है कि शुगर के मरीजों में आंखों की रोशनी कम होने, किडनी की बीमारी, हार्ट अटैक का खतरा अधिक रहता है।

अब सवाल ये है कि क्या डायबिटीज आपकी हड्डियों के लिए भी नुकसानदायक है? क्या शुगर के मरीजों में आर्थराइटिस होने का खतरा अधिक होता है? आइए इस बारे में जान लेते हैं।

डायबिटीज का हड्डियों पर असर

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने हड्डियों को काफी कमजोर कर दिया है।

डायबिटीज का भी इसमें बड़ा रोल है।

जब शरीर में ग्लूकोज का स्तर लंबे समय तक हाई बना रहता है तो इससे कोलेजन और बोन माइक्रोस्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचता है।

इससे हड्डियां दिखने में भले ही सामान्य लगें फिर भी ये नाजुक हो जाती हैं।

डायबिटीज मरीजों में गिरने पर फ्रैक्चर का जोखिम भा बढ़ा हुआ देखा जाता है।

डायबिटिक बोन डिजीज का खतरा

अध्ययनों में पाया गया है कि डायबिटीज हड्डियों और जोड़ों की समस्याओं का बड़ा कारण बन सकती है। इसे 'डायबिटिक बोन डिजीज' कहा जाता है।

डायबिटीज हड्डियों को बहुत नाज़ुक कर देती हैं, उनकी सूक्ष्म संरचना को भी बदल देती है।

डायबिटीज के मरीजों में ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा भी अधिक देखा जाता है। इस स्थिति में हड्डियां पतली और कमजोर हो जाती हैं।

हाई ब्लड शुगर के कारण ऊतक कड़े हो जाते हैं। इससे कंधे का जोड़ जाम हो सकता है। शुगर के मरीजों में फ्रोजन शोल्डर होने का खतरा भी ज्यादा रहता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉक्टर बताते हैं, हड्डियां लगातार पुरानी कोशिकाओं को हटाकर नई कोशिकाएं बनाती रहती हैं। हाई ब्लड शुगर इस प्राकृतिक रीमॉडलिंग प्रक्रिया को बाधित कर सकती है।

इससे नई हड्डी बनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है और उसकी गुणवत्ता घट सकती है।

शोध से पता चलता है कि डायबिटीज के कारण होने वाले सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और हार्मोनल बदलाव भी इस प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं।

शुगर के मरीजों को क्या करना चाहिए?

डायबिटीज के कारण होने वाली समस्याओं को कम करने के लिए सबसे पहले अपने ब्लड शुगर को कंट्रोल रखना जरूरी है।

संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, हरी सब्जियां और लो कैलोरी वाली चीजें शुगर कंट्रोल करके डायबिटीज के कारण होने वाली दिक्कतों को कम कर सकती हैं।

नियमित व्यायाम भी हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम और विटामिन-डी वाली चीजों का सेवन भी हड्डियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी है।

धूम्रपान और शराब से बचें, इसका बोन हेल्थ पर नकारात्मक असर पड़ता है।

इन छोटी लापरवाहियों से फटते हैं प्रेशर कूकर
खाना पकाते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक डरा देने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला रसोई में प्रेशर कुकर में खाना पका रही होती है। लेकिन अचानक गैस पर रखा कुकर एक जोरदार धमाके के साथ किसी बम की तरह फट जाता है, जिससे महिला से घायल हो जाती है। यह घटना यह बताने के लिए काफी है कि हमारी जरा सी लापरवाही रसोई घर को पल भर में हादसे का शिकार बना सकती है।

अक्सर हम अनजाने में कुकर का इस्तेमाल करते समय कुछ ऐसी बुनियादी गलतियां कर बैठते हैं, जो बाद में इतने बड़े हादसे का रूप ले लेती हैं। आइए बेहद आसान भाषा में समझते हैं कि कुकर फटने की मुख्य वजहें क्या हैं और खाना पकाते समय किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

कुकर की रबर से जुड़ी सावधानियां

कुकर के ढक्कन में लगी सीटी के नीचे की नली (वेंट पाइप) में जब खाने के कण जैसे दाल या चावल फंस जाते हैं, तो भाप बाहर नहीं निकल पाती।

कुकर की रबर (गैस्केट) अगर बहुत पुरानी, कटी-फटी या ढीली हो चुकी है, तो वह अत्यधिक दबाव को झेल नहीं पाती और ब्लास्ट का कारण बनती है।

जब सीटी और रबर दोनों ब्लॉक हो जाते हैं, तब सारा दबाव सेफ्टी वॉल्व पर आता है; अगर यह भी खराब हो, तो कुकर फट जाता है।

खाना पकाते समय पानी और मात्रा की गलती

कभी भी कुकर में उसकी क्षमता से ज्यादा खाना या पानी नहीं भरना चाहिए, हमेशा ऊपरी हिस्से को एक-तिहाई (1/3) खाली रखना बेहद जरूरी है।

कुकर में जरूरत से बहुत कम पानी डालना भी खतरनाक है; पानी सूखने पर अंदर का तापमान और दबाव अचानक जानलेवा स्तर तक बढ़ जाता है।

दलिया, मक्का या कुछ दालें पकाते समय झाग ज्यादा बनता है, जो सीटी के रास्ते को बहुत जल्दी और आसानी से ब्लॉक कर देता है।

जबरदस्ती गैस बंद करते ही कुकर खोलना

खाना पकने के तुरंत बाद कई लोग चम्मच या चाकू से सीटी उठाकर जबरदस्ती पूरी भाप निकालते हैं या गर्म कुकर को खोलने की कोशिश करते हैं।

जब कुकर के अंदर भारी दबाव होता है, तो ढक्कन को जबरदस्ती खींचने पर वह झटके से लॉक तोड़कर चेहरे पर आ सकता है।

गैस बंद करने के बाद कुकर को कम से कम 10-15 मिनट के लिए अपने आप ठंडा होने दें, जब सीटी पूरी तरह बैठ जाए तभी ढक्कन खोलें।

हादसे से बचने के लिए बरतें ये जरूरी सावधानियां

कुकर चढ़ाने से पहले हमेशा वेंट पाइप में फूंक मारकर देख लें कि हवा आर-पार जा रही है या नहीं, ताकि ब्लॉकेज का पता चल सके।

कुकर की रबर या सेफ्टी वॉल्व खराब होने पर कभी भी चलते-फिरते ठेले से घटिया क्वालिटी के लोकल पार्ट्स न खरीदें, हमेशा ब्रांडेड चीजें ही लें।

कुकर धोने के बाद सीटी और उसके नीचे के छेद को किसी पतली पिन या सुई की मदद से अच्छी तरह साफ करना कभी न भूलें।

कंपनी ने बिना वजह निकाल दिया नौकरी से?
परेशान न हों सरकार का ये एप करेगा आपकी मदद

भारत सरकार के न्याय विभाग ने न्याय सेतु एप लॉन्च किया है

न्याय सेतु एप क्या काम करता है?

इस एप का काम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना है

अगर किसी कर्मचारी को कंपनी बिना किसी कारण के नौकरी से निकाल देती है

ऐसे में कर्मचारी न्याय सेतु एप की मदद ले सकता है

लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं ताकि उन्हें एक अच्छी नौकरी मिल सके। पर कई बार लंबे समय तक नौकरी में रहने के बाद भी लोगों को नौकरी से निकाल दिया जाता है। यही नहीं, आप भी समय-समय पर कंपनी में छंटनी की खबरें तो सुनते ही रहते होंगे?

एक ही झटके में नौकरी का चली जाना हर किसी के लिए दिक्कत पैदा कर सकता है। ऐसे में अगर कंपनी आपको बिना वजह से नौकरी से निकाल देती है, तो आप एक एप की मदद ले सकते हैं जिसे भारत सरकार के न्याय विभाग ने लॉन्च किया है। चलिए जानते हैं इस एप के बारे में...

क्या है इस एप का नाम?

दरअसल, इस एप का नाम न्याय सेतु एप है जिसे लोगों को उनके अधिकारो को आसान भाषा में पहुंचाने के लिए लॉन्च किया गया है

नौकरी जाते ही लोग उलझन में पड़ जाते हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए?

ऐसे में इस न्याय सेतु एप के जरिए आप श्रम कानूनों से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं

समझ सकते हैं कि कर्मचारियों के क्या अधिकार होते हैं और आप कौन-कौन से कानूनी कदम उठा सकते हैं

कैसे करें डाउनलोड?

विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा अपने एक्स के आधिकारिक अकाउंट से इस एप की जानकारी दी गई

इस पोस्ट में एक क्यूआर कोड़ दिया गया है जिसे स्कैन कर आप न्याय सेतु एप डाउनलोड कर सकते हैं। आप प्ले स्टोर से भी न्याय सेतु एप को डाउनलोड कर सकते हैं।

आज जानिए ऐसी सब्जियों के बारे में, जो सेहत के लिए हैं बेहद फायदेमंद

हर साल 17 जून को राष्ट्रीय सब्जी दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक आहार में अधिक से अधिक सब्जियां शामिल करने के लिए जागरूक करना है। आधुनिक जीवनशैली और फास्ट फूड के बढ़ते चलन के बीच कई लोग हरी और पौष्टिक सब्जियों का सेवन कम कर रहे हैं, जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सब्जियां शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करती हैं, जो कई बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। नियमित रूप से सब्जियों का सेवन करने से पाचन तंत्र बेहतर रहता है, इम्यूनिटी मजबूत होती है और वजन को नियंत्रित रखने में भी सहायता मिलती है।

इस खास मौके पर आइए जानते हैं ऐसी 5 सब्जियों के बारे में, जिन्हें अपनी डाइट में शामिल करके आप बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

पालक

पालक पोषक तत्वों का खजाना माना जाता है।

इसमें आयरन, कैल्शियम, फाइबर, विटामिन A, C और K भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

पालक का सेवन शरीर में खून की कमी को दूर करने, हड्डियों को मजबूत बनाने और इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है।

यह आंखों की सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

ब्रोकली

ब्रोकली में विटामिन C, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं।

यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

नियमित रूप से ब्रोकली खाने से शरीर को कई आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं।

गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन का अच्छा स्रोत है, जो शरीर में विटामिन A में बदल जाता है।

यह आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखने, त्वचा को स्वस्थ रखने और इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करती है।

गाजर को सलाद, जूस या सब्जी के रूप में खाया जा सकता है।

शिमला मिर्च

शिमला मिर्च में विटामिन C, एंटीऑक्सीडेंट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

यह त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने, इम्यूनिटी बढ़ाने और शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकती है।

लौकी

लौकी में पानी और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने और पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करती है।

गर्मियों के मौसम में लौकी का सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने और वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक माना जाता है।

बदलते मौसम में कैसे रखें अपनी सेहत का ख्याल?

जून का महीना अपने साथ मौसम के कई रंग लेकर आता है। कभी तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान करती हैं, तो कभी अचानक आंधी और बारिश राहत के साथ नई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आती हैं। मौसम में होने वाले इस तेजी से बदलाव का सीधा असर हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसे समय में शरीर की कई समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

जून के महीने में बढ़ती गर्मी और उमस के कारण शरीर से पसीने के रूप में काफी मात्रा में पानी निकल जाता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है। पानी की कमी होने पर चक्कर आना, थकान, सिरदर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए दिनभर में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी और फलों के जूस का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

हल्का और पौष्टिक भोजन करें

बदलते मौसम में पाचन तंत्र पर भी असर पड़ता है। इसलिए भारी, मसालेदार और तला-भुना भोजन खाने से बचना चाहिए। भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियां, दही, सलाद और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। हल्का और संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ बीमारियों से बचाने में भी मदद करता है।

धूप से बचाव करें

तेज धूप और गर्म हवाएं स्वास्थ्य के लिए

नुकसानदायक हो सकती हैं। लंबे समय तक धूप में रहने से हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। यदि जरूरी काम से बाहर निकलना पड़े तो छाता, टोपी या सनग्लास का उपयोग करें। साथ ही हल्के और सूती कपड़े पहनें ताकि शरीर को ठंडक मिल सके।

इम्यूनिटी मजबूत रखें

मौसम में बदलाव के दौरान शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इससे वायरल संक्रमण, सर्दी-जुकाम और बुखार का खतरा बढ़ जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन-C और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें। संतरा, नींबू, आंवला, अमरूद और मौसमी फल इस मौसम में काफी लाभदायक माने जाते हैं।

स्वच्छता का रखें ध्यान

गर्मी और बारिश के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। इसलिए व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खाने से पहले और बाहर से आने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोएं। साथ ही केवल साफ और शुद्ध पानी का सेवन करें। स्वच्छता बरतने से कई संक्रामक बीमारियों से बचाव संभव है।

पर्याप्त नींद लें

अच्छी सेहत के लिए पर्याप्त नींद लेना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार वयस्कों को रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। पर्याप्त नींद से शरीर को आराम मिलता है, मानसिक तनाव कम होता है और इम्यून सिस्टम बेहतर तरीके से काम करता है। नींद की कमी कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है।

बारिश में भीगने के बाद तुरंत कपड़े बदलें

जून के महीने में अचानक बारिश होना आम बात है। यदि आप बारिश में भीग जाते हैं तो गीले कपड़ों में ज्यादा देर तक न रहें। नमी के कारण शरीर में संक्रमण और सर्दी-जुकाम का खतरा बढ़ सकता है। घर पहुंचते ही सूखे कपड़े पहनें और जरूरत हो तो गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें।

नियमित व्यायाम करें

स्वस्थ रहने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि बेहद जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट योग, वॉकिंग या हल्की एक्सरसाइज करने से शरीर फिट रहता है। व्यायाम से रक्त संचार बेहतर होता है, तनाव कम होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। बदलते मौसम में भी नियमित एक्सरसाइज स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है।

'अल्फा' प्रिंट टी-शर्ट में आलिया भट्ट और शरवरी ने की ट्विनिंग; नेटिजंस बोले- 'जुड़वा बहनें'

'अल्फा गर्ल्स'! शरवरी और आलिया भट्ट को फैंस कुछ यही कहकर पुकार रहे हैं। दोनों ही यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली 'अल्फा' में नजर आएंगी। यह एक स्पाई यूनिवर्स फिल्म है। बीते दिनों फिल्म का टीजर जारी किया गया था। आज बुधवार को आलिया ने सोशल मीडिया पर शरवरी के साथ कुछ फोटोज शेयर किए हैं।

आलिया भट्ट ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वे और शरवरी ट्विनिंग करती दिखी हैं। दोनों ने अल्फा प्रिंट वाली एक जैसी सफेद टी-शर्ट पहनी हुई है। तस्वीरों के साथ आलिया ने कैप्शन लिखा है, 'शरवरी कहां है'? उनके पोस्ट पर शरवरी ने कमेंट कर लिखा है, 'हाजिर हूं, मैम'। दोनों अदाकाराएं काला चश्मा लगाकर पोज देती दिख रही हैं। दोनों का एक जैसा अंदाज देख नेटिजंस उन्हें जुड़वा बहनें बता रहे हैं। कुछ यूजर्स तारीफ में लिख रहे हैं, 'अल्फा गर्ल्स का अंदाज ही अलग है'। कुछ लिख रहे हैं, 'दो शानदार एक्ट्रेस एक फ्रेम में' निर्माता आदित्य चोपड़ा की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है। यह फिल्म 03 जुलाई सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

जिंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती इसलिए खुद को दोष न दें : ईशा कोप्पिकर

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, "नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।" ईशा ने कहा, "कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।"

ईशा ने अपने वीडियो में कहा, "कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।"

उन्होंने कहा, "हमें अपने ऊपर बेवजह दबाव नहीं डालना चाहिए। जीवन में कोई तय शेड्यूल नहीं होता, और न ही जीवन कभी सीधा चलता है। हमें कभी रुकना पड़ता है, कभी रास्ता बदलना पड़ता है और कभी गिरकर फिर से उठना पड़ता है। यही जीवन का असली अनुभव है और यही हमें मजबूत बनाता है।"

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, "अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।"

चिल्लाती रही भीड़, मगर सामंथा को 'आई लव यू' नहीं बोले पति राज; 'मां इंटी बंगारम' के इवेंट में किया साफ इनकार

चिल्लाती रही भीड़, मगर सामंथा को 'आई लव यू' नहीं बोले पति राज; 'मां इंटी बंगारम' के इवेंट में किया साफ इनकार

सामंथा रुथ प्रभु और निर्माता राज निदमोरू ने हाल ही में हैदराबाद में अपनी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का प्रमोशन इवेंट आयोजित किया। इस दौरान दोनों ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इवेंट में मौजूद दर्शकों ने राज निदिमोरु से मंच पर ही सामंथा से प्यार का इजहार करने को कहा। हालांकि, राज ने ऐसा करने से एकदम इनकार कर दिया।

चिल्लाती रही भीड़, लेकिन नहीं माने राज

'मा इंटी बंगारम' के प्री-रिलीज इवेंट में निर्माता राज निदिमोरु ने भीड़ के कहने के बावजूद अपनी पत्नी और अभिनेत्री सामंथा से 'आई लव यू' कहने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने सामंथा के काम और अदाकारी की दिल खोलकर तारीफ की। भीड़ इवेंट में चिल्लाती रही कि राज स्टेज पर एक्ट्रेस पत्नी सामंथा को 'आई लव यू' कहें, लेकिन प्रोड्यूसर ने मना कर दिया।

राज बोले- 'इसमें कुछ नया नहीं'

इवेंट में भीड़ लगातार कपल को चीयर कर रही थी। राज निदिमोरु ने कहा कि वे उनकी बात नहीं समझ पा रहे हैं। इस पर एंकर सुमा ने उन्हें बताया कि दर्शक यह सुनना चाहते हैं कि वे सामंथा से प्यार करते हैं। मगर, राज ने स्टेज पर अपनी पत्नी और एक्ट्रेस सामंथा के सामने प्यार का इजहार करने से मना कर दिया। राज ने वह लाइन दोहराने के बजाय फिल्म में सामंथा के काम के बारे में बात की। राज ने 'आई लव यू' कहने से इनकार करते हुए कहा, 'बहुत से लोगों ने पहले ही स्टेज पर उनसे यह बात कही है। वे वहां से भी चिल्लाकर यही कह रहे हैं। इसलिए, इसमें कुछ भी नया नहीं है'।

सामंथा की तारीफ में राज ने क्या कहा?

राज ने बताया कि 'मां इंटी बंगारम' की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सामंथा में एक्टिंग को लेकर एक खास समझ है। उनके मुताबिक, जब सीन किसी खास तरीके से लिखे जाते थे, तो सामंथा उन्हें बिना किसी परेशानी के पहले ही टेक में कर दिखाती थीं, जिससे उन्हें एहसास हुआ कि वह कितनी बेहतरीन अदाकारा हैं। बता दें कि यह इवेंट फिल्म की रिलीज को प्रमोट करने के लिए रखा गया था। उन्होंने आगे कहा, 'हर बार जब हम किसी नए सीन या नए अंदाज के साथ उनका टेस्ट लेते हैं, तो वे कुछ ऐसा दिखाती हैं जो मैंने पहले कभी नहीं देखा। इसलिए, ऐसी शानदार एक्ट्रेस के साथ काम करना बहुत रोमांचक है।

कब हुई राज-सामंथा की शादी?

इसके बाद उन्होंने सामंथा की ओर मुड़ते हुए कहा, 'मैं अभी आपके साथ एक एक्टर की तरह व्यवहार कर रहा हूं। मैं आपसे एक एक्टर की तरह बात कर रहा हूं'। बता दें कि सामंथा और राज ने 1 दिसंबर, 2025 को कोयंबटूर में एक निजी समारोह में शादी की थी।

'जो कहना चाहता था, लोगों तक पहुंच गया'; फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' पर दर्शकों की प्रतिक्रिया पर बोले इम्तियाज अली

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में लगी है। इसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। हाल ही में इम्तियाज अली ने फिल्म की कहानी और युवाओं के इस फिल्म से जुड़ने को लेकर बात की। इम्तियाज अली का कहना है कि वे जब भी अखबार उठाते, तो उन्हें पता होता था कि वे विस्थापन और तबाही की सुर्खियों को बंटवारे की अपनी कहानी से जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इस सोच को 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म में साकार किया। यह फिल्म अतीत से वर्तमान और उपमहाद्वीप से लेकर बाकी दुनिया तक का सफर तय करती है।

दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे बड़ा तोहफा

इम्तियाज अली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं लगातार पढ़ रहा था कि कहीं तबाही मची है, कहीं लड़ाई हो रही है और बहुत से लोग बेघर होकर शरणार्थी बन रहे हैं और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि बंटवारे के समय भी ठीक ऐसा ही हुआ था'। मंगलवार को इम्तियाज ने अपना 55वां जन्मदिन मनाया। हालिया

रिलीज फिल्म को मिला रिस्पॉन्स शायद उनके लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है। युवा दर्शक शांति से बैठकर फिल्म और उसकी कहानी जुड़ रहे हैं, जिसमें एक 95 वर्षीय बुज़ुर्ग सरहद के उस पार छूटे अपने प्यार को याद कर रहा है।

बोले- युवाओं को पसंद आ रही फिल्म

'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'लव आज कल' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज अली इन दिनों 'मैं वापस आऊंगा' के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सिनेमाघरों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक संतोषजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि मैं जो कहना चाहता था, वह लोगों तक पहुंच गया है। मैंने कभी दर्शकों को फिल्म इतनी शांति से देखते हुए नहीं देखा। मेरी सभी सफल फिल्मों में भी, लोगों की आदत होती है कि वे इधर-उधर हिलते-डुलते रहते हैं। इस बार, वे सच में ध्यान दे रहे हैं, युवा लोग ध्यान दे रहे हैं। वे इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और फिल्म को इतना पसंद कर रहे हैं'।

इस फिल्म को क्यों बताया जरूरी?

रिश्तों पर अपनी खास समझ के लिए मशहूर डायरेक्टर इस बात से बहुत खुश हैं कि कहानी का मुख्य हिस्सा 'आत्मीयता और स्नेह', युवाओं को पसंद आया है। निर्देशक ने कहा, 'मैंने कई बार कहा है कि आज की पीढ़ी को थोड़ा खोया-खोया सा महसूस होता है, क्योंकि उन्हें ऐसा प्यार नहीं मिल पाता जो लंबे समय तक चले। इसे वे अपने दिल में संजोकर रख सकें, जैसे पुराने जमाने का प्यार या पुराना संगीत। वह चाहत, वह तड़प, किसी एक इंसान का साथ और उसके साथ रहना। वे इन चीजों से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अलग-अलग पीढ़ियों के बीच के उन रिश्तों को खोजने के बारे में है, जिन्हें समझना हमारे आज के लिए जरूरी है।

बोले- 'इंसानियत को महसूस करें लोग'

इम्तियाज अली चाहते हैं कि बंटवारे की कहानी के जरिए फिल्म देखने वाले लोग अपनी इंसानियत को महसूस करें। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना चाहता हूं कि इतिहास सिर्फ गुजरे हुए समय की कोई घटना नहीं है। यादें एक ऐसी नदी हैं, जो दोनों तरफ बहती हैं। मैं माइकल जैक्सन की बात दोहराना चाहता हूं। उन्होंने कहा था, 'मैं शुरुआत आईने में दिख रहे इंसान से कर रहा हूं। मैं उससे अपने तौर-तरीके बदलने के लिए कह रहा हूं'।

सिंगर सोनू निगम की गर्दन की नसें दबीं: एमआरआई, सीटी स्कैन हुआ

पेन किलर्स से गला भारी

सिंगर सोनू निगम की गर्दन की नसें दब गई हैं। ये जानकारी सिंगर ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दीं और दिखाया कि कैसे वो पट्टियां लगाकर परफॉर्मेंस की तैयारी कर रहे हैं।

ये घटना 13 जून की हो। सोनू निगम ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, देखिए मेरी नसें दब गई हैं। मैं तो एक हफ्ते से भुगत रहा हूं। एमआरआई, सीटी स्कैन सब हुआ। दवाइयां, फिजियोथैरेपी बहुत थकान का काम है। फिलहाल पेनकिलर्स ले रहा हूं, जिससे गला भी थोड़ा भारी हो गया है।

आगे सिंगर ने कहा, आज (13 जून) में एक महीने 10-12 दिन बाद परफॉर्म कर रहा हूं। मेरा कॉन्फिडेंस वैसे भी थोड़ा कम है। नसों को आराम देने के लिए जो दवा ले रहा हूं, उनसे मेरे गले पर असर पड़ा। कोई बात नहीं, भगवान स्टेज पर मुझे शक्ति दे।

कई सिंगर्स कर रहे हैं सोनू निगम के लिए दुआएं

सोनू निगम की पोस्ट सामने आने के बाद कई सिंगर्स उन्हें दुआएं दे रहे हैं। इनमें कविता सेठ, रूपकुमार राठौड़, अलीशा चिनॉय शामिल हैं।

'द इंडिया स्टोरी' रिलीज़ से पहले फूड सेफ्टी पर काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फ़िल्म 'द इंडिया स्टोरी' की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्वारंटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स साझा की है। इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' से जोड़ते हुए लिखा है, "दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, ये 'द इंडिया स्टोरी' है। फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ श्रेयस तलपड़े भी अहम भूमिका में नजर आनेवाले हैं। फिल्म का उद्देश्य उस सच्चाई को सामने लाना है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी.शिंदे ने संभाली है। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज़ होगी। सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय और प्रभावशाली संदेश के साथ यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि एक जरूरी राष्ट्रीय चर्चा की शुरुआत करने का लक्ष्य रखती है।

फिल्म के सह-निर्माताओं में स्वाति विनायक सैदाने, अनिता जाधव, विनायक सैदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराते और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

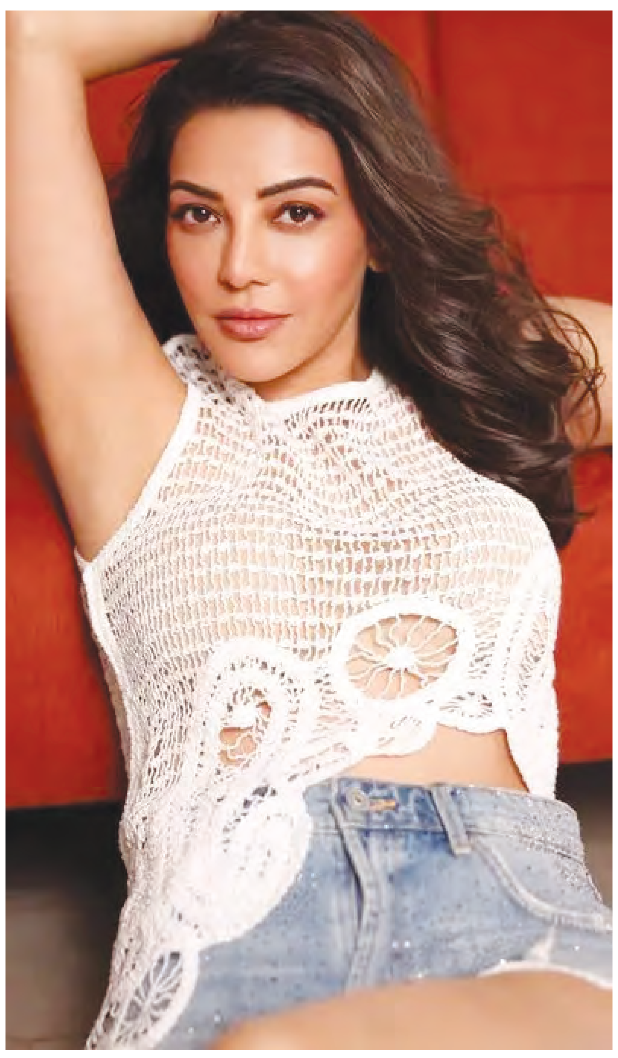

'मुझे 'लगान' ने बर्बाद कर दिया', आमिर की फिल्म के 'बाघा' के क्यों छलके आंसू?

आमिर खान अभिनीत फिल्म 'लगान' की रिलीज को इस साल 25 साल पूरे हो गए हैं। इस फिल्म में हर किरदार अनूठा था। 'लगान' में बाघा का यादगार किरदार अभिनेता अमीन हाजी ने निभाया। हाल ही में उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इस फिल्म ने उन्हें बर्बाद कर दिया। जानिए अमीन ने ऐसा क्यों और किस संदर्भ में कहा है?

लगान के बाद क्यों 'बर्बाद' हुए अमीन हाजी?

अमीन हाजी ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में बाघा के किरदार ने उनके अभिनय का स्तर इतना ऊंचा कर दिया कि इसके बाद मिलने वाले रोल उन्हें पसंद ही नहीं आए। अमीन हाजी ने बताया कि इस ऑस्कर नामांकित फिल्म में बाघा के किरदार ने उन्हें पेशेवर तरीके से बर्बाद कर दिया।

ऑफर तो मिले, मगर अमीन ने ठुकरा दिए

उन्होंने बताया कि फिल्म के बाद आए ज्यादातर किरदारों के ऑफर उन्होंने ठुकरा दिए। बाद में उन्होंने राइटिंग की तरफ रुख करने का फैसला लिया। अमीन हाजी ने कहा, 'मैं दरअसल, बाघा के जरिए मुझे जो सम्मान मिला, मैं कोई दूसरा किरदार करके उसकी धज्जियां नहीं उड़ाना चाहता था। साथ ही, मैं कोई बहुत अच्छा एक्टर नहीं हूं। 'लगान' की स्क्रिप्ट, डायरेक्टर और टीम की वजह से ही मैं अच्छा काम कर पाया। उन सभी ने मेरी मदद की'।

अमीन को किस बात का डर था?

अमीन हाजी को इस बात का डर था कि दूसरे सेट पर उनकी असलियत सामने आ जाएगी और लोगों को यह पता चल जाएगा कि वे कोई बहुत अच्छे एक्टर नहीं हैं। अभिनेता ने अपनी स्थिति बताने के लिए जगजीत सिंह के गाने 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के शेर कोट किए। उन्होंने कहा, 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी के हर ख्वाहिश पे दम निकले...बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले'। एक्टर ने कहा, 'इस फिल्म में मेरे सब अरमान पूरे हो गए। मेरे लिए एक बार लगान हो गई ना, अब मैं एक्टिंग नहीं करना चाहता था। मुझे ऑफर मिल रहे थे। मगर, कोई किरदार बाघा के बराबर नहीं था'।

अमीने ने आगे बताया कि मैंने जब ऑफर रिजेक्ट किए तो मेरी पत्नी और आशुतोष गोवारिकर ने मुझसे पूछा कि तू करेगा क्या फिर? मैंने कहा, 'मुझे एक्टिंग नहीं करनी है।'

‘पापा हैं तो सब कुछ है’

एक बेटी ने किडनी तो दूसरी ने डोनेट किया लीवर

गाजियाबाद, 17 जून (एजेंसियां)। फादर्स डे से ठीक पहले गाजियाबाद के मोरटा गांव से एक ऐसी भावुक और प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया है। अक्सर कहा जाता है कि बेटियां परिवार की शान, सम्मान और सबसे मजबूत सहारा होती हैं, लेकिन मोरटा की दो बेटियों ने इसे अपने त्याग और समर्पण से सच साबित कर दिखाया। जब उनके पिता की जिंदगी पर संकट मंडराने लगा और डॉक्टरों ने लीवर तथा किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत बताई, तब दोनों बेटियां बिना एक पल गंवाए उनके जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बनकर सामने आईं।

एक बेटी ने अपनी किडनी और दूसरी ने अपने लीवर का हिस्सा दान कर पिता को नया जीवन दिया। फादर्स डे से पहले दिया गया यह उपहार केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि बेटियों के असीम प्रेम, साहस और पारिवारिक मूल्यों का ऐसा उदाहरण है, जिसकी चर्चा अब पूरे इलाके में हो रही है।

गाजियाबाद के मोरटा गांव निवासी 45 वर्षीय जयंत त्यागी, जो पूर्व में भाजपा के सेक्टर संयोजक भी रह चुके हैं और वर्तमान में कारोबारी हैं, पिछले करीब एक वर्ष से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। शुरुआत में सामान्य बीमारी समझकर इलाज कराया गया, लेकिन तीन महीने पहले उनकी तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई। पेट से जुड़ी गंभीर परेशानियों के बाद जब उन्होंने अस्पताल में विस्तृत जांच कराई तो डॉक्टरों ने चौंकाने वाली जानकारी दी। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि उनकी किडनी और लीवर दोनों गंभीर रूप से प्रभावित हो चुके हैं और उन्हें बचाने के लिए जल्द से जल्द प्रत्यारोपण आवश्यक है।

डॉक्टरों की यह बात सुनकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। एक तरफ पिता की बिगड़ती हालत थी तो दूसरी तरफ उपयुक्त डोनर की तलाश की चुनौती। परिवार के लिए यह समय बेहद कठिन था। इस मुश्किल घड़ी में जयंत त्यागी की दोनों बेटियां परिवार की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आईं। हाल ही में बीटेक की पढ़ाई पूरी करने वाली 22 वर्षीय रिषिका त्यागी ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी एक किडनी पिता को दान करने का निर्णय लिया। वहीं बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा 19 वर्षीय खुशी त्यागी ने भी अपने पिता को लीवर का हिस्सा देने की इच्छा जताई।

परिजनों के अनुसार जब परिवार ने बेटियों से इस फैसले को लेकर दोबारा सोचने को कहा तो उनका जवाब बेहद भावुक कर देने वाला था। दोनों बेटियों ने साफ कहा कि अगर पिता ही नहीं रहेंगे तो बाकी सब कुछ अर्थहीन हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर मां अंगदान करती हैं और उनकी तबीयत प्रभावित होती है तो पूरे परिवार की जिम्मेदारी कौन संभालेगा।

बेटियों की इसी सोच ने परिवार को भी भावुक कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम का एक और भावुक पहलू बड़ी बेटी रिषिका से जुड़ा है। रिषिका की शादी आने वाले कुछ महीनों में होने वाली है। ऐसे में परिवार को आशंका थी कि कहीं यह फैसला उनके वैवाहिक जीवन को प्रभावित न कर दे।

अफ्रीकी शेरनी जोया की मौत

6 माह की उम्र में दक्षिण अफ्रीका से टाटा जू लाई गई थी, बढ़ती उम्र और बीमारी से तोड़ा दम

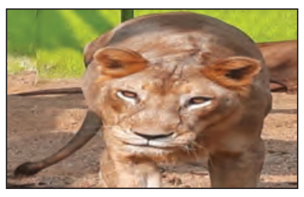

जमशेदपुर, 17 जून (एजेंसियां)। टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टाटा जू) की 16 साल की अफ्रीकी शेरनी जोया की मौत हो गई है। वह पिछले कुछ दिनों से काफी बीमार थी। जोया की मौत से वन्यजीव प्रेमियों और टाटा जू प्रबंधन में शोक का माहौल है। जोया का टाटा जू और जमशेदपुर से खास जुड़ाव रहा। उसे दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया से महज छह माह की उम्र में भारत लाया गया था। उसके साथ जम्बो और एड नाम के दो अन्य अफ्रीकी शेर भी लाए गए थे। शांत और चंचल स्वभाव के कारण जोया जल्द ही पर्यटकों की पसंदीदा वन्यजीव बन गई थी। जू कर्मियों के अनुसार, इतने वर्षों में वह सिर्फ एक शेरनी नहीं, बल्कि टाटा जू परिवार का अहम हिस्सा बन चुकी थी।

दूल्हे की मां-बहन, 2 भाभियों समेत 6 की मौत

शादी का शगुन देने जा रही थीं, रेस लगा रहे ट्रैक्टर ने रौंदा

बदायूं, 17 जून (एजेंसियां)। यूपी के बदायूं में बुधवार दोपहर सड़क हादसे में 6 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें दूल्हे की मां, उसकी बहन, 2 भाभियां और एक पड़ोसी महिला शामिल हैं। हादसे में 3 लोग घायल भी हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बरेली-मथुरा हाईवे पर 2 ट्रैक्टर रेस लगा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी और उसे रौंदते हुए निकल गया।

महिलाएं ट्रैक्टर के पहियों के नीचे आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। करीब 10 फीट के दायरे में महिलाओं के शव सड़क पर बिखर गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भिजवाया।

हादसा उझानी कोतवाली क्षेत्र में हुआ। मृतकों की पहचान राजकुमारी (50), उनकी बेटी नारायणी (30), उनकी जेठानी रेवती (80), बहू गंगाश्री (30), सरला (32) और गांव की रहने वाली प्रेमावती (32) के रूप में हुई है। राजकुमारी के बेटे की 29 जून को शादी है। वह शगुन देने अपने मायके जा रही थीं।

मुरावन नगला गांव में रहने वाले डालचंद्र का परिवार खेती-किसानी का काम करता है। 6 बच्चों में 5 की शादी हो चुकी है। घर में सबसे छोटे बेटे कुंवर पाल की 29 जून को शादी होनी थी। डालचंद्र की पत्नी राजकुमारी का मायका गठौना गांव में है। शादी से पहले भात मांगने महिलाओं को गठौना गांव जाना था। इसके लिए उन्होंने गांव में ही रहने वाले सन्नी का ई-रिक्शा बुक किया।

सन्नी ई-रिक्शे में 6 महिलाओं समेत कुल 8 लोगों को बैठाकर रवाना हुआ। बरेली-आगरा हाईवे इस समय बन रहा है। इसके चलते सिर्फ एक ही लेन चालू है। कासगंज से 2 ट्रैक्टर उझानी की मंडी समिति में मक्का लादकर आए थे। मक्का बेचकर वापस जाते समय दोनों आपस में रेस लगा रहे थे।

ई-रिक्शा भी इसी लेन से जा रहा था। ई-रिक्शा पहले ट्रैक्टर से टकराने से बच गया, जबकि दूसरे ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों चालक ट्रैक्टर लेकर भाग गए। वहीं, हादसे में 5 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। 1 महिला की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

सूचना मिलते ही डीएम अवनीश राय मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। 3 घायल मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। इनमें से 2 की हालत गंभीर है। दोनों चालकों को ट्रैक्टर के साथ पकड़ लिया गया है।

प्रभारी मंत्री अरुण सक्सेना ने बताया कि बहुत ही दुखद घटना हुई है। घायलों का अच्छे से अच्छा इलाज करवाया जाएगा। महिलाओं के परिवार के साथ सहानुभूति हैं। मरने वालों के परिवार को सरकारी मदद दिलाने की पूरी कोशिश की जाएगी। दूल्हे के चचेरे भाई नन्हे ने बताया कि पूरा परिवार रिक्शा से भात मांगने निकला था।

दहेज के लालच से एक साथ दो घरों में कोहराम

नेपाल से बिहार तक पसार दिया मातम

मोतिहारी/बेतिया, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार के दो परिवारों की बेटियों की जान दहेज के लालच ने ले ली। एक बेटी की मौत बिहार में तो दूसरी की अर्थी नेपाल में उठी। दोनों ही बेटियां बिहार की रहने वाली हैं। अब उनके घर में मातम पसरा हुआ है। एक मामले में ससुर और देवर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, वहीं दूसरे मामले में आरोपी फरार हैं। पहला मामला पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के आर्यनगर वार्ड संख्या-7 में एक 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान शमसीदा खातून के रूप में हुई है, जो बहुअरवा (थाना मझौलिया) निवासी सिकंदर शेख की पुत्री थीं। जानकारी के अनुसार, शमसीदा खातून की शादी वर्ष 2020 में बैरिया पंचायत निवासी शेख इरशाद (पिता- शेख मकबूल) के साथ हुई थी।

मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता था और कई बार उसके साथ मारपीट भी की गई थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि शमसीदा की हत्या कर उसके शव को फंदे से लटका दिया गया, ताकि घटना को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़वा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के ससुर और देवर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतका का पति शेख इरशाद घटना के बाद से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पूर्वी चंपारण पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इधर, घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रामगढ़वा थाना पुलिस ने बताया कि मामले की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दूसरा मामला नेपाल का है, हालांकि जिस बेटी की हत्या हुई है वो पश्चिम चंपारण के बेतिया की रहने वाली थी। इनरवा बाजार की खुशबू की शादी सिर्फ 6 महीने पहले हुई थी।

अब उसकी मौत की दर्दनाक खबर आने से परिजनों में कोहराम मच गया है। मृतका इनरवा थाना क्षेत्र के इनरवा बाजार निवासी अशरफ मियां की 20 साल की बेटी खुशबू खातून है।

खुशबू की शादी 19 जनवरी को नेपाल के परसा जिला स्थित श्रीपुर चौकी के समीप राधेमाई नगरपालिका में हुई थी।

केशरिया कलाकंद को मिला जीआई टैग

कोडरमा, 17 जून (एजेंसियां)। कोडरमा के केशरिया कलाकंद को अब जीआई टैग मिल गया है। इस अंतरराष्ट्रीय पहचान से स्थानीय कलाकंद कारोबारियों और लोगों में उत्साह का माहौल है। यह टैग उत्पाद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने में मदद करेगा।

झारखंड के कुल 11 उत्पादों को जीआई टैग मिला है। इनमें कोडरमा का केशरिया कलाकंद के अलावा गोड्डा का भगैया सिल्क, सरायकेला खरसावां का कुचाई सिल्क, मुंडा ज्वेलरी और खूंटी क्षेत्र का बांस शिल्प प्रमुख हैं।

इनके अतिरिक्त डोकरा क्राफ्ट, दुमका के चंदर बदोनी पपेट्स, तसर सिल्क और साड़ी, जादूपटुआ पेंटिंग, पंची साड़ी और झारखंड बेनाम हैंडीक्राफ्ट को भी यह टैग प्रदान किया गया है। नाबार्ड ने भी इस जीआई टैग की पुष्टि की है।

इस प्रक्रिया के तहत चेन्नई से एक टीम ने झारखंड का दौरा किया और रांची में एक प्रेजेंटेशन लिया गया था। कई महीनों तक चले प्रारंभिक मूल्यांकन के दौरान कोई आपत्ति दर्ज नहीं होने के बाद यह टैग झारखंड के उत्पादों को प्रदान किया गया।

जीआई जनरल कॉपी में प्रकाशित रिपोर्ट पर किसी अन्य दावे को स्वीकार नहीं किया गया। इस मान्यता से इन उत्पादों की सदियों पुरानी कला और आदिवासी विरासत को नई पहचान मिलेगी। यह न केवल इनकी पारंपरिक विधियों को पुनर्जीवित करेगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी बनेगा।

कोडरमा के कलाकंद का इतिहास आजादी से पहले का है। यह अंग्रेजों के शासनकाल से ही क्षेत्र की पहचान रहा है। कोडरमा जिले के सबसे पुराने कलाकंद व्यापारी संदीप खेतान ने बताया कि देश के विभाजन के बाद पाकिस्तान के रावलपिंडी से आए भाटिया परिवार ने कोडरमा में इसकी शुरुआत की थी।

कांग्रेस बोली- भाजपा उद्योगपतियों की सरकार

बिजली दर बढ़ोतरी के खिलाफ मोर्चा, बिजली दफ्तर का घेराव किया, नगाड़ा बजाकर भी जताया विरोध

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। रायपुर और बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही बिजली दरों में वृद्धि के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से पुतला दहन भी किया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बढ़ी हुई बिजली दरों से आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। रायपुर के डंगनिया में कांग्रेस ने नगाड़ा बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष कुमार मेनन ने कहा कि भाजपा की सरकार आम जनता को लूटने का काम कर रही है।

बिलासपुर के कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की यह सरकार उद्योगपतियों की है। उन्हें सब्सिडी और छूट दिया जाता है। सरकार आम जनता को लूट रही है। सदन में भी इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया जाएगा। वहीं, कोंडागांव में कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाला, ईडी रेड में 1 करोड़ कैश मिला

कांग्रेस नेता और कारोबारियों के ठिकानों पर छापा, कोरबा-धमतरी में ज्यादा रकम मिली

रायपुर, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को 5 जिलों में छापेमारी की थी। अब जांच के दौरान 1 करोड़ रुपए से अधिक कैश जब्त किया गया है। यह कार्रवाई करीब 575 करोड़ रुपए के कथित डीएमएफ घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है।

ईडी की टीमों ने रायपुर, धमतरी, दुर्ग, कोरबा और अंबिकापुर जिले के 9 ठिकानों पर दबिश दी थी। इनमें 4 आवासीय परिसर और 5 कारोबारियों के व्यापारिक ठिकाने शामिल थे। बताया जा रहा है कि, छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा पैसा कोरबा और धमतरी के ठिकानों से मिला है। जांच के बाद ईडी के अधिकारी इसका ऑफिशियल खुलासा करेंगे। जानकारी के अनुसार, ईडी ने कारोबारी प्रकाश सालुंके, किशोर एग्रो से जुड़े कारोबारी शाश्वत लुणावत, मानसून एग्रो के प्रमोटर और कांग्रेस नेता राकेश गुप्ता, कारोबारी दीपेश गांधी समेत कई लोगों से जुड़े परिसरों की जांच की थी।

राकेश गुप्ता कृषि विभाग के बड़े सप्लायर हैं। वे सरगुजा से कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष भी रहे हैं। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में राकेश गुप्ता के फर्म से की गई सप्लाई की भी जांच हुई। इस दौरान सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी तैनात रहे।

तलाशी अभियान में ईडी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, बैंक लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य मिलने की जानकारी सामने आई है। एजेंसी अब इन दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच कर रही है। जांच अधिकारियों का उद्देश्य कथित घोटाले की रकम के पूरे नेटवर्क और उसके लाभार्थियों का पता लगाना है। ईडी को आशंका है कि, डीएमएफ फंड में गड़बड़ी कर खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए जारी राशि को कथित तौर पर ठेकेदारों, सप्लायरों और बिचौलियों के माध्यम से डायवर्ट किया गया। जांच में सरकारी ठेकों और परियोजनाओं की मंजूरी के बदले 25 से 40 प्रतिशत तक कमीशन के आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है।

जांच एजेंसी का कहना है कि, बरामद सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों से पूछताछ और गिरफ्तारी की संभावना भी जताई जा रही है।

डीएमएफ मामले में पहले भी कई बड़े नाम जांच के दायरे में आ चुके हैं। ईडी और राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने पूर्व कोरबा कलेक्टर रानू साहू, पूर्व उप सचिव सौम्या चौरसिया और कथित बिचौलिया सूर्यकांत तिवारी समेत कई लोगों के नाम जांच में शामिल किए हैं। बता दें कि, साल 2024 और 2025 में भी ईडी ने डीएमएफ घोटाले को लेकर छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर कार्रवाई की थी। इन कार्रवाइयों में करोड़ों रुपए की संपत्तियां अटैच की गई थीं।

पति ने बेटों संग जहर खाया, दंपती ने लगाई फांसी

जांजगीर-चांपा/गरियाबंद, 17 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 2 जिलों में 2 अलग-अलग परिवारों के 5 सदस्यों ने सुसाइड कर लिया है। पहला मामला जांजगीर-चांपा के नैला चौकी थाना क्षेत्र का है। पति से विवाद के बाद पत्नी बेटी को लेकर मायके चली गई। पति उसे वापस लेने ससुराल पहुंचा तो उसने लौटने से इनकार कर दिया।

इस बात से नाराज पति ने अपने 2 बच्चों के साथ कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। घर के अंदर पिता और बच्चों के शव मिले हैं।

दूसरा मामला गरियाबंद जिले के पायलीखंड थाना क्षेत्र का है, जहां बुजुर्ग दंपती ने आत्महत्या कर ली। दोनों के शव घर से करीब 200 मीटर दूर जंगल में 20 से 30 मीटर की दूरी पर अलग-अलग पेड़ों से लटके हुए मिले। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भूपेश की विधायकी को चुनौती, एचसी ने नहीं दी राहत

आचार संहिता उल्लंघन का मामला, याचिका खारिज करने की मांग नामंजूर, 23 जून से ट्रायल

बिलासपुर, 17 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर अब हाईकोर्ट में मेरिट के आधार पर सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने भूपेश बघेल की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने चुनाव याचिका को निरस्त करने की मांग की थी।

याचिका में आरोप है कि मुख्यमंत्री रहते भूपेश बघेल ने आचार संहिता का उल्लंघन किया था, जिसके आधार पर उनके निर्वाचन को शून्य घोषित करने की मांग की गई है। वहीं, अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 जून को होगी।

दुर्ग सांसद विजय बघेल ने भूपेश बघेल की विधायकी खत्म करने के लिए चुनाव याचिका लगाई है। 2024 में दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान वोटिंग से ठीक पहले प्रचार बंद होने की अवधि में भूपेश बघेल ने अपने समर्थकों के साथ पाटन क्षेत्र में रैली और रोड शो किया था। इस दौरान उन्होंने चुनावी नारे लगवाए और वोट मांगकर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 126 का सीधा उल्लंघन किया, जिसका वीडियो भी बनाया गया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल की तरफ से 16 बिंदू पेश कर बताया कि याचिका चलने योग्य नहीं है। याचिकाकर्ता ने जो भी आरोप लगाए हैं, उसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है और न ही आचार संहिता उल्लंघन करने का कोई साक्ष्य पेश किया गया है।

उन्होंने याचिका खारिज करने के लिए हाईकोर्ट में आवेदन दिया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। साथ ही कहा था कि याचिका चलने के लिए पर्याप्त आधार है।

मामले में भूपेश बघेल की तरफ से तर्क दिया गया कि विजय बघेल की यह याचिका पूरी तरह से अस्पष्ट है और इसमें जरूरी तथ्यों का अभाव है। याचिका के साथ दिए गए वीडियो और ई-मेल के सबूतों के लिए जरूरी 65-बी का सर्टिफिकेट नहीं लगाया गया है।

राममंदिर कर्मचारी टिन्नू की पत्नी बोली- बदनाम किया जा रहा

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के बाद उनकी पत्नी पूनम यादव सामने आई हैं। उन्होंने कहा- 50 कमरे, हॉस्टल, होटल और लग्जरी गाड़ियों जैसी बातें पूरी तरह गलत हैं। हमें बदनाम किया जा रहा है। यह पति को फंसाने की साजिश है। अगर कोई सबूत है तो दिखाएं।

चढ़ावा चोरी के बाद टिन्नू सुर्खियों में हैं। पत्नी से पहले टिन्नू खुद भी सामने आए और वीडियो जारी किया। टिन्नू को ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का करीबी माना जाता है। दावा किया जा रहा कि उनके घर से ट्रस्ट की जांच टीम ने सोना बरामद किया है। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इधर, तीसरे दिन बुधवार को सुबह 10 बजे स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) मंदिर पहुंच गई है। चर्चा है कि आज एसआईटी उन बैंक कर्मचारियों से पूछताछ कर सकती है, जिनकी ड्यूटी चढ़ावा गिनने में लगी थी। इससे पहले, मंगलवार को एसआईटी ने 11 घंटे तक मंदिर परिसर में जांच की। ट्रस्ट के पदाधिकारियों समेत 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की। चढ़ावा की गिनती कहां होती है, गिनती कौन-कौन करता है, फिर बैंक में कौन जमा करता है? इस पूरे प्रोसेस और उसमें शामिल लोगों के बारे में जानकारी ली।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गोंडा में बुधवार को कहा- ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने झटका दिया है। जिस तरह के दस्तावेज सामने आ रहे हैं, उनसे सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। कहते हैं कि बिना आग के धुआं नहीं उठता है।

चढ़ावा चोरी मामले में अब तक 5 लोगों- लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर के नाम सामने आए हैं। इन लोगों की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली।

भजन लाल की विरासत को आगे बढ़ा रहे कुलदीप बिश्नोई

अंबाला, 17 जून (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद एवं आदमपुर से विधायक रह चुके कुलदीप बिश्नोई से भेंट कर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय विषयों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों नेताओं ने हरियाणा के विकास, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की । इस अवसर पर शांडिल्य ने कुलदीप बिश्नोई को भगवान हनुमान व भगवान परशुराम की प्रतिमा देकर व पारंपरिक हरियाणवी पगड़ी देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर नवरत्न गर्ग, सुरेन्द्र पाल केके समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। इस दौरान वीरेश शांडिल्य ने कहा कि कुलदीप बिश्नोई आज हरियाणा की राजनीति में 36 बिरादरी के ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपने व्यवहार, संघर्ष और जनसंपर्क के बल पर समाज के हर वर्ग में सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि कुलदीप बिश्नोई अपने पिता एवं हरियाणा के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे चौ. भजन लाल की राजनीतिक विरासत को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। चौधरी भजनलाल ने हरियाणा की राजनीति को नई दिशा देने का कार्य किया था और आज कुलदीप बिश्नोई उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के लोगों की आवाज बनकर कार्य कर रहे हैं।

वीरेश शांडिल्य ने कहा कि वर्ष 2014 में हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के पीछे कुलदीप बिश्नोई की राजनीतिक भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि उस समय लिए गए उनके निर्णयों ने प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को कुलदीप बिश्नोई जैसे अनुभवी और जनाधार वाले नेता को और अधिक महत्व देकर प्रदेश की राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए।

सैटेलाइट टाउनशिप का नाम होगा पाटलीपुत्र

सीएम सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान

पटना, 17 जून (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में नई टाउनशिप बनने जा रही है। इसका नाम पाटलीपुत्र रखा जा सकता है। सीएम सम्राट चौधरी ने इसका ऐलान कर दिया है। सीएम सम्राट चौधरी बुधवार 17 जून को फुलवारीशरीफ, पटना के ग्राम नदियावां में सहयोग शिविर कार्यक्रम को दौरान इसका ऐलान कर दिया है।

सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि ‘हमलोग लंबे समय तक देखते थे। पटना का पहचान था कंकड़बाग। लोग कहते थे कि एशिया का सबसे बड़ा टाउनशिप है। धीरे धीरे वो स्लम का इलाका बन गया, अब वो टाउनशिप नहीं रहा। पहले जब मैं नगर विकास मंत्री था तो वहां से पानी निकालने में ही हमको बहुत समस्या होती थी। अब धीरे-धीरे हम टाउनशिप बना रहे हैं।’ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसी कड़ी में बोलते हुए बड़ा ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि ‘लोगों ने हमसे कहा कि आप बड़ा टाउनशिप बना रहे हैं। इसलिए पटना की पहचान नए नाम पाटलिपुत्र होना चाहिए। कई लोग मुद्दा बनाते हैं कि ये मगध की राजधानी थी, इसका नाम पाटलिपुत्र था। इसका नाम बदल देना चाहिए। मैंने तो इससे बड़े पटना की कल्पना की है। मैं इसका नाम पाटलिपुत्र रखने का काम किया है। लेकिन आपको आश्वस्त करता हूं कि किसी को दिक्कत नहीं होगी।

सेंसेक्स 347 अंक चढ़कर 77,156 पर बंद

निफ्टी में 97 अंक की बढ़त, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 17 जून को बढ़त रही। सेंसेक्स 347 अंक की तेजी के साथ 77,156 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 97 अंक की बढ़त रही, ये 24,086 पर बंद हुआ। आज आईटी, मेटल, सरकारी बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

इससे पहले कल यानी 16 जून को शेयर बाजार में बढ़त रही थी। सेंसेक्स 544 अंक की तेजी के साथ 76,808 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 135 अंक की बढ़त रही, ये 23,989 पर बंद हुआ था।

2.7 अरब डॉलर में बिकेगी दुनिया की मशहूर पिज्जा हट चेन

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। मशहूर पिज्जा चेन पिज्जा हट बिकने जा रही है। पिज्जा हट, केएफसी और टाको बेल की पेरेंट कंपनी यम ब्रांड्स ने पिज्जा हट को बेचने का फैसला किया है। यह डील 2.7 अरब डॉलर में हुई है। बदलती उपभोक्ता पसंद, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कमजोर होती बिक्री के चलते कंपनी ने यह फैसला किया है और यह सौदा, वैश्विक रेस्टोरेंट उद्योग के सबसे बड़े सौदों में से एक माना जा रहा है।

दो हिस्सों में बंटेगा पिज्जा हट का कारोबार

सौदे के तहत यम चाइना होल्डिंग नामक कंपनी चीन में पिज्जा हट के कारोबार को 1.2 अरब डॉलर में खरीदेगी, जबकि वैश्विक कारोबार का बाकी हिस्सा निजी इक्विटी फर्म लॉन्ग रेंड कैपिटल 1.5 अरब डॉलर में खरीदेगी। सभी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद यह सौदा 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। पिछले कुछ वर्षों से पिज्जा हट बदलती खान-पान की आदतों और तेज प्रतिस्पर्धा के चलते संघर्ष कर रही है। बढ़ती महंगाई और खाने के सामान की ऊंची कीमतों ने पिज्जा कारोबार पर दबाव बढ़ाया है। उपभोक्ता भी खर्च में सतर्कता बरत रहे है और स्वास्थ्य कारणों से भी कई लोग स्वस्थ भोजन विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। साथ ही ऑनलाइन फूड डिलीवरी ने भी पिज्जा हट को नुकसान पहुंचाया है। लगातार कई तिमाहियों तक बिक्री में गिरावट के बाद यम ब्रांड्स ने पिछले साल पिज्जा हट को बेचने पर विचार शुरू कर दिया था। इसी क्रम में कंपनी ने लॉन्ग रेंज कैपिटल के साथ बातचीत शुरू की। यम ब्रांड्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस टर्नर ने कहा कि यह सौदा कंपनी को अपने अन्य सफल ब्रांडों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा। पिज्जा हट की बिक्री के बाद यम ब्रांड्स के पास मुख्य रूप से केएफसी और टाको बेल जैसे ब्रांड रह जाएंगे, जिन्होंने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया है।

भारत इनोवेट्स 2026 में कंपनियों ने हासिल की 254.5 मिलियन डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। तीन दिवसीय कार्यक्रम भारत इनोवेट्स 2026 के दूसरे दिन कंपनियों ने 254.5 मिलियन डॉलर की निवेश प्रतिबद्धताएं हालिस की हैं। साथ ही, इसने निवेशकों में भारत के डीपटेक स्टार्टअप सिस्टम के प्रति गहरी रुचि पैदा की है। यह जानकारी आधिकारिक बयान में दी गई। शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस कार्यक्रम के दूसरे दिन ग्लोबल इन्वेस्टर्स, इंडस्ट्री लीडर्स, रिसर्चर्स, नीति निर्धारक, स्टार्टअप्स और एकेडमिक संस्थान एक साथ आए। इसका मकसद इनोवेशन को बढ़ावा देना, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप को मजबूत करना और डीप-टेक सॉल्यूशंस के कमर्शियलाइजेशन को आगे बढ़ाना था।

दिन की शुरुआत एक इनोवेशन शोकेस के साथ हुई, जिसमें भारतीय स्टार्टअप्स और प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा विकसित टेक्नोलॉजीज को दिखाया गया। ये टेक्नोलॉजीज बायोटेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, एनर्जी, मोबिलिटी, स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई क्षेत्रों से जुड़ी थीं। इसके अलावा, समिट में ग्लोबल इंडस्ट्री, इन्वेस्टमेंट और रिसर्च के लीडर्स के साथ बायो-इनोवेशन और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग से लेकर स्पेस, डिफेंस सप्लाई चेन और इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भागीदारों ने लंबे समय के लिए निवेश, क्रॉस-बॉर्डर सहयोग और रिसर्च को कमर्शियल बनाने के लिए बेहतर रास्तों के महत्व पर जोर दिया। मंत्रालय के अनुसार, इस दिन का एक मुख्य आकर्षण इन्वेस्टर-स्टार्टअप एंगेजमेंट प्रोग्राम था, जिसमें 80 से ज्यादा डीप-टेक स्टार्टअप्स ने 10 से ज्यादा देशों के 50 से अधिक ग्लोबल इन्वेस्टर्स के पैनल के सामने अपने इनोवेशन पेश किए। स्टार्टअप्स ने छह खास क्षेत्रों में अपने सॉल्यूशंस को दिखाया, जिसमें स्पेस और डिफेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर, हेल्थकेयर और मेड-टेक, बायोटेक्नोलॉजी और एग्री-टेक, एनर्जी और क्लाइमेट टेक्नोलॉजी, और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं। मंत्रालय के अनुसार, इन सत्रों से ग्लोबल वेंचर फंड्स और कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल फर्म्स के साथ सीधे बातचीत संभव हुई, और 40 से अधिक स्टार्टअप्स को इन्वेस्टर्स से आगे की बातचीत के लिए प्रतिबद्धता मिली है।

इसके अलावा, समिट में पहले दिन घोषित लगभग 30 मिलियन डॉलर के निवेश पर भी प्रकाश डाला गया। इवेंट के दूसरे दिन के अंत तक, 'भारत इनोवेट्स 2026' ने इनोवेटर्स के बीच 1,350 से ज्यादा बिजनेस-टू-बिजनेस बैठक कराईं और 50 से ज्यादा सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

पीयूष गोयल ने फ्रांस में किया यूपीआई लॉन्च

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को फ्रांस के नीस शहर में मशहूर गैलरीज लाफायेट में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लॉन्च किया। इससे फ्रांस जाने वाले भारतीय यात्री जाने-पहचाने प्लेटफॉर्म के जरिए आसानी से पेमेंट कर सकेंगे। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भारत के वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म को फ्रांस के प्रमुख रिटेल डेस्टिनेशन में से एक में लाना यूपीआई के ग्लोबल विस्तार में एक और अहम कदम है। लाइरा कलेक्ट और एनआईपीएल की भागीदारी के साथ, यह पहल बड़े पैमाने पर भरोसेमंद, आसान और इंटरऑपरेबल डिजिटल समाधान देने की भारत की क्षमता को दिखाती है। उन्होंने कहा, यह लॉन्च भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक और तकनीकी संबंधों को और मजबूत करता है, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी की बढ़ती गहराई और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।

यह डिजिटल पेमेंट कॉरिडोर दोनों देशों के बीच व्यापार के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाता है। इससे यात्रियों को तुरंत सुविधा मिलती है क्योंकि उन्हें फिजिकल करेंसी एक्सचेंज, भारी मात्रा में कैश ले जाने या विदेशी मुद्रा एक्सचेंज की अनजान फीस जैसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता। इससे फ्रांसीसी व्यवसायों को भी आर्थिक बढ़ावा मिलेगा, जिन्हें बड़ी संख्या में तकनीक-प्रेमी भारतीय पर्यटकों तक तुरंत पहुंच मिलेगी, जिससे ट्रांजेक्शन की संख्या बढ़ेगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन--	
चंद्र	कर्क	मे	कर्क----	
मंगल	मेष	मे	सिंह----	05-35 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या---	07-47 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला-----	10-00 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक---	12-08 बजे
शनि	मीन	मे	धनु----	14-11 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर--	16-22 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ---	18-34 बजे
			मीन----	20-41 बजे
			मेष----	22-31 बजे
			वृष-----	00-10 बजे
				01-46 बजे
				03-30 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-46
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -48
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष गुरुवार 18 June 2026
तिथि - चतुर्थी 18-58 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - पुष्य 11-32 तक उप आश्लेषा
योग. - व्याघात 17-35 तक उप हर्षण
करण - वणिज 08-14 तक उप विष्टी (भद्रा)

विशेष: सर्वार्थ अमृत सिद्धि गुरु पुष्य योग
रानी झांसी पुण्य दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-56 से 15-34 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ 05-44 - 07-22 शुभ	अमृत 18-47 - 20-13 शुभ
रोग 07-22 - 09-00 अशुभ	चंचल 20-13 - 21-34 शुभ
उत्पात 09-00 - 10-39 अशुभ	रोग 20-34 - 22-56 अशुभ
चंचल 10-39 - 12-17 शुभ	काल 22-56 - 00-17 अशुभ
लाभ 12-17 - 13-56 शुभ	लाभ 00-17 - 01-39 शुभ
अमृत 13-56 - 15-34 शुभ	उत्पात 01-39 - 03-01 अशुभ
काल 15-34- 17-13 अशुभ	शुभ. 03-01 - 04-22 शुभ
शुभ 17-13 - 18-47 शुभ	अमृत 04-22 - 05-44 शुभ

टेलीग्राम पर बैन से बौखलाए कंपनी के सीईओ पावेल डुरोव, रिलायंस पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। नीट की 21 जून को दोबारा परीक्षा से पहले सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर 22 जून तक रोक लगाई है। इस कंपनी के सीईओ पावेल डुरोव ने भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस पर बड़ा आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि कंपनी बीजीपी हाइजैकिंग के जरिए भारत के बाहर लाखों यूजर्स के लिए टेलीग्राम का एक्सेस रोक रही है। टेलीग्राम का कहना है कि इसके पीछे फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का हाथ हो सकता है। डुरोव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारतीय टेलीकॉम कंपनी रिलायंस बीजीपी हाइजैकिंग के जरिए भारत के बाहर (यूएई समेत) लाखों यूजर्स के लिए टेलीग्राम का एक्सेस रोक रही है। यह गड़बड़ी जानबूझकर की गई लगती है, क्योंकि रिलायंस ने कई रिपोर्ट्स को नजरअंदाज किया है। यह शायद प्रतिस्पर्द्धा का हिस्सा हो सकता है क्योंकि रिलायंस में वाट्सअप की ओनर मेटा की भी कुछ हिस्सेदारी है।'

रूस का मार्क जकरबर्ग

टेलीग्राम की स्थापना 2014 में पावेल डुरोव ने की थी। वह कंपनी के सीईओ और मालिक हैं। रूस में जन्मे डुरोव के पास फ्रांस और यूएई की दोहरी नागरिकता है। उन्होंने कहा, 'ग्लोबल इंटरनेट रूटिंग का इस तरह का गलत इस्तेमाल चिंताजनक है। अगर भारत में टेलीग्राम पर बैन लगाने के पीछे भी रिलायंस/वाट्सअप का हाथ है, तो मुझे हैरानी नहीं होगी।' डुरोव ने कहा कि नेटवर्क ऑपरेटर्स को रूट हाइजैक को रोकने और अपने यूजर्स के लिए स्टेबल इंटरनेट एक्सेस सुनिश्चित करने के लिए रिलायंस से आने वाले अनऑथराइज्ड बीजीपी अनाउंसमेंट्स को रिजेक्ट कर देना चाहिए। डुरोव ने साल 2006 में महज 22 साल की उम्र में रूस का सबसे बड़ा सोशल नेटवर्क वीकोंटाक्टे बनाया था। इसी कारण उन्हें रूस का मार्क जकरबर्ग भी कहा जाता है।

नीट से पहले क्यों लगी रोक?

नीट की 21 जून को होने वाली परीक्षा से पहले सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उसके लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर 22 जून तक रोक लगा दी है।

बैंकों में पड़े हैं 78,000 करोड़ रुपये

दावेदार खोज रहा आरबीआई

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। देश के बैंकों में करीब 78,000 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड राशि जमा है।

इस राशि को वापस लौटाने के लिए आरबीआई एक खास अभियान चला रहा है। इसके लिए एक खास पोर्टल भी लॉन्च किया गया है और साथ ही अखबारों में विज्ञापन देकर लोगों को जागरूक बनाया जा रहा है।

आरबीआई के यूडीजीएएम (अनक्लेम्ड डिपॉजिट गेटवे टू एक्सेस इंफॉर्मेशन) पोर्टल के जरिए आप घर बैठे अपने या अपने परिवार की अनक्लेम्ड अमाउंट का पता लगा सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक आरबीआई के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस (डीईए) फंड में 74,580.45 करोड़ रुपये जमा हैं। अगर शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों को भी मिला लिया जाए तो यह राशि करीब 78,000 करोड़ रुपये बैठती है। बैंक के निष्क्रिय खातों में जमा पैसे अनक्लेम्ड राशि को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके कानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

कैसे वापस मिलेंगे पैसे?

आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो। केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें। सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप ख़ुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा । आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है । वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

चांदी 744 रुपये गिरकर 2.48 लाख रुपये पर आई

10 ग्राम सोना 558 रुपये सस्ता होकर 1.50 लाख रुपये का हुआ

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 17 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, एक किलो चांदी 744 रुपए गिरकर 2.48 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.49 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 558 रुपए गिरकर 1.50 लाख रुपए पर आ गया है। हालांकि इस साल सोने-चांदी की कीमत बढ़ी है। सोना 2026 में अब तक 17 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.48 लाख रुपए पर है। अमेरिकी बैंकिंग व फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप वेल्स फार्गो ने सोने की कीमत का लक्ष्य बढ़ाकर 6,100-6,300 डॉलर प्रति औंस कर दिया। यानी इसकी कीमत 1.93 लाख तक जा सकती है। वहीं औद्योगिक मांग और सप्लाई की कमी से चांदी लंबी अवधि में निवेशकों को फायदा दे सकती है।

दुनिया के केंद्रीय बैंक खरीदेंगे अभी और सोना, कीमतों में आ सकता है तेज उछाल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। आर्थिक अनिश्चितता के दौर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों का भरोसा कागजी मुद्रा के बजाय एक बार फिर सोने पर ज्यादा मजबूत हो रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के वार्षिक सर्वे ने यह साफ कर दिया है कि रिजर्व मैनेजरों (आरक्षित निधि प्रबंधकों) के बीच अपने पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर दीर्घकालिक रुझान है।

सर्वे में दुनिया भर के 76 केंद्रीय बैंकों ने हिस्सा लिया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। 84 फीसदी केंद्रीय बैंकों का मानना है कि पांच साल बाद कुल वैश्विक भंडार में सोने की हिस्सेदारी काफी ऊंची होगी। दिलचस्प बात यह है कि इस मामले में विकसित देशों, उभरते बाजारों व विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के केंद्रीय बैंक एक सुर में बात कर रहे हैं।

मस्क की स्पेसएक्स दुनिया की 5वीं सबसे मूल्यवान कंपनी बनी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। इलॉन मस्क की स्पेस और एआई कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में मंगलवार को 14% से ज्यादा का उछाल आया, जिससे कंपनी का मार्केट कैप $2.85 ट्रिलियन (करीब 240 लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। इस तेजी के साथ स्पेसएक्स ने टेक कंपनी अमेजन को पीछे छोड़ दिया है और कुछ समय के लिए माइक्रोसॉफ्ट से भी आगे निकल गई थी। स्पेसएक्स अब दुनिया की पांचवी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है।

यही नहीं सोमवार को स्पेसएक्स के शेयरों में 20% से ज्यादा का उछाल आया था। इससे इलॉन मस्क ने सिर्फ एक दिन में 164 अरब डॉलर यानी करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए कमा लिए। यह वॉरेन बफे की पूरी लाइफ टाइम कमाई 148 अरब डॉलर यानी करीब 14 लाख करोड़ रुपए से 11% ज्यादा है। वॉल स्ट्रीट पर लिस्टिंग के कुछ ही दिन बाद निवेशक लगातार इस स्टॉक में खरीदारी कर रहे हैं।

मार्केट कैप 2.85 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा

यह स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी मंगलवार को $220 पर ट्रेड कर रही थी, जो एक दिन में 14.3% की बढ़त है। यह कीमत इसके $135 के आईपीओ (आईपीओ) प्राइस से 62% से अधिक ऊपर है। इस स्तर पर स्पेसएक्स की कुल वैल्यू करीब 2.85 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसने इसे दुनिया की पांच सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल कर दिया है। यह कंपनी नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में बढ़त दर्ज कराने वाली सबसे बड़ी योगदानकर्ता रही है।

एयर इंडिया का नया 'बेसिक' किराया लॉन्च

कम कीमत में मिलेगा हवाई सफर का मौका

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। हवाई यात्रा की बढ़ती लागत के बीच एयर इंडिया ने यात्रियों को सस्ते टिकट का नया विकल्प दिया है। बेसिक किराए वाले यात्रियों को उड़ान के दौरान मुफ्त भोजन नहीं मिलेगा। उन्हें खाने-पीने की सुविधा के लिए अलग से भुगतान करना पड़ सकता है। टाटा ग्रुप की फुल-सर्विस एयरलाइन ने कहा कि नया किराया विकल्प पायलट आधार पर शुरू किया जा रहा है और यह उन यात्रियों के लिए है जो कीमत का ध्यान रखते हैं और जिन्हें सफर के दौरान मिलने वाली बंडल सेवाओं के बजाय कम टिकट कीमत पसंद है।

बंपर पैदावार और आक्रामक खरीद से भरे गोदाम, देश में गेहूं-चावल का रिकॉर्ड स्टॉक

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। बाजार में गेहूं के तेवर कड़े हो रहे हैं। राजधानी दिल्ली में अप्रैल में जो गेहूं 2550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर था, वह बढ़कर 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया है। कीमतों में आई इस तेजी के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला है निर्यात में जोरदार उछाल। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में जहां देश से महज 6,448 टन गेहूं का निर्यात हुआ था, वहीं अप्रैल 2026 में यह आंकड़ा करीब सात गुना बढ़कर 45,162 टन पर पहुंच गया है। निर्यात की इस तेज रफ्तार ने घरेलू बाजार में कीमतों को समर्थन दिया है।

दूसरा कारण है रिकॉर्ड तोड़ सरकारी खरीद। चालू फसल वर्ष 2025-26 में अच्छी मानसून बारिश के कारण देश में 12.06 करोड़ टन गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। सरकार ने इस साल 3.5 करोड़ टन गेहूं की खरीद की है, जिससे एक जून तक गेहूं का स्टॉक 5.34 करोड़ टन के साथ 2021 के बाद अपने पांच साल के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है। फसल वर्ष 2025-26 में देश में 15.4 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। एक जून तक सरकारी गोदामों में बिना पिसा हुआ धान मिलाकर चावल का कुल स्टॉक 6.84 करोड़ टन के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सरकार ने एक जुलाई तक आरक्षित भंडार का जो लक्ष्य तय किया था, वह महज 1.35 करोड़ टन था।

8 लाख कर्मचारियों को तबादलों पर सरकार के फैसले का इंतजार, सीएम भजनलाल के संकेत से बढ़ीं उम्मीदें

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में तबादलों की तीसरी बार खिड़की खुलने की चर्चाओं के बीच करीब 8 लाख कर्मचारी, अधिकारी और जनप्रतिनिधि फैसले का इंतजार कर रहे है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही 10 जून के बाद तबादलों पर निर्णय के संकेत दिए थे। इसके बाद सरकारी महकमे में हलचल बढ़ गई है। माना जा रहा है कि आगामी दिनों में राजस्थान में आगामी दिनों में तबादलों से बैन हट सकता है।

कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यदि इस बार गर्मी की छुट्टियों के दौरान तबादले खोले जाते हैं तो बच्चों की पढ़ाई और परिवारों के स्थानांतरण से जुड़ी परेशानियों से काफी हद तक बचा जा सकेगा।

भजनलाल सरकार बनने के बाद अब तक दो बार सामान्य तबादले खोले जा चुके हैं, लेकिन दोनों ही बार यह प्रक्रिया शैक्षणिक सत्र के बीच हुई। ऐसे में कर्मचारी संगठनों की मांग है कि इस बार गर्मी की छुट्टियों में ही तबादलों की खिड़की खोली जाएगी।

हाल ही में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी राजस्थान में शिक्षकों के तबादले को लेकर संकेत दिए थे। शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर तबादले होने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि मुख्यमंत्री तबादले खोलने के निर्देश देंगे तो उनकी पालना की जाएगी। बड़ी संख्या में व्याख्याताओं और प्राचार्यों के तबादले हो चुके हैं। ऐसे में इनके दोबारा तबादले खोलने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन, अन्य कर्मचारी वर्गों के तबादलों पर सरकार समय आने पर निर्णय लेगी और थर्ड ग्रेड शिक्षकों के तबादलों पर अंतिम फैसला मुख्यमंत्री स्तर पर ही लिया जाएगा।

10 से 22 फरवरी 2024: सभी विभागों, निगमों और बोर्डों में तबादलों की अनुमति। 1 से 15 जनवरी 2025: अधिकांश विभागों में तबादले खुले, जबकि शिक्षा से जुड़े कई विभागों में प्रतिबंध जारी रहा। 8 मई से 30 जून 2025: सीमा से सटे जिलों में रिक्त पद भरने के लिए विशेष छूट के तहत तबादले किए गए।

पूर्ववर्ती सरकारें आमतौर पर कर्मचारियों की सुविधा को देखते हुए गर्मी की छुट्टियों में तबादले खोलती रही हैं। बीच सत्र में तबादले होने से कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है।

कोटा में छात्र संवाद से पहले सियासी उबाल

बीजेपी ने बताया पॉलिटिकल टूरिज्म; कांग्रेस बोली- आवाज दबाने की कोशिश

कोटा, 17 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार की शाम राजस्थान के कोटा में छात्रों से संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम परीक्षा में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस के देशव्यापी अभियान की शुरुआत माना जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम को लेकर राजस्थान की राजनीति भी गरमा गई है। भाजपा ने इसे 'पॉलिटिकल टूरिज्म' करार दिया है, जबकि कांग्रेस ने प्रशासन और भाजपा पर कार्यक्रम में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं।

कोटा के ओपन थिएटर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी छात्रों से पेपर लीक, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। कांग्रेस का दावा है कि यह देशभर में आयोजित होने वाले छात्र सम्मेलनों की श्रृंखला का पहला कार्यक्रम है। पार्टी नेताओं के अनुसार कार्यक्रम को राजनीतिक भाषण के बजाय छात्रों के साथ सीधा संवाद रखने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा छात्रों को कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने की कोशिश कर रही है। पार्टी का दावा है कि कोटा के कोचिंग संस्थानों, पीजी और गेस्ट हाउस संचालकों पर छात्रों को कार्यक्रम से दूर रखने का दबाव बनाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर और होर्डिंग प्रशासन द्वारा हटाए जा रहे हैं, जबकि भाजपा के कार्यक्रमों को पूरी प्रशासनिक मदद मिलती है। गहलोत ने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे कार्यक्रम में भागीदारी और बढ़ेगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने राहुल गांधी के दौरे को 'पॉलिटिकल टूरिज्म' बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान भी पेपर लीक की घटनाएं हुई थीं, लेकिन तब राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर कोई पहल नहीं की। राठौड़ ने आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम वास्तविक छात्र संवाद के बजाय एक राजनीतिक आयोजन बनकर रह जाएगा।

कार्यक्रम के समय को लेकर कुछ छात्रों ने भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि 21 जून को होने वाली नीट-यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारी इस समय उनकी प्राथमिकता है। एक अभ्यर्थी ने कहा कि यदि कार्यक्रम री-एग्जाम के बाद आयोजित किया जाता तो अधिक छात्र इसमें शामिल हो सकते थे। पेपर लीक से प्रभावित छात्र फिलहाल परीक्षा की तैयारी में व्यस्त हैं।

जोधपुर का युवक पाकिस्तानी नंबरों पर करता था कॉल

सेकंड ईयर का निकला स्टूडेंट, अलवर की होटल में ठहरा हुआ था

अलवर, 17 जून (एजेंसियां)। अलवर के ईटाराणा सैन्य छावनी क्षेत्र से पकड़े गए जोधपुर निवासी युवक कुंदन विश्नोई (20) को लेकर सुरक्षा एजेंसियां लगातार पूछताछ कर रही हैं। वह सेकंड ईयर का छात्र बताया जा रहा है और पिछले कुछ दिनों से अलवर शहर के एक होटल में ठहरा हुआ था। मामले में सेना, आईबी, सीआईडी और अन्य खुफिया एजेंसियों की संयुक्त टीम उससे लगातार पूछताछ कर रही है।

सूत्रों के अनुसार युवक को जासूसी के संदेह में हिरासत में लिया गया है। उसके मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट और कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उसके मोबाइल से पाकिस्तान के कुछ नंबरों पर कई बार कॉल और बातचीत हुई है। इसके अलावा उसके सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के संपर्क में होने की जानकारी भी मिली है जिसकी भी जांच की जा रही है।

घटना रविवार दोपहर की है जब ईटाराणा सैन्य छावनी क्षेत्र में एक युवक को संदिग्ध गतिविधियों के दौरान देखा गया। इस दौरान वह एक छात्रा से बातचीत कर रहा था और आसपास काफी देर तक रुककर सामान्य से अलग व्यवहार करता नजर आया। उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर सेना और आर्मी इंटेलिजेंस ने उसे रोककर पूछताछ शुरू की। बाद में मोबाइल जांच के दौरान पाकिस्तानी नंबरों से संपर्क की जानकारी सामने आने पर मामला और गंभीर हो गया।

उसके सोशल मीडिया और कॉल डिटेल्स की भी प्रारंभिक जांच शुरू की गई। जिसके बाद अब कई खुलासे होंगे। इसके बाद उसे सुरक्षा एजेंसियों ने अपने कब्जे में लेकर विस्तृत पूछताछ शुरू की। जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि युवक अलवर क्यों आया था, होटल में कितने दिनों से ठहरा हुआ था और उसके यहां आने का उद्देश्य क्या था। साथ ही उसके परिवार, कॉलेज और दोस्तों के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने फिलहाल मामले में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है।

नरेश मीणा ने किसानों के साथ शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

खाद की कालाबाजारी को लेकर पहले भी किया था प्रदर्शन

बारां, 17 जून (एजेंसियां)। युवा नेता नरेश मीणा ने एक बार फिर खाद की समस्या को लेकर हुंकार भरी है। कुछ दिन पहले छबड़ा में एसडीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन के बाद अब उन्होंने इसी मुद्दे पर बुधवार को बालापुरा गांव से छबड़ा तक पैदल यात्रा की। इसके बाद बड़ी संख्या में किसान एसडीएम कार्यालय के बाहर जुट गए जहां अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया। धरने में सैकड़ों किसानों की भागीदारी दिखाई दी। नरेश मीणा ने खाद की कालाबाजारी और वितरण में अनियमितताओं को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 'किसान खाद के लिए भटक रहे हैं, जबकि कालाबाजारी लगातार जारी है और कई किसानों को जबरन अटैचमेंट भी दिया जा रहा है।'

गौरतलब है कि एक दिन पहले भी बारां जिले के छबड़ा क्षेत्र में खाद के टोकन नहीं मिलने से नाराज किसानों ने सड़क जाम कर विरोध जताया था। वहीं खाद की कालाबाजारी को लेकर कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं, जिस पर कृषि विभाग ने कुछ मामलों में कार्रवाई भी की है।

खाद की कालाबाजारी के मुद्दे को लेकर 5 दिन पहले ही यानी बीते शुक्रवार को किसानों ने एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम सपना कुमारी से वार्ता कर किसानों को खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी पर रोक लगाने, अवैध निकासी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा निर्धारित दरों पर खाद उपलब्ध कराने की मांग की। इससे पहले प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि खाद व्यापारियों द्वारा कालाबाजारी की जा रही है। किसानों को निर्धारित दर से अधिक में खाद बेचा जा रहा है। 1350 रुपए में मिलने वाले डीएपी खाद के कट्टे को 2100-2200 रुपए तक बेचा जा रही है। साथ ही किसानों को खाद के साथ अटैचमेंट लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है। खाद को अवैध रूप से मध्यप्रदेश भेजा जा रहा है। प्रदर्शन में नरेश मीणा समेत बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे। वार्ता में डीएसपी ताराचंद, सीआई राजेश खटाना, कृषि विभाग के सहायक निदेशक चौथमल मीणा भी शामिल रहे।

यहां नरेश मीणा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रहा, जो मिल रहा है तो महंगा। जबरन अटैचमेंट दिया जा रहा है। यहां किसान खाद के लिए भटक रहे हैं तो दूसरी ओर खाद एमपी भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुध नहीं ली जा रही।

इस मामले में एसडीएम सपना कुमारी ने बताया कि खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए तीन स्थानों पर चैक पोस्ट बनाई गई हैं जिन पर कृषि विभाग के अधिकारी के साथ पुलिस कर्मी तैनात रहते हैं। दो दिन पूर्व ही कार्रवाई करते हुए एक सम्बंधित फर्म का लाइसेंस निरस्त कर दिया हैं। सभी डीलर्स को रेट लिस्ट लगाने के लिए कड़े निर्देश दे दिए हैं। हमारे पास लगभग 8500 डीएपी के कट्टे व 6500 एनपीके के कट्टे उपलब्ध हैं, जो कि पर्याप्त हैं।

अंडरग्राउंड की खुदाई के चलते ऐतिहासिक इमारत जमींदोज, मची अफरा-तफरी

जैसलमेर, 17 जून (एजेंसियां)। जैसलमेर शहर के भीतरी भाग में अवस्थित राखेचा पाड़ा में एक मकान में अवैध रूप से अंडरग्राउंड का खुदाई कार्य करवाए जाने से उसके पास में स्थित जैन ट्रस्ट की ऐतिहासिक दो मंजिला धराशायी हो गई। तेज आवाज के साथ गिरी इस इमारत से मिट्टी का ऐसा बवंडर उठा कि पड़ोस में रहने वालों को कुछ देर के लिए सिवाय धूल के कुछ भी नजर नहीं आया। इस हादसे में गनीमत यह रही कि वहां काम कर रहे करीब 10 मजदूर समय रहते भाग निकलने में कामयाब हो गए और कोई जनहानि होने की खबर नहीं मिली। बताया जाता है कि इस स्थान पर मुम्बई के प्रवासी परिवार की ओर से भवन निर्माण का कार्य करवाया जा रहा था और शुरुआती दौर में करीब 10 से 15 फीट गहरा अंडरग्राउंड खुदवाया जा रहा था। बताया जाता है कि सोनार दुर्ग की 300 मीटर की परिधि में आने वाले इस स्थान पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से कार्य की अनुमति नहीं ली गई थी। इसके चलते नगरपरिषद व एएसआइ ने पूर्व में यह काम भी रुकवाया था। जानकारी के अनुसार यह हादसा करीब 3.30 बजे हुआ। जो भवन धराशायी हुआ है, वह जैन समाज का उपासरा बताया जाता है। सूचना मिलने पर शहर कोतवाल सुरजाराम जाखड़ मय जाब्ता और नगरपरिषद के राजस्व अधिकारी पवन कुमार और टीम के सदस्य मौके पर पहुंचे। बताया जाता है कि जैन समाज के उपासरा के पास ही अवैध अंडरग्राउंड बनाया जा रहा था। इसके लिए करीब 15 फीट गहरी खुदाई की जा चुकी थी। इसके चलते उपासरा की नींव कमजोर हुई और वह ढह गया। जानकारी के अनुसार खुदाई कार्य के दौरान घटना के वक्त करीब 10 मजदूर काम कर रहे थे। उन्होंने जैसे ही पास की इमारत से मिट्टी और चूना गिरता देखा, वे भाग कर वहां से दूर हट गए। इससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर गली में आवाजाही बंद कर दी और क्षतिग्रस्त भवन के पास रहने वाले 2 परिवारों को अन्यत्र शिफ्ट होने के लिए कहा है। बताया जाता है कि जो भवन धराशायी हुआ, वह करीब 250 वर्ष पुराना था।

मौत पर भारी पड़ी हिम्मत: पैंथर के जबड़े से भाई को खींच लाई बहन, 15 मिनट तक लड़ी; अब हो रही तारीफ

सवाई माधोपुर, 17 जून (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले से बहादुरी की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। खंडार क्षेत्र के टोडरा गांव में एक बहन ने अपनी जान की परवाह किए बिना पैंथर के हमले का सामना किया और अपने भाई को मौत के मुंह से वापस खींच लाई। यह पूरी घटना सोमवार देर रात की है, जब रणथंभौर क्षेत्र से भटककर एक पैंथर आबादी वाले इलाके में पहुंच गया।

रणथंभौर की फलौदी रेंज से निकला पैंथर टोडरा गांव के गुर्जर मोहल्ले में पहुंच गया। घनी आबादी के बीच वह कई मकानों की छतों से होता हुआ बद्रीलाल गुर्जर के करीब 15 फीट ऊंचे मकान की छत पर जा पहुंचा। उस समय परिवार के सदस्य छत पर सो रहे थे। इसी दौरान पैंथर ने सो रहे राज गुर्जर पर हमला कर दिया और उसके सिर को जबड़ों में दबोच लिया।

पैंथर के हमले के दौरान राज की बहन राधा की नींद खुल गई। सामने का दृश्य देखकर वह घबरा जरूर गई, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। अपने भाई को बचाने के लिए वह सीधे पैंथर से भिड़ गई। राधा लगातार शोर मचाती रही और पैंथर से संघर्ष करती रही। बताया जा रहा है कि पैंथर राज को घसीटते हुए छत के अंतिम छोर तक ले गया था, लेकिन बहन ने उसका पीछा नहीं छोड़ा।

राधा ने बताया कि पैंथर उसके भाई को आसानी से छोड़ने को तैयार नहीं था। वह उसे घसीटते हुए पड़ोसी मकान की ओर ले जा रहा था। इसी दौरान दोनों मकानों के बीच बनी करीब तीन फीट ऊंची दीवार उसके रास्ते में आ गई, जिससे पैंथर की गति धीमी पड़ गई।

राधा का कहना है कि वह डरी हुई थी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि किसी तरह भाई को बचाना है। इसी दौरान शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। यदि कुछ सेकंड और देर हो जाती, तो भाई को बचा पाना बेहद मुश्किल हो जाता। इसी बीच शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की आवाजें सुनकर पैंथर वहां से भाग निकला।

गांव के लोग राधा की बहादुरी की सराहना कर रहे हैं। जिस तरह उसने अपनी जान जोखिम में डालकर पैंथर का सामना किया, उसे लोग साहस और भाई-बहन के अटूट रिश्ते की मिसाल बता रहे हैं।

बॉर्डर पर सेना के मूवमेंट की सोलर सीसीटीवी कैमरों से रैकी

विदेश भेजते लाइव फुटेज, 2 जासूस गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 17 जून (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में सेना की गतिविधियों पर नजर रखकर कथित जासूसी करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि सेना और सुरक्षा बलों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए एक खुफिया सोलर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया था, जिसके जरिए लाइव फुटेज पाकिस्तान और कनाडा तक भेजी जा रही थी। इस मामले का खुलासा पंजाब पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस विंग की संयुक्त कार्रवाई में हुआ है।

बठिंडा पुलिस ने इस संबंध में अमृतसर जिले के अजनाला क्षेत्र के गांव सराए निवासी अशोक कुमार और आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है, जबकि पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार बठिंडा-मलोट नेशनल हाईवे पर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मार्ग पर सोलर पावर से संचालित कैमरा लगाया गया था। यह कैमरा पिछले करीब तीन माह से सक्रिय था और सेना व सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। जांच में सामने आया कि कैमरे से प्राप्त वीडियो और फुटेज दुश्मन देश पाकिस्तान और कनाडा में बैठे संदिग्ध तत्वों तक पहुंच रही थी। जांच एजेंसियों को आशंका है कि आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर श्रीगंगानगर, बठिंडा, हनुमानगढ़ और कपूरथला सहित अन्य क्षेत्रों में भी रैकी की थी। यह भी संदेह है कि महत्वपूर्ण मार्गों पर इसी प्रकार के अन्य कैमरे लगाए गए हो सकते हैं।

पुलिस की प्राथमिक जांच के अनुसार कैमरे के जरिए राजस्थान, फाजिल्का और फिरोजपुर बॉर्डर की ओर आने-जाने वाले सेना के काफिलों तथा सुरक्षा बलों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही थी। पुलिस की गिरफ्त में दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा अब तक कितनी संवेदनशील जानकारी साझा की गई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि मार्च माह में बठिंडा-मलोट रोड पर एक बिजली के खंभे पर सोलर पावर खुफिया कैमरा स्थापित किया गया था। यह कैमरा लगातार सक्रिय रहकर इलाके की गतिविधियों की रिकॉर्डिंग और लाइव प्रसारण कर रहा था। बताया जा रहा है कि 10 जून को बठिंडा पुलिस को इस संदिग्ध कैमरे के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अशोक कुमार ने कैमरा, चिप और सिम कार्ड की व्यवस्था की थी, जबकि आरोपी आकाशदीप सिंह ने मौके पर जाकर कैमरा लगाया था।

श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने पंजाब में खुफिया कैमरे से सेना की मूवमेंट की जासूसी के इस मामले में पंजाब पुलिस अधिकारियों से फीडबैक लिया है। एसपी ने बताया कि श्रीगंगानगर के संबंध में विशेष तौर पर ऐसा अभी साक्ष्य नहीं मिला है। जिस जगह यह कैमरा मिला है, वहां से पंजाब, राजस्थान आदि इलाकों से सैन्य वाहनों की आवाजाही रहती है।

हालांकि इस प्रकरण के बाद श्रीगंगानगर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच और सत्यापन करवा रहे है। इधर, पंजाब में मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी बठिंडा के निर्देश पर विशेष टीमें गठित की गईं है। बठिंडा पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस की संयुक्त टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मानव खुफिया तंत्र (ह्यूमन इंटेलिजेंस) की मदद से पूरे नेटवर्क को ट्रेस किया है।

रील के चक्कर में 'जेल': नकली सांप से लोगों को डराना पड़ा भारी, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर समेत चार गिरफ्तार

उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। उदयपुर में फतेहसागर झील किनारे नकली सांप से पर्यटकों और स्थानीय लोगों को डराने का प्रैंक चार युवकों को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। बाद में कोर्ट से जमानत मिली और आरोपियों ने माफी भी मांगी।

सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाह में किया गया एक प्रैंक उदयपुर के चार युवकों को भारी पड़ गया। फतेहसागर झील किनारे पर्यटकों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर नकली सांप फेंककर डराने का वीडियो बनाने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी शामिल बताया जा रहा है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें एडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। वहीं, पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आरोपियों का एक माफीनामा वीडियो भी साझा किया है, जिसमें चारों युवक हाथ जोड़कर अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में ऐसी हरकत दोबारा नहीं करने का वादा कर रहे हैं।

पटाखा फैक्ट्री हादसा: 8 मौतों का गुनहगार कयूम खान गिरफ्तार

दिल्ली से अलीगढ़ तक भागता रहा आरोपी

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)। खोह नागोरियान क्षेत्र की अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके और आगजनी के मुख्य आरोपी कयूम खान को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में आठ लोगों की जान चली गई थी और कई परिवार पूरी तरह उजाड़ हो गए थे। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था, जिसे पुलिस टीमों ने एक बड़े सर्च ऑपरेशन के बाद आगरा रोड से दबोचा है।

9 जून को करीम नगर-बी तलाई स्थित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई थी। आग के बाद वहां एक बड़ा विस्फोट हुआ, जिसने आठ लोगों की जान ले ली। जांच में सामने आया कि यह फैक्ट्री पूरी तरह गैरकानूनी तरीके से बिना किसी अनुमति के चलाई जा रही थी। हादसे के बाद राक्ष्या की ढाणी निवासी मुख्य आरोपी कयूम खान मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए जयपुर, दिल्ली और गाजियाबाद समेत कई शहरों में लगातार दबिश दी। आरोपी पुलिस से बचने के लिए दिल्ली होते हुए अलीगढ़ भाग गया था। जब आरोपी कयूम अलीगढ़ से वापस जयपुर की तरफ लौट रहा था, तब पुलिस को मुखबिर से उसकी सटीक लोकेशन की सूचना मिली। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाई और उसे भरतपुर से जयपुर की ओर आते समय आगरा रोड पर दबोच लिया। पुलिस अब कयूम को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है, ताकि इस अवैध कारोबार में शामिल उसके अन्य सहयोगियों और मददगारों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। इस दर्दनाक दुखांतिका के बाद प्रशासन और पुलिस की नींद टूटी। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक स्तर पर डोर-टू-डोर सर्वे और सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच टीमों ने करीब 200 मकानों और कई कॉलोनियों को खंगाला। इस अभियान के दौरान लक्ष्मी नगर कॉलोनी में अवैध रूप से चल रहे नकली पनीर के एक बड़े गोदाम का भी पर्दाफाश हुआ, जहां से करीब 260 किलो नकली पनीर जब्त किया गया।

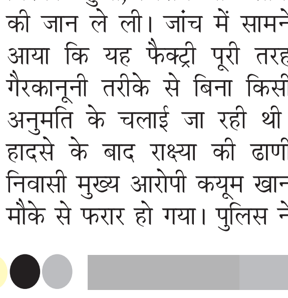

सबसे ज्यादा भगोड़े अपराधी अलवर में, 984 अब भी फरार

अलवर, 17 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भगोड़े अपराधी पुलिस के लिए सिरदर्द बनते जा रहे हैं। अलवर जिला फरार अपराधियों के मामले में प्रदेश में नंबर एक पर है। यहां करीब 984 अपराधी आज भी पुलिस गिरफ्त से दूर हैं। प्रदेश में इस वर्ष जनवरी से अप्रैल तक 12 हजार 408 भगोड़े रिकॉर्ड में दर्ज थे। बता दें कि पुलिस ने 683 को गिरफ्तार किया और 239 मामले खारिज कर दिए। इसके बाद भी 11 हजार 486 आरोपी अब भी फरार चल रहे हैं। वांटेड अपराधियों पर पुलिस ने एक हजार से लेकर एक लाख रुपए तक का इनाम घोषित कर रखा है। अलवर में हत्या, लूट, डकैती, अवैध हथियार, गोतस्करी और संगठित अपराध से जुड़े कई आरोपी लंबे समय से गिरफ्तारी से बचते आ रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस साल 2025 से विशेष अभियान चला रही है।

थानों की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और संदिग्ध ठिकानों पर निगरानी रखी जा रही है। हालांकि, कई बार अपराधियों को पूर्व में सूचना मिल जाती है, इस वजह से पुलिस के पहुंचने से पहले ही वे फरार हो जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक 2,647 फरार अपराधी जयपुर रेंज के थानों में दर्ज हैं। इसके बाद जयपुर कमिश्नरेट में 2,176 और भरतपुर रेंज में 1,408 अपराधी पकड़े नहीं जा सके हैं।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा सबसे जरूरी : ट्रंप से बोले पीएम मोदी

पेरिस, 17 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय बैठक की है। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर बात की है। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने अमेरिकी हमले में भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य के खुले रहने की भी वकालत की। ट्रंप ने भी पीएम मोदी के साथ अपने संबंधों की सराहना की और भारत यात्रा को याद किया। हालांकि, ट्रंप ने क्वाड को लेकर पूछे गए सवाल पर चुप्पी साध ली।

पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिकी नौसैना के हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा भी उठाया। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना बहुत जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल वॉशिंगटन में हमारी बैठक बहुत सार्थक रही थी।

क्वाड पर ट्रंप ने साधी चुप्पी, भारत से संबंधों को सराहा

ट्रंप ने बैठक के दौरान क्वाड के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर चुप्पी साध ली। हालांकि, उन्होंने भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को महत्वपूर्ण बताया। ट्रंप ने कहा कि अगर भारत पर हमला होता है, तो अमेरिका भारत की मदद करेगा। उन्होंने अपनी भारत यात्रा को भी याद किया।

द्विपक्षीय बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया 'शांत, संयमित और जबरदस्त';

फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर प्रशंसा की। ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी बेहद शांत, संयमित और प्रभावशाली नेता हैं। उन्होंने कहा, 'मोदी पूरी तरह जबरदस्त हैं, जबकि मैं ऐसा नहीं हूं'। दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों, व्यापार, तकनीक और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

16 महीने बाद दोनों नेताओं की मुलाकात

फ्रांस के एवियन में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप और पीएम मोदी की 16 महीनों से ज्यादा समय में पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत-अमेरिका संबंधों में काफी समय से तनाव कायम है। वहीं, हाल ही में पश्चिम एशिया में अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई है। जबकि इससे पहले अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया और बाद में ट्रेड डील पर बातचीत शुरू होने के बाद कम किया।

इसके अलावा एच1-बी वीजा, पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर भारत-अमेरिका संबंधों में काफी समय से खटास देखने को मिल रही है।

ये पहला मौका नहीं है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की हो। वह पीएम मोदी के साथ अपने मजबूत संबंधों का भी कई बार जिक्र कर चुके हैं। उन्होंने कई मौकों पर ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' जैसे बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों का जिक्र किया। बार-बार प्रधानमंत्री मोदी को एक मजबूत नेता के तौर पर बताया। इतना ही नहीं उन्होंने आगे पीएम जो मुश्किल समय में सक्षम फैसले लेने वाला नेता भी बताया। 25 मई को भी ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए खुद को उनका फैन बताया था। ट्रंप ने कहा था कि भारत मुझ पर 100 प्रतिशत भरोसा कर सकता है। उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की भी बात कही थी।

भारत की ऐतिहासिक जीत

भारत ने अफगानिस्तान को 170 रन से हराया

दूसरा वनडे जीतकर सीरीज भी जीती; गिल-किशन के शतक, अर्शदीप-गुरनूर को 3-3 विकेट

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया दूसरा वनडे मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। इस मैच को टीम इंडिया ने बेहद आसानी से 170 रनों के विशाल अंतर से अपने नाम कर लिया। इस धमाकेदार जीत के साथ ही भारतीय टीम ने 3 मैचों की इस वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। अब टीम इंडिया अगले मुकाबले में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

गिल-ईशान का तूफान और रिकॉर्ड 402 रन

मैच की बात करें तो अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीता और पिच के मिजाज को देखते हुए पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी और भारतीय बल्लेबाजों ने शाहिदी के इस फैसले को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया। टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए कप्तान शुभमन गिल (154 रन) और ईशान किशन (125 रन) के तूफानी शतकों के दम पर 49.2 ओवरों में 402 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका था जब कोई टीम ऑलआउट होने के बावजूद 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाने में कामयाब रही।

लक्ष्य के दबाव में बिखरा अफगानिस्तान, 232 रनों पर सिमटी पारी

403 रनों के असंभव से लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय तेज गेंदबाजों और स्पिनरों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने अफगान बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। हालांकि मध्यक्रम में कुछ बल्लेबाजों ने टिकने की कोशिश की, लेकिन रन रेट का दबाव लगातार बढ़ता गया। नतीजतन, विशाल लक्ष्य के दबाव में पूरी अफगानिस्तान की टीम 232 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया और टीम इंडिया ने 170 रनों से मैच जीतकर सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया।

शुभमन गिल की कप्तानी में पहली सीरीज जीत

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया की यह पहली वनडे सीरीज जीत है। शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम इंडिया का वनडे कप्तान बनाया गया था। जिसके बाद फैंस में काफी बवाल मचा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि शुभमन गिल ने दमदार वापसी करते हुए सीरीज में जीता हासिल कर ली है। इसके अलावा इस मुकाबले में भी उनका प्रदर्शन कमाल का रहा।

एटीएम में नकदी फंसाकर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

प्लास्टिक शीट लगाकर ग्राहकों को बनाते थे शिकार

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी पुलिस ने एटीएम मशीनों से नकदी निकालने आए ग्राहकों को धोखा देकर रुपये चोरी करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एटीएम मशीन के नकदी वितरण स्लॉट में अवरोध पैदा कर ग्राहकों के रुपये फंसाते थे और बाद में उन्हें निकालकर फरार हो जाते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वड्डे कटमैय्या (25) और पल्लपु श्रीनिवास (48) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, कटमैय्या मूल रूप से आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले का निवासी है और केपीएचबी क्षेत्र के एक छात्रावास में रह रहा था, जबकि श्रीनिवास काकीनाडा का निवासी है और केपीएचबी कॉलोनी में रहता है।

पुलिस जांच में सामने आया कि कटमैय्या एटीएम केंद्रों में जाकर नकदी वितरण स्लॉट पर एक पारदर्शी प्लास्टिक शीट लगा देता था। इसके बाद जब ग्राहक पैसे निकालने का प्रयास करते थे, तो लेनदेन पूरा हो जाता था और उनके खाते से राशि कट जाती थी, लेकिन नकदी स्लॉट में लगी रुकावट के कारण बाहर नहीं निकल पाती थी। कुकटपल्ली के सहायक पुलिस आयुक्त रवि किरण रेड्डी ने बताया कि अधिकांश ग्राहक मशीन में खराबी समझकर बिना नकदी लिए वहां से चले जाते थे। इसके बाद कटमैय्या प्लास्टिक शीट हटाकर अंदर फंसी नकदी निकाल लेता था, जबकि उसका साथी श्रीनिवास एटीएम केंद्र के बाहर निगरानी करता था। यह मामला 7 जून को सामने आया, जब एक ग्राहक ने केपीएचबी फेज-9 स्थित यूनियन बैंक के एटीएम से 5,000 रुपये निकालने का प्रयास किया।

ग्राहक के खाते से राशि कट गई, लेकिन नकदी नहीं मिली। शिकायत मिलने पर बैंक अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें दो संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियां दिखाई दीं। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। केपीएचबी अपराध शाखा ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर दोनों आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपियों ने अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

उस्मानिया विश्वविद्यालय को मिले चार अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्र

शिक्षा, पर्यावरण, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा प्रबंधन में मिली मान्यता

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो से चार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और खाद्य सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विश्वविद्यालय को शैक्षणिक संगठन प्रबंधन, पर्यावरण प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन तथा खाद्य सुरक्षा प्रबंधन से संबंधित चार अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि इन प्रमाणपत्रों से विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत प्रबंधन प्रणालियों और गुणवत्ता मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन की पुष्टि होती है।

कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगरम ने कहा कि समकालीन वैश्विक मानकों को अपनाकर विश्वविद्यालय को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और विद्यार्थियों तथा समाज की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो के दक्षिणी क्षेत्र के उप महानिदेशक एवं वैज्ञानिक 'एफ' संदीप कुमार कनोजिया ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इतने कठोर अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त करना बड़ी सफलता है, लेकिन गुणवत्ता की यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। इन मानकों को निरंतर बनाए रखना और समय के साथ उन्हें और बेहतर बनाना ही वास्तविक चुनौती और सफलता होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि इन मान्यताओं से संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा और अधिक मजबूत होगी तथा विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

हैदराबाद में धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

टैंक बंड पर प्रतिमा स्थापित करने की उठी मांग

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के नेतृत्व में बुधवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके शौर्य, देशभक्ति और बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित स्मृति सभा में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके साहस, स्वाभिमान और त्याग की गाथा आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष उदय सिंह बायस ने कहा कि हल्दीघाटी के ऐतिहासिक युद्ध में महाराणा प्रताप द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस और नेतृत्व भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान का प्रतीक है।

उन्होंने राज्य सरकार से हैदराबाद के टैंक बंड क्षेत्र में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी की। उनका कहना था कि इससे महान योद्धा राजा के प्रति सम्मान व्यक्त होगा और आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में राजपूत समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इनमें नरसिंह ठाकुर, अजय सिंह, शक्ति सिंह, चंद्र किशन सिंह, गोविंद राज सिंह, प्रभु सिंह, राणा नागेश सिंह, मनीषा, ज्योति, नंदिता, माधवी, रोहिणी और माया सहित अन्य सदस्य शामिल थे। सभी ने महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

एच2एच जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग द्वारा व्यापारिक बैठक एवं एच2एच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सनातनी हिंदू व्यवसायियों के लिए किया गया। इस बैठक का उद्देश्य हिंदू व्यवसायियों को सहयोग प्रदान करना और उन्हें प्रोत्साहित करना था। यह बैठक अशोकनगर सांस्कृतिक संघ में आयोजित की गई। इस अवसर पर गोपाल बालदवा उद्योगपति एवं समाजसेवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गीतेश कटे, संस्थापक एवं चाणक्य के सलाहकार, डॉ. पूनम नोमलवार (अध्यक्ष, नवरत्ना) तथा सदस्य विनीत बोहरा, मधु मल्लाडी, श्रीनिवास सोमन और अंकी रेड्डी ने एचटूएच के सभी सदस्यों के सहयोग से इस बैठक का आयोजन किया।

अलवाल वेंकटापुरम स्थित आगलेचा परिवार द्वारा आयोजित सुन्दरकाण्ड पाठ एवं एक शाम बाबा रामदेव के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए कन्हैया वैष्णव, विशाल श्रीमाली एवं अंजली सीरवी । अवसर पर अतिथि गज्जूभाई कोलरिया, परबत सोलंकी आयोजक सीरवी समाज महिला उपाध्यक्ष इन्द्रा आगलेचा-महेन्दरसिंह, गोविंदसिंह, श्यामसिंह आगलेचा एवं प्रवासी समाज बन्धु ।

रैतु बीमा योजना पर संकट के आरोप, हजारों दावे लंबित

बीआरएस ने सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रैतु बीमा योजना को लेकर राज्य में राजनीतिक बहस तेज हो गई है। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया है कि बीमा प्रीमियम का भुगतान समय पर नहीं किए जाने के कारण योजना प्रभावित हो रही है और हजारों किसानों के दावे लंबित पड़े हैं। पूर्व कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम को बकाया प्रीमियम का भुगतान नहीं किए जाने से किसान परिवारों को योजना का लाभ मिलने में देरी हो रही है।

उन्होंने इसे किसानों के हितों के विपरीत बताते हुए सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई रैतु बीमा योजना के तहत किसान की मृत्यु होने पर उसके परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। उनके अनुसार, इस योजना से बड़ी संख्या में किसान परिवारों को लाभ मिला था और इसे किसानों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच माना जाता रहा है।

निरंजन रेड्डी ने आरोप लगाया कि प्रीमियम भुगतान में देरी के कारण हजारों बीमा दावे लंबित हैं। उन्होंने सरकार से बकाया राशि का शीघ्र भुगतान कर सभी लंबित दावों का निस्तारण सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सके। पूर्व मंत्री ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा सभी परिवारों के लिए घोषित जीवन बीमा योजना पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि नई योजना की घोषणा तो की गई है, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर अभी तक स्पष्ट प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने राज्य सरकार से रैतु बीमा योजना को उसके मूल स्वरूप में जारी रखने तथा किसानों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

30 अभ्यर्थियों ने उत्तीर्ण की यूपीएससी परीक्षा

मंत्री लक्ष्मण कुमार ने दी सफल अभ्यर्थियों को बधाई

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एससी स्टडी सर्किल ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त 30 अभ्यर्थियों ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा तथा भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) प्रारंभिक परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। बुधवार को परिणामों की घोषणा करते हुए अनुसूचित जाति विकास एवं जनजातीय कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उस सोच का परिणाम है, जिसमें सामाजिक न्याय, समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सशक्तिकरण का प्रमुख माध्यम माना गया है।

मंत्री ने बताया कि 15 जून को घोषित यूपीएससी परिणामों में तेलंगाना एससी स्टडी सर्किल के 26 अभ्यर्थियों ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 उत्तीर्ण की, जबकि चार अभ्यर्थी भारतीय वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सफल रहे। इस प्रकार कुल 30 उम्मीदवारों ने सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2025 के अंतिम परिणामों में भी संस्थान के दो अभ्यर्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। ए. आशीष ने अखिल भारतीय रैंक 676 और डी. प्रवीण कुमार ने अखिल भारतीय रैंक 793 प्राप्त की है।

जिमनास्टिक्स कोच को 20 साल की कड़ी सज़ा

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर की एक स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने 2019 के बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न के एक मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराया और कड़ी सज़ा सुनाई। कोर्ट ने जिमनास्टिक्स और कराटे कोच, कुरा किरण साई (31) को 20 साल की कड़ी कैद और 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया। चिलाकामुक्कू दीपिका (37), जो उस प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल थीं जहाँ यह घटना हुई थी, उन्हें तीन साल की साधारण कैद और 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह मामला 27 जून 2019 को साढ़े तीन साल की बच्ची के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से शुरू हुआ था। बताया जाता है कि प्री-स्कूल जाने के बाद बच्ची का व्यवहार असामान्य था और उसने दर्द की शिकायत की थी। उसने अपने माता-पिता को बताया कि कोच ने उसका यौन उत्पीड़न किया था।

जांच में पता चला कि 20 जून 2019 को, जब स्कूल वैन आने में देरी हुई, तो आरोपी कोच बच्ची को जिमनास्टिक्स रूम में ले गया और गंभीर यौन उत्पीड़न किया। अभियोजन पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल प्रिंसिपल की लापरवाही के कारण स्कूल परिसर में यह अपराध हुआ। शिकायत के बाद, पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। दोनों आरोपियों को 2 जुलाई 2019 को गिरफ्तार किया गया और बाद में चार्जशीट दाखिल की गई। पूरी सुनवाई के बाद, स्पेशल जज टी. श्रीनिवास ने आरोपियों को दोषी ठहराया और पीड़िता को 3 लाख रुपये का मुआवज़ा भी दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंडिया-ए ट्राई सीरीज के फाइनल में

अफगानिस्तान-ए को 101 रन से हराया; प्रियांश-कुशाग्र और तिलक की फिफ्टी

दांबुला, 17 जून (एजेंसियां)। इंडिया-ए ने ट्राई नेशन सीरीज के फाइनल में जगह बना ली है। उसने बुधवार को करो या मरो मैच में अफगानिस्तान-ए को 101 रन के बड़े अंतर से हराया। बुधवार को दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में 320 रन का टारगेट चेज कर रही अफगानिस्तान-ए 36.5 ओवर में 218 रन पर ऑलआउट हो गई। निशांत सिंधु ने 4 विकेट झटके। यश ठाकुर और निशांत सिंधु को 2-2 विकेट मिले।

15 साल के भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी 28 बॉल पर 38 रन बनाकर आउट हुए। वे लगातार चौथी पारी में फिफ्टी नहीं बना सके हैं।

हालांकि, प्रियांश आर्या (58 रन), कुमार कुशाग्र (58 रन)

और तिलक वर्मा (59 रन) के अर्धशतकों ने टीम को 300 के पार पहुंचा दिया। वैभव इस सीरीज के 4 मैचों में 117 रन ही बना सके। इस सीरीज में उनका बेस्ट प्रदर्शन 44 रन रहा है।

भारतीय टीम से 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई

टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया की ओर से 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई। ओपनर प्रियांश आर्या और कुमार कुशाग्र ने 58-58 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा ने 59 रन बनाए।

दोनों टीमों के प्लेइंग-XI

इंडिया-एः वैभव सूर्यवंशी, प्रियांश आर्या, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा (कप्तान), कुमार कुशाग्र, निशांत सिंधु, सूर्याश शेडगे, विपराज निगम, अनुकूल रॉय, अंशुल कंबोज और यश ठाकुर।

अफगानिस्तान-एः इमरान मीर (कप्तान), हसन इसाखिल, खालिद तनिवाल, बहीर शाह, फरमानुल्लाह सफी, शाम्स उर रहमान, मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), जाहिर खान, अब्दुल्लाह अहमदजई, फैसल शान अहमदजई, फरिदून दाऊदजई।

भारत ने जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, सलीमा टेटे-लालरेम्सियामी चमकीं

ऑकलैंड, 17 जून (एजेंसियां)। ऑकलैंड में खेले गए एफआईएच नेशंस कप मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। कप्तान सलीमा टेटे और स्टार फॉरवर्ड लालरेम्सियामी के गोल भारत की जीत का आधार बने।

यह टूर्नामेंट में भारत की लगातार दूसरी जीत रही। इससे पहले टीम ने अमेरिका को हराया था। इस जीत के साथ भारत के छह अंक हो गए हैं और टीम ने अंतिम चार में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है। अब विजेता टीम अगले सत्र में एफआईएच प्रो लीग में जगह बनाएगी।

पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त हासिल की। निक्की प्रधान ने नवनीत और दीपिका के प्रयास को सलीमा टेटे की ओर मोड़ा, जिन्होंने गेंद को नेट में डालकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

भारत की बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। जापान ने दो मिनट के भीतर ही वापसी करते हुए ऐ हिरमित्सु के पेनल्टी कॉर्नर गोल से स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के अंतिम क्वार्टर में भारत ने फिर से बढ़त हासिल की। 49वें मिनट में लालरेम्सियामी ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को नेट में डाल दिया। सुशीला चानू के सटीक पास ने इस गोल की नींव रखी और भारत को 2-1 से अहम जीत दिलाई। इस मैच में मिडफील्डर ज्योति ने अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

भारत अब अपने पूल ए के आखिरी मैच में उरुग्वे से भिड़ेगा, जबकि जापान और अमेरिका सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगे।

मेसी की फुटबॉल वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल दागने के रिकॉर्ड की बराबरी की

11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके

वाशिंगटन डीसी, 17 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बुधवार को फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपने करियर की पहली हैट्रिक लगा दी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक भी है। मेसी की यह हैट्रिक खास मौके पर आई है। उन्होंने आज ही के दिन 17 जून 2006 में फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला था।

38 साल के मेसी ने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे। वे 78 मिनट के गेम के बाद मैदान से बाहर चले गए। कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में मेसी के इस दमदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे के मुकाबले में अल्जीरिया को 3-0 से हराया। मेसी अब तक 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके हैं।

इस जीत से अर्जेंटीना ग्रुप-जे के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना अब 22 जून को अपने अगले ग्रुप मुकाबले में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा। वहीं,

अल्जीरिया की टीम अपने अगले मैच में जॉर्डन से भिड़ेगी।

इस मैच से पहले मेसी के नाम वर्ल्ड कप में 13 गोल थे। वे जर्मनी के दिग्गज फुटबॉलर मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड से तीन गोल पीछे थे। मेसी ने हैट्रिक लगाकर इस अंतर को खत्म किया और क्लोज की बराबरी पर आ गए।

मेसी ने अल्जीरिया के खिलाफ शुरुआती मिनटों में गोल कर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला मेसी के इंटरनेशनल करियर का 200वां मैच भी था।

उनका इंटरनेशनल करियर 2005 में 18 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ था। उनसे ज्यादा मैच केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कुवैत के बदर अल-मुताबा ने खेले हैं। मुकाबले की शुरुआत तेज रही। मेसी और अल्जीरिया के फारिस शाइबी, दोनों के गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए। इसके बाद मेसी ने 30 गज दूर से गेंद हासिल की, डिफेंडर को छकाया और शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी।

पहले हाफ में अल्जीरिया ने अर्जेंटीना को ज्यादा मौके नहीं दिए। हालांकि, एलेक्सिस मैक एलिस्टर का एक हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। दूसरी ओर अल्जीरिया के अनिस हद्ज मौसा ने भी मौका बनाया, लेकिन गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने आसानी से उसे रोक लिया। ब्रेक के बाद मेसी लगातार अर्जेंटीना के हमलों का केंद्र बने रहे। पहले उन्होंने दूर से शॉट लगाया और फिर लाउतारो मार्टिनेज को शानदार पास दिया। उनका दूसरा गोल तब आया जब मैक एलिस्टर के तेज शॉट को गोलकीपर लुका जिदान पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके।

मेसी ने मौके का फायदा उठाते हुए रिबाउंड पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इसके बाद उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में बॉक्स के बाहर से कर्लिंग शॉट लगाकर हैट्रिक पूरी की और स्टेडियम में मौजूद अर्जेंटीनी समर्थकों को जश्न मनाने का मौका दे दिया। मेसी अपने करियर का रिकॉर्ड छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उन्होंने 20 साल पहले आज के दिन सर्बिया एवं मोंटेनेग्रो के खिलाफ मुकाबले से वर्ल्ड कप में डेब्यू किया था। हाल ही में मेसी हैमस्ट्रिंग की मामूली चोट से जूझ रहे थे, लेकिन टूर्नामेंट से पहले आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने वापसी के संकेत देते हुए पेनल्टी पर गोल किया था।

भारतीय कोच बोले- वैभव सूर्यवंशी शांत स्वभाव का लड़का

श्रीलंकाई खिलाड़ियों को व्यवहार करना सिखाना चाहिए

दांबुला, 17 जून (एजेंसियां)। इंडिया-ए के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की धक्का-मुक्की की कंट्रोवर्सी टीम इंडिया तक पहुंच गई है। टीम के स्पिन बॉलिंग कोच साइराज बहुतुले ने सूर्यवंशी शांत स्वभाव का लड़का है, लेकिन पता नहीं उसे कैसे उकसाया गया। बहुतुले ने यह बात प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। उन्होंने कहा-

वैभव अभी सिर्फ 15 साल के हैं और सीख रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वैभव को पूरी जानकारी दी जाए कि ऐसा क्यों हुआ। वह एक युवा बच्चा है जिसके ऊपर बड़ी जिम्मेदारियां हैं। मुझे उम्मीद है कि वह इस बात को समझेगा और भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं दोहराएगा। इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है।

दांबुला में खेले गए ट्राई-नेशन ए सीरीज के एक रोमांचक मुकाबले में इंडिया-ए को श्रीलंका-ए के खिलाफ हार मिली।

मैच के बाद भारत के 15 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंकाई खिलाड़ी विशन हलमबागे के बीच बहस हो गई।

इस घटना पर बहुतुले ने कहा, श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी सिखाया जाना चाहिए कि मैदान पर कैसा व्यवहार करना है। यही बात हमारे खिलाड़ियों पर भी लागू होती है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और इस मामले को टीम के भीतर (इंटरनली) सुलझाया जाएगा।

दांबुला में सोमवार को खेला गया मुकाबला टाई हुआ। इसके बाद श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए। जवाब में भारत 9 रन ही बना सका। भारत के मैच हारने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने वैभव को कुछ कहा। इससे वैभव भड़क गए और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी के साथ धक्का-मुक्की हो गई।

घटना से जुड़ी जो नई जानकारियां सामने आई हैं, उनके मुताबिक मैच जीतने के बाद मेजबान टीम के खिलाड़ी विशन हलमबागे ने वैभव पर कमेंट किया था। हलमबागे ने वैभव से कहा, मैच खत्म... अब तुम घर जाओ। इस टिप्पणी पर सूर्यवंशी ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

विशन हलमबागे की बात सुनकर वैभव ने पहले उन्हें जवाब दिया और फिर श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का दे दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और स्थिति गंभीर हो गई। हालांकि, मैदान पर मौजूद दोनों टीमों के बाकी खिलाड़ियों ने तुरंत बीच-बचाव किया और दोनों को एक-दूसरे से अलग किया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से बाहर; किसे किया गया शामिल

लंदन, 17 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ करेगा। इससे पहले ही टीम को झटका लगा है क्योंकि टीम के डिफेंडर टिनो लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए हैं।

इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था।

चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी। इंग्लिश टीम ने साल 1990 और 2018 का सेमीफाइनल खेला था, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत सकी।

फीफा वर्ल्ड कप-फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

एम्बापे के 14 गोल, जर्मनी के मुलर की बराबरी की

वाशिंगटन डीसी, 17 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में बुधवार को I ग्रुप के दो मैच खेले गए। पहले मैच में फ्रांस ने अपने ओपनिंग मैच में सेनेगल को 3-1 से हराया। न्यू जर्सी में खेले गए मुकाबले में स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बापे ने दो गोल दागे और फ्रांस के इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने पूर्व स्ट्राइकर ओलिवियर गिरूड का रिकॉर्ड तोड़ा। फ्रांस के लिए ब्रेडली बारकोला ने भी एक गोल किया, जबकि सेनेगल का एकमात्र गोल इब्राहिम म्बाए ने दागा।

मैच का पहला हाफ गोलरहित रहा, लेकिन दूसरे हाफ में एम्बापे ने फ्रांस को बढ़त दिलाई। इसके बाद बारकोला ने स्कोर 2-0 किया। सेनेगल के 18 साल के

इब्राहिम म्बाए ने गोल कर अंतर कम किया और वर्ल्ड कप में गोल करने वाले सबसे युवा अफ्रीकी खिलाड़ी बने। हालांकि, इंजरी टाइम में एम्बापे ने गोल कर फ्रांस की जीत पक्की कर दी।

एम्बापे के अब वर्ल्ड कप में 14 गोल हो गए हैं। उन्होंने जर्मनी के महान स्ट्राइकर गर्ड मुलर की बराबरी कर ली है और ऑल-टाइम रिकॉर्डधारी मिरोस्लाव क्लोस (16 गोल) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। पहले हाफ में सेनेगल ने फ्रांस को कड़ी टक्कर दी, लेकिन दूसरे हाफ में एम्बापे की चमक के आगे उसकी चुनौती फीकी पड़ गई।

मैच के दौरान एक बड़ा विवाद देखने को मिला। दूसरे हाफ में फ्रांस ने पेनल्टी की अपील की, जिसके बाद मामला VAR तक पहुंचा। हालांकि, वीडियो रीप्ले देखने के बाद भी रेफरी ने अपना फैसला नहीं बदला और फ्रांस को पेनल्टी नहीं दी। इस विवादित फैसले के कुछ ही मिनट बाद किलियन एम्बापे ने गोल कर फ्रांस को बढ़त दिला दी।

पहले हाफ में गोल करने का सबसे अच्छा मौका सेनेगल के इस्माइला सार को मिला था। हाफ-टाइम से ठीक पहले उन्हें नजदीक से गोल करने का मौका मिला, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर चला गया।

टूटा हुआ महसूस कर रहे स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ? तकनीक के इस्तेमाल की उठाई मांग

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पॉज्नान चैलेंजर के शुरुआती राउंड में एक विवादित अंपायरिंग कॉल के बाद टेनिस में रेफरी सिस्टम की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी और निराशा जाहिर की।

नागल ने बताया कि एक पॉइंट के दौरान वह गेंद की ओर दौड़े, जो स्पष्ट रूप से आउट थी। उस समय कोर्ट पर लाइन जज और चेयर अंपायर मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी कॉल नहीं दिया। उन्होंने लिखा मैंने तुरंत हाथ उठाया, लेकिन अंपायर ने कहा कि उन्होंने नहीं देखा। इसके बाद उन्होंने नीचे जाकर मार्क चेक करने से भी मना कर दिया। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि एटीपी नियमों के तहत

खिलाड़ी को गेंद के बाउंस के बाद एक बार स्ट्राइक करने और फिर कॉल को चुनौती देने की अनुमति होती है, बशर्ते खेल पर असर न पड़े। नागल का कहना है कि उनकी अपील भी इन्हीं नियमों के तहत थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सही सुनवाई नहीं मिली।

नागल ने दावा किया कि उन्हें एक ही पॉइंट में तीन गलत फैसलों का सामना करना पड़ा। न कॉल दिया गया, न रेफरी नीचे आए और न ही उनकी अपील को सही तरीके से देखा गया। उन्होंने कहा कि उस समय मैं बहुत निराश और टूटा हुआ महसूस कर रहा था, क्योंकि मैं खुद का बचाव भी नहीं कर सका। उस पॉइंट के बाद आगे खेलना मेरे लिए भावनात्मक रूप से मुश्किल हो गया।

भारतीय खिलाड़ी ने टेनिस में अंपायरों की जवाबदेही पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को गलतियों के लिए आर्थिक दंड मिलता है, लेकिन अंपायरों पर ऐसी कोई जवाबदेही नहीं होती। नागल ने एटीपी और इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) से अपील करते हुए कहा कि चैलेंजर स्तर के मैचों में तकनीक का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि गलत फैसलों से बचा जा सके। उन्होंने लिखा 2026 में जब तकनीक उपलब्ध है, तो मैच सिर्फ रेफरी पर निर्भर नहीं होने चाहिए।

इंडियन एथलेटिक्स सीरीज

किरण पहल ने जीती महिलाओं की 400 मीटर दौड़, पुरुषों में प्रदीप शीर्ष पर रहे

सूरत, 17 जून (एजेंसियां)। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 12वें चरण में हरियाणा की इंटरनेशनल रनर किरण पहल ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ जीती। सूरत में आयोजित प्रतियोगिता में 25 वर्षीय किरण ने 53.49 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन किरण पहल का बेस्ट 52.89 सेकेंड रहा है, जो हाल ही में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण में दर्ज किया गया था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 400 मीटर दौड़ में उनका पर्सनल बेस्ट 50.92 सेकेंड है।

48.41 सेकेंड का समय लेकर तमिलनाडु के प्रदीप एस. ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के नवीन कुमार डागर ने लंबे समय बाद प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ 9:09.80 सेकेंड में जीती। दिल्ली की चारू शौकीन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 12.29 सेकेंड में अपने नाम की। वहीं, मध्य प्रदेश की हीरल जौहरी (12.56 सेकेंड) दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि उत्तर प्रदेश की चार्वी पुजारी (12.79 सेकेंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विलियम्स

विंबलडन 2026 में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन, 17 जून (एजेंसियां)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद

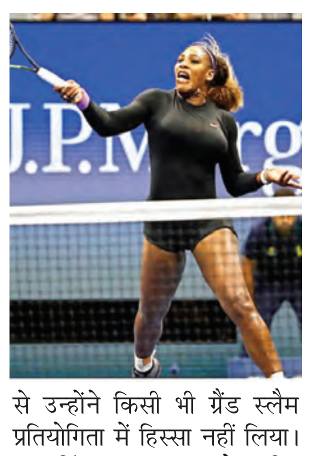

से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। वहां उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोको अपने एकल मुकाबले के दौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं। अब विंबलडन में उनकी मौजूदगी टूर्नामेंट के सबसे चर्चित आकर्षणों में से एक होगी।

तेलंगाना को आदर्श राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तेलंगाना पब्लिक स्कूल स्थापित करेगी

रंगारेड्डी जिले के अरुटला में तेलंगाना पब्लिक स्कूल का उद्घाटन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुष्टि की कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और भविष्य में भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए छात्रों को खेलों में प्रशिक्षित करने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तेलंगाना पब्लिक स्कूल (टीपीएस) स्थापित करेगी।

बुधवार को रंगारेड्डी जिले के अरुटला में तेलंगाना पब्लिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना का भविष्य कांच से सजे महलों या रंगीन दीवारों में नहीं है और सरकार का दृढ़ विश्वास है कि छात्रों का भविष्य कक्षाओं में ही निहित है। उन्होंने कहा, ₹अरुतला पब्लिक तेलंगाना के सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को समर्पित है। इसी भावना के साथ राज्य भर के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 27 लाख छात्रों को लाभ पहुंचाया जाएगा।₹ "हम शिक्षा आयोग की सिफारिशों के आधार पर सरकारी स्कूलों को मजबूत कर रहे हैं। अरुतला तेलंगाना पब्लिक स्कूल में कुल 1,814 छात्रों का दाखिला हो चुका है। यह गर्व की बात है कि प्रवेश के लिए भारी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए एक सरकारी स्कूल में 'प्रवेश निषेध' बोर्ड लगाना पड़ रहा है।," रेवंत रेड्डी ने कॉर्पोरेट शिक्षण संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अरुतला स्कूल के शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली छात्रों को आगे लाने के उद्देश्य से सरकार ने सरकारी स्कूलों को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाए हैं। तेलंगाना पब्लिक स्कूलों की स्थापना उपेक्षित शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने का एक नेक प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि कई महान नेताओं और अधिकारियों ने सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त की है और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव और उन्होंने स्वयं भी एक सरकारी स्कूल में पढ़ाई की थी। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि छात्र शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें ताकि माता-पिता आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन कर सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक छात्र को आईएएस, आईपीएस अधिकारी और भविष्य के राजनीतिक नेता बनने के उद्देश्य से अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को चेतावनी दी है कि यदि वे राज्य सरकार के खिलाफ झूठे आरोप लगाना बंद नहीं करते हैं तो आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें विपक्ष का दर्जा खोना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने सभी राजनीतिक विरोधियों को अरुतला तेलंगाना पब्लिक स्कूल का दौरा करने और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का अध्ययन करने का सुझाव दिया।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को नाश्ता, दोपहर का भोजन, गुणवत्तापूर्ण वर्दी और किट प्रदान किए जाते हैं और कहा कि 'यंग इंडिया' एकीकृत आवासीय स्कूलों और 'यंग इंडिया' कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास प्रदान करने का एक हिस्सा है। रेवंत रेड्डी ने स्कूलों में प्रतिभाओं को निखारने के लिए खेलों को महत्व देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के उद्देश्य से की गई थी। स्कूलों में पहले से ही एक खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में दिग्गज मेस्सी के साथ आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट को याद करते हुए कहा कि विपक्ष की आलोचनाओं के बावजूद सरकार मेस्सी के साथ फुटबॉल मैच आयोजित करने में सफल रही है। रेवंत रेड्डी ने जनता से सरकार का समर्थन करने की अपील की, क्योंकि वे तेलंगाना को देश के लिए एक आदर्श राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मोदी की विरासत आंकड़ों से कहीं बढ़कर है : श्रीनिवास

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रवक्ता पीएल श्रीनिवास ने भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री को लेकर चल रही बहस को बेतुका बताते हुए कहा कि असली मुद्दा वंशवादी राजनीति और चुनावी वैधता के बीच का अंतर है।

श्रीनिवास ने मोदी की विरासत पर एक बेतुकी बहस शीर्षक वाले एक लेख में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदय कांग्रेस की वंशवादी नेतृत्व संस्कृति के विपरीत, लगातार चुनावी जीत पर आधारित है। उन्होंने मोदी की लगातार तीन लोकसभा जीत और बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने निरंतर जनसमर्थन और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के माध्यम से भारत के राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दिया है।

नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता के बाद के भारत में एक अभूतपूर्व राजनीतिक घटनाक्रम रचा है। चाहे कोई उनकी प्रशंसा करे या विरोध करे, उनकी लंबी राजनीतिक यात्रा, चुनावी सफलता और वैश्विक दृश्यता ने भारत के राजनीतिक परिदृश्य को इस तरह से नया रूप दिया है जैसा कुछ ही नेता कर पाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी जितने विदेशी नागरिक सम्मान किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को नहीं मिले हैं। उनकी कूटनीतिक पहलों ने भारत की वैश्विक छवि को काफी मजबूत किया है। जो देश कभी भारत के साथ संबंधों को लेकर सतर्क या तनावपूर्ण थे, उन्होंने अब नए सिरे से साझेदारी की मांग की है। कनाडा के नेतृत्व ने हाल ही में संबंध सुधारने में रुचि दिखाई है। यूरोपीय देश रणनीतिक संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम भारत के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी का विस्तार जारी रखे हुए है। उन्होंने यह भी बताया कि चीन ने भी संवाद को आगे बढ़ाने में अपेक्षाकृत संयमित दृष्टिकोण अपनाया है।

7वें दिन भी तेलंगाना में अटका मानसून

मानसून कमजोर, देश के 40% हिस्से में बारिश की कमी:राजस्थान मध्य प्रदेश और गुजरात-कर्नाटक के ऊपर बादल नदारद

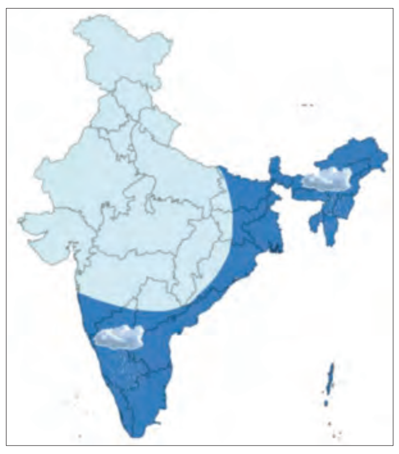

भोपाल/हैदराबाद 17, जून (स्वतंत्र वार्ता)। जून के तीसरे सप्ताह में भी मानसून देश के बड़े हिस्से को कवर नहीं कर पाया है। 17 जून की सुबह ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक के ऊपर मानसूनी बादल नहीं हैं। इन राज्यों में आसमान साफ दिख रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 723 जिलों में से सिर्फ 103 में ही सामान्य बारिश हुई है। यानी, देश के 40% हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसकी मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो-प्रेशर एरिया का न बनना है।

4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। पिछले 7 दिन से यह तेलंगाना के भद्राचलम में अटका हुआ है। इसी वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है।

अधिकतर जगह बारिश नहीं, लेकिन गर्मी से राहत

मानसूनी बारिश भले ही न हुई हो, लेकिन प्री-मॉनसून एक्टिविटीज और लोकल सिस्टम्स की वजह से देश के अधिकांश राज्यों में पारा 40C या इससे नीचे बना हुआ है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, तेलंगाना और ओडिशा में हीटवेव से राहत मिली है।

अगले दो दिन के मौसम का हाल

18 जून:

बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना। बिहार में कुछ जगहों पर 50-70kmph की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 40-60kmph की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

19 जून:

सिक्किम, उत्तर बंगाल, असम और मेघालय में भारी बारिश की संभावना है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में बारिश के साथ 40-60kmph की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रह सकती है।

जेट स्ट्रीम कमजोर होने पर आगे बढ़ेगा मानसून

मौसम विभाग के मुताबिक, जेट स्ट्रीम का मौजूदा पैटर्न कमजोर होने पर मानसूनी हवाएं तेज होंगी। अगले 4-5 दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने की परिस्थितियां बन सकती हैं। जेट स्ट्रीम वायुमंडल की ऊपरी परतों में बहने वाली अत्यंत तेज हवाएं हैं। ये आमतौर पर पृथ्वी की सतह से करीब 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई होती है। ये मानसूनी बादलों और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ को प्रभावित करती हैं।

मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री अब 21 से 23 जून के बीच होने का अनुमान है। IMD (मौसम केंद्र) की माने तो तेलंगाना के भद्राचलम में मानसून एक सप्ताह से अटका हुआ है। इस वजह से एमपी के साथ छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में यह लेट हो गया है।

पेड़ की छंटाई के दौरान करंट लगने से दिहाड़ी मजदूर की मौत

अलवाल के एमईएस कॉलोनी में हुआ हादसा

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के अलवाल क्षेत्र स्थित एमईएस कॉलोनी में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में पेड़ की शाखाओं की छंटाई कर रहे 45 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान सूर्यनारायण के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, उन्हें एक अपार्टमेंट के सामने पेड़ की शाखाएं काटने के लिए बुलाया गया था। इसी दौरान शाखाएं पास से गुजर रही बिजली की तारों के संपर्क में आ गईं, जिससे उन्हें तेज करंट का झटका लगा। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर अलवाल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। बताया गया है कि सूर्यनारायण दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं।

उनकी अचानक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अलवाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

गुरुकुलम निविदाओं में घोटाले के आरोप निराधार : अदलुरी लक्ष्मण कुमार

अनियमितता साबित होने पर इस्तीफे की चुनौती

करीमनगर, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने गुरुकुलम निविदाओं में 2000 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जब पूरी निविदा प्रक्रिया की लागत ही 1140 करोड़ रुपये थी, तो 2000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप कैसे लगाया जा सकता है।

बुधवार को करीमनगर में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि निविदा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई थी। देशभर के ठेकेदारों को भागीदारी का अवसर देने के लिए ऑनलाइन माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की गई थीं और पूरी प्रक्रिया विशेष मुख्य सचिव की निगरानी में हुई थी।

उन्होंने कहा कि यदि गुरुकुलम निविदाओं में किसी प्रकार की अनियमितता साबित हो जाती है तो वह स्वयं, मंत्री पोन्नम प्रभाकर तथा संबंधित विशेष मुख्य सचिव अपने पदों से इस्तीफा देने को तैयार हैं। बीआरएस नेता टी. हरीश राव के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि संबंधित मंत्री अपने विभागों की निविदा प्रक्रिया से अनभिज्ञ थे, अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि पूर्व बीआरएस सरकार के दौरान कई विभागीय समीक्षा बैठकें संबंधित मंत्रियों को जानकारी दिए बिना आयोजित की जाती थीं। मंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता पहले नागरिक आपूर्ति विभाग और सिंगरेनी में कथित घोटालों की बात करते थे और अब गुरुकुलम निविदाओं का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासनकाल में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक गुरुकुल संस्थानों की उपेक्षा की गई थी। उस दौरान कई छात्रावास और विद्यालय स्थायी भवनों के अभाव में संचालित हो रहे थे तथा किराया बकाया रहने के कारण कई भवन मालिकों ने अपने परिसर खाली करा लिए थे।

उन्होंने दावा किया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने लंबित भुगतान जारी कर इन समस्याओं का समाधान किया है। वहीं मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हरीश राव द्वारा पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति समुदाय से जुड़े मंत्रियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करना उचित नहीं है। इससे पूर्व दोनों मंत्रियों ने यात्रियों की समस्याओं और सुझावों को जानने के उद्देश्य से वागेश्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज से करीमनगर स्थित एनटीआर प्रतिमा तक राज्य परिवहन निगम की बस में यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने छात्रों और अन्य यात्रियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

पानीपुरी खाने के बाद 19 लोग बीमार, अस्पताल में भर्ती

केटीआर ने अधिकारियों से ली घटना की जानकारी

राजन्ना सिरसिल्ला, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मंडेपल्ली गांव में ठेले पर बिक रही पानीपुरी खाने के बाद 19 लोग बीमार पड़ गए। सभी को उपचार के लिए सिरसिल्ला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात कुछ बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

इसके बाद बुधवार सुबह सात अन्य लोगों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने सभी मरीजों का उपचार शुरू किया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। घटना की जानकारी मिलने पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने अधिकारियों और स्थानीय पार्टी नेताओं से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

डॉक्टरों ने केटीआर को बताया कि सभी मरीजों की स्थिति स्थिर है और उपचार के बाद उनमें सुधार हो रहा है। मरीजों के सुरक्षित होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। केटीआर ने बीआरएस के जिला अध्यक्ष थोथा अगैया को अस्पताल में भर्ती लोगों की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद थोथा अगैया, कोंडुरु रविंदर राव, चिति रंगा राव, जिंदम चक्रपाणि तथा अन्य नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की तथा उनका हालचाल जाना। प्रशासन द्वारा मामले की निगरानी की जा रही है।

मतदाता सूची में संशोधन के लिए राजनीतिक दलों से समर्थन मांगा

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका अला और अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) के. चंद्रकला के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, आयुक्त ने मतदाता सूची निर्धारण प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी और एक पारदर्शी, समावेशी और त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। यह बताया गया कि सभी पात्र मतदाताओं को गणना प्रपत्र अंग्रेजी में वितरित किए जाएंगे ताकि उन्हें आसानी से समझा जा सके और वे सटीक जानकारी भर सकें। अधिकारियों ने बताया कि पात्र मतदाताओं को जनगणना प्रपत्र अंग्रेजी में वितरित किए जाएंगे और उन्होंने राजनीतिक दलों से इस प्रक्रिया के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। मतदाता विभाग के अधिकारी ने समय पर प्रपत्र जमा करने पर जोर दिया और चेतावनी दी कि आवश्यक विवरण न देने वाले मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकता है। आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को पूर्ण सहयोग देने और पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान उनके कर्तव्यों में किसी भी प्रकार की बाधा न आने देने की अपील की और उनसे निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिवत भरे हुए प्रपत्र प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

क्षतिग्रस्त ज्वार की फसल नहीं खरीदे जाने से निराश किसान ने दी जान

मंडी में अनाज लोड न होने पर कीटनाशक पीने का आरोप

आदिलाबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सिरिकोंडा मंडल के पोन्ना गांव में एक किसान ने कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि मंडी में बारिश से क्षतिग्रस्त हुई उसकी ज्वार की फसल को वाहन में लोड नहीं किए जाने से वह काफी परेशान और निराश था। पुलिस के अनुसार, 48 वर्षीय किसान नुगुरे पांडुरंग अपनी 35 क्विंटल ज्वार की फसल लेकर करीब एक सप्ताह पहले मंडी पहुंचे थे। फसल का वजन किए जाने के बाद उन्हें अनाज लोड कराने के लिए क्रम संख्या भी दी गई थी। इस बीच हाल की बारिश के कारण उनकी फसल भीग गई और उसमें अंकुर निकल आए। बताया गया है कि जब अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त फसल को वाहन में लोड करने से इनकार कर दिया तो पांडुरंग मानसिक रूप से टूट गए। मंगलवार दोपहर उन्होंने अपने पास मौजूद कीटनाशक का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) अस्पताल, आदिलाबाद ले गए, जहां उपचार के दौरान मंगलवार रात उनकी मौत हो गई।

पांडुरंग ने अपनी आठ एकड़ भूमि में ज्वार की खेती की थी। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार में उनकी पत्नी सुनीता, दो पुत्र और एक पुत्री हैं। मृतक किसान की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है तथा आत्महत्या के कारणों और मंडी में हुई घटनाओं की भी पड़ताल की जा रही है।

वारसिगुडा में बेकाबू टिपर ट्रक ने मचाई अफरा-तफरी

पेड़ से टकराकर रुका वाहन

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के वारसिगुडा क्षेत्र में बुधवार को एक तेज रफ्तार टिपर ट्रक के अनियंत्रित हो जाने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक अचानक नियंत्रण खो बैठा और सड़क के व्यस्त हिस्से की ओर बढ़ने लगा, जहां कई पैदल यात्री मौजूद थे। स्थिति को भांपते हुए राहगीरों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित स्थानों की ओर छलांग लगा दी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के दौरान लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा। जानकारी के मुताबिक, बेकाबू ट्रक अंततः सड़क किनारे खड़े एक बड़े पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पेड़ उखड़कर गिर पड़ा, जिससे आसपास के क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात और सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

जूपल्ली ने इंदिरा महिला शक्ति बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति, पुरातत्व, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने बुधवार को कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के चिन्नमबावी मंडल में इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत वितरित बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। फ्लैग-ऑफ समारोह के बाद, जुपल्ली कृष्णा राव ने कुछ देर के लिए नई वितरित बसों में से एक को चलाया और बाद में लाभार्थियों से बातचीत की, उन्हें बधाई दी और उनके उद्यमशीलता के सफर में सफलता की कामना की। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार राज्य भर में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि इंदिरा महिला शक्ति पहल का उद्देश्य वित्तीय सहायता, कौशल विकास के अवसर और आय सृजन के रास्ते उपलब्ध कराकर महिलाओं को सफल उद्यमी बनाना है। उन्होंने बताया कि महिला समूहों को बसों का वितरण न केवल रोजगार के अवसर पैदा करेगा बल्कि उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण को भी मजबूत करेगा।

मंत्री ने महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और लाभार्थियों को दीर्घकालिक वित्तीय आत्मनिर्भरता और विकास प्राप्त करने के लिए इस पहल का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

वक्फ संपत्तियों का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग

बाजार दर के अनुरूप किराया तय करने के लिए आयोग गठन का सुझाव

हैदराबाद, 17 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के सदस्य अबुल फतेह सैयद बंदगी बदेशा कादरी ने बोर्ड से नाममात्र के किराये पर पट्टे पर दी गई सभी वक्फ संपत्तियों का विवरण सार्वजनिक करने और प्रचलित बाजार दरों के अनुरूप किराया निर्धारित करने के लिए एक स्वतंत्र आयोग गठित करने की मांग की है। बंदगी बदेशा ने कहा कि वक्फ संपत्तियां मुस्लिम समुदाय के कल्याण के उद्देश्य से स्थापित की गई पवित्र संस्थाएं हैं। इन संपत्तियों से प्राप्त आय का उपयोग मस्जिदों, मदरसों, अनाथालयों, धर्मार्थ संस्थाओं तथा अन्य सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों के संचालन और विकास में किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये मूल्य की अनेक वक्फ संपत्तियां वर्षों से अत्यंत कम किराये पर पट्टे पर दी गई हैं, जिससे वक्फ बोर्ड को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और समुदाय भी उसके वास्तविक लाभों से वंचित रहा है। एक विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में पंजीकरण मूल्य और मुद्रांक शुल्क बढ़ाए जाने के बाद वक्फ बोर्ड को सभी पट्टे पर दी गई तथा किराये पर संचालित वक्फ संपत्तियों की विस्तृत सूची सार्वजनिक करनी चाहिए। इस सूची में संपत्ति का नाम, स्थान, किरायेदार अथवा पट्टाधारक का विवरण, पट्टे की अवधि, वर्तमान किराया, बाजार मूल्य, प्रचलित बाजार किराया, बकाया राशि तथा कब्जे की कानूनी स्थिति जैसी जानकारियां शामिल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। यदि सभी कार्य नियमों के अनुसार हुए हैं तो सार्वजनिक जानकारी से वक्फ बोर्ड पर लोगों का विश्वास मजबूत होगा, जबकि किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सुधारात्मक कदम उठाने में मदद मिलेगी। बंदगी बदेशा ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उसकी संपत्तियों का प्रबंधन किस प्रकार किया जा रहा है और क्या इन बहुमूल्य संपत्तियों से उचित आय प्राप्त हो रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence [illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.